डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

# रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, संपादन [illegible] से [illegible] वर्ष-38 अंक-26 मूल्य रु. 10.00

## नशा मुक्त गांव को प्रदान किया जाएगा दो लाख रूपये का पुरस्कार - मुख्यमंत्री

**भोपाल, समरस पंचायतों में नशा मुक्ति का अभियान चलाया जाए। नशा मुक्त गांव को विशेष रूप से 2 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए आपसी बातचीत और विभिन्न प्रेरणास्पद गतिविधियों से वातावरण निर्मित किया जाए। यह सुनिश्चित करें कि हमारी पंचायतें 'बेटी फ्रेंडली' हों। समरस पंचायतों सहित सभी पंचायतों में बेटियों का मान, सम्मान और इज्जत बढ़े। मां, बहन, बेटी की तरफ गलत नजर से देखने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। समरस पंचायतों को अपने काम से पूरे देश में उदाहरण प्रस्तुत करना है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में निर्विरोध निर्वाचन द्वारा समरस पंचायतों का गठन करने वाले प्रतिनिधियों के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में समरस पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुये।

कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले की तहसील बनखेड़ी की ग्राम पंचायत उमरधा की निर्विरोध निर्वाचित सरपंच सुश्री जागृति सिंह जूदेव और सीहोर जिले के बुधनी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चिपरी के निर्विरोध निर्वाचित सरपंच श्री अमित चौहान ने अपने अनुभव तथा ग्राम विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएं और कार्ययोजना प्रस्तुत कीं।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 630 सरपंच, 157 जनपद पंचायत सदस्य और एक जिला पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। किसी भी पंचायत में सरपंच का निर्वाचन निर्विरोध रूप से होने पर 5 लाख रुपये, सरपंच पद के लिए वर्तमान और पिछला निर्वाचन निरंतर निर्विरोध होने पर 7 लाख रुपये तथा सभी पंच और सरपंच निर्विरोध निर्वाचित होने पर 7 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार पंचायत में सरपंच एवं पंच के सभी पदों पर महिलाओं का निर्वाचन होने पर पंचायत को 12 लाख रुपये और पंचायत में सरपंच एवं पंच के सभी पदों पर महिलाओं का निर्वाचन निर्विरोध होने पर पंचायत को 15 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

श्री चौहान ने कहा कि समरस पंचायतों को अपनी प्राथमिकता तय कर कार्य करना होगा। हम यह प्रण लें कि गांव में कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं होगा। यदि कोई विवाद होता है तो उसे बातचीत से सुलझाया जाएगा, जिससे हम अपना समय और पैसा कोर्ट-कचहरी में बर्बाद नहीं होने देंगे। साथ ही यह भी हमारी प्राथमिकता हो कि केंद्र और राज्य की सभी योजनाओं का लाभ पंचायत के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में स्वच्छता, वृक्षारोपण, बच्चों को कुपोषण से मुक्त करना, दिव्यांगों का सर्वे कर उन्हें संबंधित योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना, मुख्यमंत्री भू-अधिकार योजना में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को आवास के लिए भूमि उपलब्ध कराना, गांव को नशा मुक्त करना, गांव में असामाजिक तत्वों और अवैधानिक गतिविधियों को न होने देना प्राथमिकता में शामिल किया जाए।

### पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में सर्वप्रथम मध्यप्रदेश में ही पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। महिलाओं में नेतृत्व क्षमता के साथ कर्मठता की कोई कमी नहीं है। इंदौर ने महिला महापौर के नेतृत्व में स्वच्छता के क्षेत्र में देश में कीर्तिमान स्थापित किया है। ग्राम पंचायतों में निर्वाचित महिला पंचायत प्रतिनिधि जनता की सेवा और गांव के विकास में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी।

### लाड़ली लक्ष्मी को कॉलेज प्रवेश पर मिलेगी राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मियों को महाविद्यालयीन स्तर पर प्रवेश पर दो किस्तों में 25 हजार रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही कॉलेज स्तर की पढ़ाई की निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी। मेधावी विद्यार्थियों को भी राज्य शासन निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आय प्रतिमाह 10 हजार रुपये सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयासरत रहने का भी आह्वान किया।

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम

## मध्यप्रदेश में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित

**भोपाल,** मध्यप्रदेश में एक जुलाई से चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक और प्लास्टिक एवं थर्माकोल से निर्मित चिन्हित वस्तुओं का उत्पादन, भण्डारण, परिवहन, क्रय-विक्रय प्रतिबंधित कर दिया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 को प्रदेश में कड़ाई से लागू किये जाने के संबंध में इन वस्तुओं के निर्माता, स्टॉकिस्ट और विक्रेताओं पर छापामार कार्यवाही करने के निर्देश सभी निगम आयुक्त एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को जारी किये हैं।

जारी निर्देश के अनुसार सिंगल यूज प्लास्टिक, प्लास्टिक स्टिक वाले ईअर वड, बैलून में उपयोग होने वाली प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झण्डे, केण्डी स्टिक, आइस्क्रीम स्टिक, सजावट में उपयोग होने वाला थर्माकोल, प्लास्टिक की प्लेट्स, कप, गिलास, फोर्क, चम्मच, ट्रे, मिठाई के डिब्बे, निमंत्रण-पत्र, सिगरेट पैकेट को कवर करने वाली पैकिंग, प्लास्टिक स्टिकर्स एवं 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक एवं पीवीसी बैनर प्रतिबंधित कर दिये गये हैं।

## पांच जुलाई तक होंगे निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन

**भोपाल,** शिक्षा का अधिकार कानून में सत्र 2022-23 में प्रायवेट स्कूलों की प्रथम कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन अब 5 जुलाई तक किए जा सकेंगे। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस. ने बताया कि पात्रतानुसार निजी विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदकों का चयन ऑनलाइन लॉटरी द्वारा 14 जुलाई को किया जायेगा। वर्तमान में स्थानीय निकाय निर्वाचन प्रक्रिया में शासकीय सेवकों की ड्यूटी और कई पालकों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के बाद सत्यापन कार्य नहीं कराए जा सके हैं।

खास खबर

## ब्रेक डांस अकादमी के लिए 10 जुलाई से प्रतिभा चयन

**भोपाल,** खेल एवं युवा कल्याण विभाग पेरिस ओलिंपिक 2024 में सम्मिलित ब्रेक डांस के लिए अकादमी शुरू करने पर विचार कर रहा है। प्रथम चरण में जिला स्तर पर इच्छुक युवाओं के चयन के लिए उनके डांसिंग वीडियो बुलवाए गए थे। विभाग द्वारा ब्रेक डांस के लिए द्वितीय चरण में संभाग स्तर पर जुलाई माह में प्रतिभा चयन कार्यक्रम किया जायेगा। प्रतिभा चयन कार्यक्रम में जिला स्तर पर संचालित डांस क्लब, डांस अकादमी और डांस क्लासेस के युवा भी सम्मिलित हो सकते हैं।

### अंदर के पृष्ठों पर


- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण


सौर ऊर्जा

## ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना के लिये लेटर ऑफ अवॉर्ड का वितरण

**भोपाल,** मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी के ओंकारेश्वर जलाशय पर 600 मेगावॉट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजना का निर्माण दो चरण में किया जा रहा है। प्रथम चरण में कुल 278 मेगावॉट क्षमता विकसित करने के लिये 3 कम्पनियों को लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किये गये। मेसर्स एनएचडीसी लिमिटेड, परियोजना की यूनिट-डी, एएमपी एनर्जी यूनिट-ई और एसजेवीएन लिमिटेड यूनिट-एफ को विकसित करेगा।

प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री संजय दुबे ने बताया कि प्रथम चरण में 278 मेगावॉट क्षमता की परियोजना को सितम्बर-2023 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। ओंकारेश्वर परियोजना देश की बहुउद्देश्यीय परियोजनाओं में से एक है, जिसमें सिंचाई, जल-विद्युत उत्पादन पहले से ही हो रहा है। अब सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। श्री दुबे ने बताया कि परियोजना निर्माण अवधि में लगभग एक हजार व्यक्तियों तथा परियोजना संचालन अवधि में लगभग 300 व्यक्तियों को सीधे रोज़गार प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना (प्रथम चरण) के विकास से प्रदेश में लगभग 1600 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होगा।

प्रमुख सचिव श्री दुबे ने बताया कि इस परियोजना से प्राप्त टैरिफ बेसिक कस्टम ड्यूटी को महंगे पेट्रोल उत्पाद सोलर पैनल, अन्य अनुषांगिक सामान, वर्तमान वैश्विक महंगाई स्तर आदि परिस्थितियों के बाद भी न्यूनतम माना जा सकता है, जो विश्व को फ्लोटिंग सोलर परियोजना में एक नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से प्रदेश की जनता को भी अनेक लाभ मिलेंगे। इससे ऊर्जा आपूर्ति में कार्बन उत्सर्जन करीब 6 लाख मीट्रिक टन कम होगा। कृषि एवं अन्य उद्योग के लिये उपयोगी लगभग 600 हेक्टेयर भूमि का बचाव होगा। भूमि की आवश्यकता नहीं होने से किसी भी प्रकार का विस्थापन नहीं होगा। परियोजना में सोलर पैनल को साफ करने के लिये जलाशय के पानी को ही उपयोग में लिया जायेगा, जिससे बहुमूल्य जल की बचत होगी। इसके अतिरिक्त जलाशय के जल को वाष्पीकरण से बचाया जाना फ्लोटिंग सौर परियोजना से संभव होगा। श्री दुबे ने बताया कि वाष्पीकरण कम होने से लगभग 32.4 मिलियन घन मीटर पानी की वार्षिक बचत होगी। बचत की यह मात्रा इंदौर जैसे शहर को लगभग 112 दिनों तक के लिये पानी की दैनिक मांग को पूरा करने के लिये पर्याप्त है।

## उद्योगों में स्थानीय युवाओं के नियोजन को दें प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान निवेश संवर्धन समिति की बैठक को संबोधित करते हुये।

**भोपाल,** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित निवेश संवर्धन पर मंत्रिपरिषद समिति की बैठक को संबोधित करते हुये कहा है कि उद्योगों की स्थापना और पुरानी औद्योगिक इकाइयों के कार्य विस्तार के समय स्थानीय युवाओं के नियोजन पर प्राथमिकता से विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य सरकार द्वारा निवेश संवर्धन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नई इकाइयों की स्थापना पर उद्योग नीति के प्रावधानों के अनुसार भरपूर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों में जनजाति बहुल क्षेत्रों में जनजाति वर्ग के पात्र बेटे-बेटियों को रोज़गार का अवसर दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्थापित होने वाली नवीन इकाइयों को प्रावधान अनुसार दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में नीमच जिले के भीमपुरा में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सात हजार करोड़ रुपये की लागत से देश में अपनी तरह के दूसरे संस्थान की स्थापना और धार जिले के मनावर में सीमेंट संयंत्र की इकाई के विस्तार सहित अन्य निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बताया गया कि मनावर संयंत्र की लागत 975 करोड़ रुपये है। वर्तमान में संयंत्र से एक हजार व्यक्तियों को रोज़गार मिल रहा है।

बैठक में बताया कि इकाई के विस्तार होने पर 300 अतिरिक्त लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने नीति अंतर्गत आवश्यक सुविधाएं देने के निर्देश प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय कुमार शुक्ला को दिए।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

## 25 जून

### वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर तट से दूर एक भारतीय नौसेना जहाज से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। डीआरडीओ ने बताया कि समुद्र में आसमान से आते दुश्मन के किसी भी हमले को यह मिसाइल नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल सी स्किमिंग टेक्निक से लैस किसी भी टारगेट को ध्वस्त कर सकती है। इस तकनीक का इस्तेमाल एंटी शिप मिसाइलों और लड़ाकू विमानों में होता है। इस तकनीक की मदद से मिसाइलें और लड़ाकू विमान युद्ध पोतों पर लगे रडार और इन्फ्रारेड की पकड़ से बच जाते हैं। वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल 40 से 50 किलोमीटर दूर और 15 किलोमीटर की ऊंचाई पर तेज रफ्तार वाले टारगेट को भी निशाना बना सकती है। इस मिसाइल को नौसेना के जहाजों पर तैनात किया जायेगा।

● भारत में अब दुर्घटना परीक्षणों (क्रैश टेस्ट) के आधार पर वाहनों को स्टार रेटिंग दी जायेगी। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने दी। श्री गडकरी ने देश में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिये भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) शुरू करने के लिये जीएसआर अधिसूचना से जुड़े मसौदे को मंजूरी दी। इस अवसर पर श्री गड़करी ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म को उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसके माध्यम से न केवल ग्राहकों को स्टार रेटिंग के आधार पर सुरक्षित कारों को चुनने का विकल्प मिलेगा। इसके अलावा वाहन निर्माताओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

## 26 जून

### भारत में बनाये जायेंगे 75 टेक्सटाइल हब

● केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में तिरूपुर जैसे 75 टेक्सटाइल हब स्थापित करेगी। यह हब न सिर्फ वस्त्र उत्पादों के निर्यात में सहायता और मजबूत प्रौद्योगिकी का समावेश सुनिश्चित करेंगे, बल्कि रोज़गार के बड़े अवसर भी सृजित करेंगे। श्री गोयल ने कहा कि अगर एक टेक्सटाइल हब में 50 हजार करोड़ रुपये तक का उत्पादन शुरू होता है, तो एक हब में लाखों युवाओं को नौकरी मिल जायेगी। श्री गोयल ने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और आने वाले 30 वर्षों में इसके 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, ऐसे में टेक्सटाइल हब के बनने से अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

● सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम अपने यूजर्स की उम्र वेरिफाई करने के लिये एक नया फीचर लॉन्च करने की तैयारी में है। इंस्टाग्राम ने बताया कि अगर किसी यूजर को अपनी जन्मतिथि में बदलाव करना है, तो यूजर को अपनी पहचान जाहिर करने के लिये आईडी कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस की फोटो अपलोड करनी होगी। इंस्टाग्राम के अनुसार यूजर की उम्र 18 वर्ष से कम हो या ज्यादा उसे अपनी उम्र का प्रमाण देना होगा। यूजर अपनी फोटो और वीडियो अपलोड करके या अपने म्युचुअल फ्रेंड से भी वेरीफाई करवाकर अपनी उम्र का प्रमाण दे सकता है। इंस्टाग्राम ने कहा कि यह फीचर अभी टेस्टिंग प्रक्रिया से गुजर रहा है।

## 27 जून

### एनटीए ने जारी की यूजीसी नेट परीक्षा की तारीख

● राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) के दिसम्बर 2021 और जून 2022 संयुक्त चक्र के लिये परीक्षा तिथियों की घोषणा की है। एनटीए ने कहा कि दोनों चक्रों की संयुक्त परीक्षा आयोजित की जायेगी। एनटीए द्वारा जारी नोटिस के अनुसार यूजीसी नेट परीक्षा दो चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण के तहत 8, 9, 11 और 12 जुलाई को परीक्षाएं होंगी, जबकि दूसरे चरण में 12, 13 और 14 अगस्त को परीक्षाएं आयोजित होंगी। एनटीए ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिये एक हेल्पलाइन भी जारी की गई है। विद्यार्थी परीक्षा तारीख, प्रवेश पत्र आदि संबंधित प्रश्नों का जवाब हेल्पलाइन के जरिये प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यूजीसी एनटीए के जरिये वर्ष में दो बार यूजीसी नेट परीक्षा का आयोजन करती है। दिसम्बर 2021 में कोरोना महामारी के कारण परीक्षा निरस्त कर दी गई थी।

● कनाडा में एक सोने की खदान में उत्खनन के दौरान कुछ जीवाश्म मिले हैं। यह जीवाश्म ऊनी मैमथ के अवशेष बताये जा रहे हैं। इन अवशेषों की त्वचा और बाल बरकरार हैं। कनाडा के जीवाश्म वैज्ञानिक ग्रांट जोजुला ने बताया कि यह दुनिया में अब तक खोजे गये सबसे अविश्वसनीय ममीकृत हिमयुग जानवरों में से एक हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि इन जीवाश्मों की मौत 30 हजार वर्ष पहले हिमयुग के दौरान हुई होगी।

## 28 जून

### रूस से सोने के आयात पर प्रतिबंध

● अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद लगाये जा रहे प्रतिबंधों को सख्त बनाया जायेगा। अमेरिका ने कहा कि जी-7 समूह के सदस्य देश रूस से सोने के आयात पर प्रतिबंध लगायेंगे। बाइडेन ने कहा कि रूस अपने सोने की बिक्री से अरबों डॉलर कमाता है। अमेरिका के अनुसार ऊर्जा के बाद रूस सबसे अधिक सोने का निर्यात करता है। रूस के लिये यह महत्वपूर्ण राजस्व का स्रोत है। अहम बात यह है कि रूस 90 प्रतिशत सोना जी-7 देशों को निर्यात करता है। रूस ने वर्ष 2020 में लगभग 19 अरब डॉलर का सोना निर्यात किया था। विश्लेषकों का मानना है कि जी-7 देशों द्वारा रूसी सोने पर प्रतिबंध महज खानापूर्ति साबित होगा, क्योंकि यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर जो आर्थिक प्रतिबंध लगाये हैं, उनसे पश्चिमी देशों में रूसी सोने का आयात पहले ही रुक चुका है, ऐसे में इस प्रतिबंध की आवश्यकता नहीं थी।

● भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' के तहत भारतीय वायु सेना के मेगा प्रोजेक्ट 114 मल्टीरोल फाइटर एयर क्राफ्ट (एमआरएफए) का सौदा करने वाली कंपनी को तकनीक का हस्तांतरण भी सुनिश्चित करना होगा। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि इन 114 मल्टीरोल एयर क्राफ्ट से भारतीय वायु सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे वायु सेना को वह एडवांस तकनीकें जल्द हासिल होंगी, जिनके आधार पर सैन्य अभियानों की योजना को ज्यादा प्रभावशाली तरीके से लागू करने की त्वरित आवश्यकता को पूरा किया जा सकेगा।

## 29 जून

### डीआरडीओ ने स्वदेश निर्मित एंटी टैंक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

● रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेश निर्मित एंटी टैंक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि युद्धक टैंक अर्जुन से स्वदेश निर्मित एंटी टैंक मिसाइल को दागा गया, जिसने पूरी सटीकता से लक्ष्य को आसानी से भेद दिया। मंत्रालय के अनुसार यह परीक्षण डीआरडीओ और भारतीय सेना ने मिलकर महाराष्ट्र के अहमदनगर में किया गया। इस परीक्षण के दौरान मिसाइल की टेलीमेट्री और फ्लाइट परफॉर्मेंस का अध्ययन किया गया। इस स्वदेशी एंटी टैंक मिसाइल में टैंडम हाई एक्सप्लोसिव एंटी टैंक हथियार लगा है, जो अत्याधुनिक एक्सप्लोसिव रिएक्टर आर्मर कवच वाले बख्तरबंद वाहनों को भी भेद सकता है।

● केंद्रीय संचार एवं दूरसंचार मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने डाक विभाग के एक ई-लर्निंग पोर्टल 'डाक कर्मयोगी' को लॉन्च किया। इस पोर्टल को मिशन कर्मयोगी की परिकल्पना के तहत विकसित किया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य ग्रामीण डाक सेवकों और विभागीय कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाना है। पोर्टल पर डाक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिये 12 भाषाओं में वीडियो और प्रश्नोत्तरी उपलब्ध है। इस अवसर पर श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 10-15 वर्ष पहले डाक विभाग के भविष्य को लेकर चिंता जताई जाती थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। सरकार 40 सरकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाओं की डिलीवरी डाक विभाग के जरिये कर रही है।

## 30 जून

### भारत में 7 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों को लगेगा कोवोवैक्स टीका

● ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने सीरम इंस्टीट्यूट की कोरोना रोधी वैक्सीन कोवोवैक्स को 7 से 11 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों में सीमित आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी प्रदान की है। डीसीजीआई की मंजूरी पिछले सप्ताह कोविड संबंधी विशेष विशेषज्ञ समिति द्वारा 7 से 11 वर्ष के आयु वर्ग के लिये कोवोवैक्स टीके के आपातकालीन उपयोग की अनुमति देने की सिफारिश किये जाने के बाद दी गई है। डीसीजीआई ने कहा कि यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ दी गई है। उल्लेखनीय है कि सीरम इंस्टीट्यूट ने इस वर्ष मार्च में कोवोवैक्स टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी के लिये डीसीजीआई को एक आवेदन दिया था। इसके बाद डीसीजीआई ने विशेष विशेषज्ञ समिति के पास मामला भेजा था।

● केंद्रीय मंत्रिपरिषद ने देशभर में 63 हजार प्राथमिक कृषि साख समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण को मंजूरी प्रदान की है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि सरकार के इस फैसले से 13 करोड़ से अधिक छोटे और सीमांत किसानों को फायदा होगा। इसके अलावा पारदर्शिता, विश्वसनीयता और कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। श्री शाह ने बताया कि प्राथमिक कृषि साख समितियों में लोगों की सुविधा के लिये सॉफ्टवेयर स्थानीय भाषाओं में होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कम्प्यूटरीकरण प्राथमिक कृषि साख समितियों के लिये वरदान साबित होगा।

## 1 जुलाई

### संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से होगा शुरू

● संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से आरंभ होगा। यह जानकारी लोकसभा सचिवालय ने दी है। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार 17वीं लोकसभा का नौवां सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा और इसके 12 अगस्त तक चलने की संभावना है। वहीं राज्यसभा सचिवालय ने भी एक बयान जारी कर बताया कि राज्यसभा का 257वां सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा। संसद के मानसून सत्र में 18 जुलाई से 12 अगस्त के बीच कुल 17 कार्य दिवस होंगे। इस सत्र में केंद्र सरकार कई विधेयकों को सदन में प्रस्तुत कर सकती है, इनमें संसदीय समिति के समक्ष विचार के लिये भेजे गये चार विधेयक शामिल हैं। मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रपति चुनाव भी सम्पन्न होगा। राष्ट्रपति चुनाव के लिये सत्र के पहले (18 जुलाई) को मतदान होगा।

● पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और अन्य तेल उत्पादक देशों ने अगस्त माह में कच्चे तेल के उत्पादन में 6.48 लाख बैरल प्रतिदिन बढ़ोत्तरी करने का फैसला किया है। पेट्रोलियम उत्पादक देशों ने यह फैसला कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को काबू करने और वैश्विक महंगाई को कम करने के उद्देश्य से की है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अनुरोध पर सऊदी अरब के नेतृत्व वाले ओपेक संगठन ने कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस वृद्धि के साथ कच्चे तेल का कुल उत्पादन कोविड महामारी से पहले के स्तर 44 मिलियन बैरल प्रतिदिन के स्तर के करीब पहुंच सकता है।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)*


TRANSNATIONAL KNOWLEDGE SECIETY'S
SHIVAJIRAO KADAM GROUP OF INSTITUTIONS
(ESTD-2009)
SKILL, INNOVATION, TRANSFORMATION | An ISO 9001 : 2015 Certified Institute
Tillore Khurd, Near Ralamandal Indore, Indore (M.P)

APPOINTMENT

SHIVAJIRAO KADAM INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT
Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Lab Technician
For B.Tech (CSE /ME/EC/CE/HUMANITIES)
For MBA (HR/FINANCE/MARKETING/IT/PRODUCTION)
Eligibility : As per UGC / AICTE / RGPV (Statue 30) DAVV Norms (Code 28)

SHIVAJIRAO KADAM INSTITUTE OF PHARMACEUTICAL EDUCATION & RESEARCH
Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Lab Technician
(Pharmaceutical Chemistry / Pharmaceutics / Pharmacognosy / Pharmacology / QA)
Eligibility : As per UGC / AICTE / PCI / RGPV Norms (Statue 30)

COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES - ATC
Professor / Associate Professor / Assistant Professor, For BBA & B.Com
Eligibility : As per UGC / AICTE / DAVV Norms (Code 28)

ALSO LOOKING FOR
Visiting Faculty as per NEP / Registrar / Office Staff /
Marketing Excecutives / Librarian / TPO

ANIL PUB.

Interested candidates may send applications along with the latest CV to
The Principal at hr@skitm.in within 15 days
or Walk-in Interview at Institute Campus, Ph.: 9713434971

R-47223/2022



साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

| क्रमांक | ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm) | रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm) |
|---|---|---|
| 1. डीएवीपी (DAVP) रेट | 13.36 | 18.70 |
| 2. कॉन्ट्रैक्ट रेट | 70.00 | 98.00 |
| 3. कमर्शियल रेट | 80.00 | 112.00 |

फुल पेज का आकार

| | | |
|---|---|---|
| चौड़ाई | - | 25 सेंटीमीटर |
| लंबाई | - | 37 सेंटीमीटर |
| कुल वर्ग सेंटीमीटर | - | 925 वर्ग सेंटीमीटर |

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।



वर्ष 39, अंक 27 04.07.2022 से 10.07.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

**वार्षिक सदस्य बनने के लिये** रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
**रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011**
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

## सम्पादकीय

# मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने के लिये गठित टास्क फोर्स की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को भोपाल स्थित निवास कार्यालय में प्रदेश मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने के लिये गठित टास्क फोर्स ने अंतिम प्रतिवेदन सौंपा। टास्क फोर्स की प्रमुख प्रोफेसर शमिका रवि ने मुख्यमंत्री को प्रतिवेदन की प्रति सौंपी। मध्यप्रदेश शासन ने प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल में शामिल रहीं प्रोफेसर शमिका रवि की अध्यक्षता में गत जनवरी माह में टास्क फोर्स का गठन किया था। टास्क फोर्स ने निर्धारित अवधि 30 जून को रिपोर्ट सौंपी। मुख्यमंत्री ने कहा कि टास्क फोर्स ने बेहतर कार्य कर दिखाया है, लेकिन यह मंजिल नहीं पड़ाव है। टास्क फोर्स आगे भी कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें इस रिपोर्ट को क्रियान्वित भी करना है, जिससे माताओं और शिशुओं की मृत्यु दर को और भी कम करने में सफलता मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में निरंतर कार्य के साथ सतत् समीक्षा में मध्यप्रदेश में अपेक्षित सुधार देखने को मिले हैं। स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से इस क्षेत्र में सफलता मिल रही है। प्रदेश में अन्य क्षेत्रों में भी काफी कार्य हुआ है। मातृ और शिशु मृत्य दर कम करने पर अधिक फोकस करते हुये अब और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त किये जायेंगे। गठित टास्क फोर्स ने मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग के साथ समन्वय बनाने का कार्य भी किया है। मुख्यमंत्री ने समय पर प्रतिवेदन देने के लिये टास्क फोर्स को बधाई एवं प्रोफेसर शमिका रवि और अन्य सदस्यों को धन्यवाद दिया। प्रोफेसर शमिका रवि ने कहा कि यह यात्रा की शुरुआत है। रोडमैप के विकास में भी इस टीम के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा और हम जुड़ाव बनाये रखेंगे। दीर्घ और लघु अवधि में किये जाने वाले कार्यों का निर्धारण कर क्रियान्वयन होता रहेगा। उन्होंने टास्क फोर्स की अंतिम रिपोर्ट के साथ अन्य प्राप्त आंकड़ों के वैज्ञानिक ढंग से दस्तावेजीकरण की आवश्यकता बताई, जिसका लाभ मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों को भी मिलेगा। नीति आयोग में एसडीजी इंडिया इंडेक्स रिपोर्ट में मध्यप्रदेश को अच्छ प्रदर्शन वाले राज्यों की श्रेणी में रखा है, जो इस बात का प्रतीक है कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अच्छा कार्य किया गया है। सुधार की संभावनाओं को भी मध्यप्रदेश क्रियान्वित करने में सक्रिय है। अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश ने टास्क फोर्स का गठन कर विशेष पहल की है। टास्क फोर्स के प्रतिवेदन में सात अध्याय शामिल हैं। रिपोर्ट में पोषण की भूमिका, स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों पर नजर रखना, स्वास्थ्य की देखभाल और संसाधनों के अध्ययन, शिशुओं और माताओं की देखभाल में सुधार, वर्तमान स्थिति और पृष्ठभूमि, स्वास्थ्य पर होने वाले व्यय और सुशासन एवं अन्य उपायों से इस क्षेत्र में सुधार के अध्याय शामिल हैं। प्रतिवेदन में बच्चों में कुपोषण की समाप्ति और मातृ-शिशु कल्याण के क्षेत्र में अच्छे परिणाम के लिये भौतिक अधोसंरचना और संसाधनों की कमी दूर करने, शिशुओं के पूरक आहार, नियमित टीकाकरण, रोगों की रोकथाम, ब्लड बैंक सुविधाओं का विस्तार, नवजात शिशुओं के लिये रेफरल व्यवस्था और परिवहन सुविधा से संबंधित सुझाव भी शामिल हैं। इसके अलावा आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को कुपोषण, स्वास्थ्य शिक्षा और संस्कार देने के मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनसहयोग से संचालित अभियान का उल्लेख है। मध्यप्रदेश में मातृ मृत्यु दर 5.8 प्रतिशत की दर से घट रही है। राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत है। इसी तरह मध्यप्रदेश में नवजात शिशुओं की मृत्यु दर 0.6 प्रतिशत की दर से घट रही है। राष्ट्रीय औसत दर 3.8 प्रतिशत है। इन सूचकांकों के अनुसार मध्यप्रदेश वर्ष 2030 में अपेक्षित सतत् विकास लक्ष्यों को आने वाले 33 वर्ष में प्राप्त कर पायेगा। इसलिये इस कार्य की गति को और बढ़ाया जायेगा। टास्क फोर्स ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पांच प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है। यह क्षेत्र हैं- शासन स्तर पर नियमित समीक्षा, भौतिक अधोसंरचना और संसाधन, पोषण, वित्त व्यवस्था और डाटा का उपयोग है।

# टाइफाइड के जीवाणु विकसित कर रहे प्रतिरोधक क्षमता

टाइफाइड एक ऐसी बीमारी है, जिससे मनुष्य बड़ी संख्या में प्रभावित होता है। बड़ी संख्या में लोग इससे पीड़ित होते हैं। हाल ही में हुये एक शोध में इस बीमारी के बारे में एक नये तथ्य का पता चला है। एक अध्ययन में दावा किया गया है कि टाइफाइड बुखार पैदा करने वाले जीवाणु कुछ सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली एंटी बायोटिक दवाओं के प्रति तेजी से प्रतिरोधी होते जा रहे हैं। इसका मतलब है कि यह प्रमुख दवाएं टाइफाइड के इलाज में काम नहीं कर रही हैं। अमेरिका में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने शोध में पाया कि इस तरह वेरिएंट कुछ हद तक दवा प्रतिरोध जैसा काम करते हैं, पिछले 30 वर्षों में भारत जैसे देशों में तेजी से फैल रहे हैं। टाइफाइड से हर साल करीब 1.10 करोड़ लोग संक्रमित होते हैं। टाइफाइड का बुखार दूषित पानी या भोजन के कारण फैलता है और इसका इलाज करने के लिये एंटी बायोटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है। शोधकर्ताओं ने 2014 से 2019 के बीच भारत, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान में टाइफाइड रोगियों से एकत्र किये गये एसटाइफी नमूनों का अध्ययन किया गया। उन्होंने 1905 से 2018 के बीच 70 से अधिक देशों से अलग-अलग एसटाइफी के अतिरिक्त नमूनों के अनुक्रमण के आंकड़ों का भी विश्लेषण किया। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ता जेसन एंड्रयूज ने बताया कि कुछ वर्षों में जिस गति से एसटाइफी के अत्यधिक प्रतिरोधी वेरिएंट का उभार हुआ है, वह चिंता का कारण है। शोधकर्ताओं ने बताया कि एसटाइफी के दवा प्रतिरोधी वेरिएंट अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई बार फैल चुके हैं। टाइफाइड नियंत्रण और एंटी बायोटिक प्रतिरोध को आमतौर पर स्थानीय समस्या के बजाय वैश्विक रूप में देखने की आवश्यकता है।

**- देवेश तिवारी**

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस 2 जुलाई

# सहकारिता से ही सम्भव है बेहतर विश्व का निर्माण

सहकारिता एक बेहतर विश्व के निर्माण का प्रभावी और सफल माध्यम है। सहकारिता एक ऐसी कार्यशैली है, जिससे क्रियाशील जनसमूह लक्षित हितग्राही की आर्थिक स्थिति में वांछित सुधार करता है और एक समूह के रूप में उन्हें सम्पन्न बनाता है। सहकारिता आंदोलन की सफलता का मूल तत्व उसका संरचनात्मक लचीलापन है। अर्थव्यवस्था के कई अलग-अलग क्षेत्रों में, समूचे विश्व में काम करते हुए सहकारी समितियों ने औसत से अधिक भीषण संकट के समय भी खुद को समुचित लचीला साबित किया। यह सहकारी समितियां प्रत्यक्ष रूप से तो आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देती ही हैं साथ ही परोक्षतः पर्यावरणीय गिरावट और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष में, अच्छी नौकरियों के अवसर सृजित करने और खाद्य सुरक्षा में अपना योगदान भी सुनिश्चित करती हैं। सहकारी समितियों की इस दिशा में क्रियाशीलता उसके निर्धारित वित्तीय संव्यवहार से कुछ हटकर रहती हैं। सहकारी समितियां, स्थानीय समुदायों के भीतर वित्तीय पूंजी रखती हैं, नैतिक मूल्य श्रृंखला बनाती हैं और लोगों की भौतिक स्थितियों और सुरक्षा में सुधार करके शान्ति की स्थापना में सकारात्मक योगदान करती हैं। सहकारिता का तात्पर्य सहभागिता है। आसान शब्दों में कहें तो मिल-जुलकर काम करने को सहकारिता कहा जाता है। 'साथी हाथ बढ़ाना' के मकसद से समस्त मानव जगत् का कल्याण करना सहकारिता का लक्ष्य है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि इसे पहली बार वर्ष 1923 में मनाया गया था। वर्ष 1995 में संयुक्त राष्ट्र ने एक प्रस्ताव पेश कर जुलाई महीने के पहले शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाने की पहल की। इसे सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। वर्तमान समय में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस दुनियाभर में एक साथ मनाया जाता है। आजकल सहकारिता शब्द का महत्व बढ़ गया है। खासकर कोरोनाकाल में लोग तनाव भरी जिंदगी गुजार रहे थे उस समय लोगों को एक-दूसरे की सहायता की आवश्यकता थी। इसके लिए सहकारिता जरूरी थी। सरकार की तरफ से भी कई योजनाएं चलाई जा रही थीं। देशभर में कई सहकारी संगठन हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए रोज़गार का सृजन तव भी कर रहे थे और आज भी कर रहे हैं।

### सहकारी नीति से हासिल होगा 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

भारत के राष्ट्रीय सहकारी संघ के आंकड़ों के अनुसार, भारत का सहकारी क्षेत्र दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्र है और लगभग नब्बे हजार से अधिक लोगों की सदस्यता के साथ दो सौ नब्बे मिलियन से अधिक आबादी के साथ देश के 98 प्रतिशत इलाकों में सहकारिता संस्थागत स्वरूप में मौजूद है। भारत में इन दिनों केंद्र सरकार सहकारी संस्थाओं को नियंत्रित करने वाले कानूनों में बदलाव लाने की योजना बना रही है। इसके लिए सहकारिता मंत्रालय अन्य सहयोगी मंत्रालयों और प्रमुख प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों से मिलने के लिए सम्मेलन का आयोजन भी करेगा, जो पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ सहकारी समितियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदमों पर ध्यान देंगे। सहकारी समितियां अनिवार्य रूप से छोटे उत्पादकों का समूह है, जो बाजारों में बड़े पैमाने पर और सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति हासिल करने के लिए अपने संसाधनों को जमा करते हैं। एक प्रमुख पहल सहकारी समितियों का एक डिजिटल डेटाबेस बनाना भी है, जो इस एक क्षेत्र की पुनर्संरचना करने में मदद करेगा।

### सहकारिता के उन्नयन और संवर्धन के लिए मनाते हैं यह दिवस

सहकारिता के उन्नयन और संवर्धन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस का संकल्प संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किया गया था, जिसके आधार पर विश्व सहकारिता दिवस का आयोजन किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सहकारिता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन की पहल पर वर्ष 1923 से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2021 में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सहकारी समितियों के योगदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया गया था। सहकारी समितियों के विकास के लिए एक सहायक वातावरण बनाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किये गये थे। सहकारिता के संवर्धन पर अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने भी एक सौ तिरानवे अनुशंसाएं भी जारी की थीं। कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (इंटरनेशनल फण्ड फॉर एग्रीकल्चर डेवलपमेंट), सहकारी समितियों के संवर्धन और उन्नति के लिए समिति, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन), खाद्य और कृषि संगठन (फूड एण्ड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन), क्रेडिट यूनियनों की विश्व परिषद, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन और सहकारी समितियों के प्रचार और उन्नति के लिए समिति के माध्यम से सहकारिता के विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र ने प्रणाली विकसित की थी। अंतर्राष्ट्रीय दिवस और सप्ताह के आयोजनों में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस का अपना महत्व है। यह दिन सहकारिता से जुड़ी जनता को चिंता के मुद्दों पर शिक्षित करने, वैश्विक समस्याओं को दूर करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों को जुटाने और मानवता की उपलब्धियों का जश्न मनाने और सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। कुछ अंतर्राष्ट्रीय दिवसों, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस भी शामिल हैं, उनका अस्तित्व संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले का है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें एक शक्तिशाली वकालत उपकरण के रूप में अपनाया है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारिता के बुनियादी सिद्धांतों पर मंथन होता है। यह सिद्धांत है स्वैच्छिक और खुली सदस्यता, लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यता पर नियंत्रण, सदस्यों की आर्थिक भागीदारी, स्वायत्तता और स्वतंत्रता, शिक्षा, प्रशिक्षण और जानकारी, सहकारी सोसाइटियों के बीच सहयोग और समुदाय के लिए सरोकार।

### सहकारी संस्थाओं का अस्तित्व अठारहवीं सदी से है

सहकारी संस्थाओं के अस्तित्व में आने का सबसे पहला प्रमाण 14 मार्च, 1761 में स्कॉटलैंड में मिला, जहां पहली सहकारी समिति बनाई गई। वर्ष 1844 में इंग्लैंड के उत्तर में कपास मिलों में काम करने वाले अट्ठाइस कारीगरों के एक समूह ने पहला आधुनिक सहकारी व्यवसाय स्थापित किया। सहकारी समितियों को ऐसे संघों और उद्यमों के रूप में स्वीकार किया गया है, जिनके माध्यम से नागरिक अपने समुदाय और राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उन्नति में योगदान करते हुए अपने जीवन को प्रभावी ढंग से सुधार सकते हैं। सहकारी आंदोलन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मामलों में एक विशिष्ट और प्रमुख हितधारक के रूप में भी मान्यता दी गई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में लगभग तीन मिलियन सहकारी समितियों में दुनिया की 12 फीसदी आबादी शामिल है।

### सहकारी समितियां भी बाहरी समानता पर ध्यान देती हैं

सहकारी समितियों का खुला सदस्यता मॉडल धन सृजन और गरीबी उन्मूलन तक पहुंच प्रदान करता है। यह सदस्यों की आर्थिक भागीदारी के सहकारी सिद्धांत का परिणाम है कि 'सदस्य अपनी सहकारी पूंजी में समान रूप से योगदान करते हैं और लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित करते हैं। चूंकि सहकारी समितियां जनकेंद्रित होती हैं, पूंजी केंद्रित नहीं अतः वे न तो कायम रहती हैं और न ही पूंजी संकेंद्रण में तेजी लाती हैं, बल्कि वे अधिक निष्पक्ष तरीके से धन का वितरण करती हैं। सहकारी समितियां बाहरी समानता को भी बढ़ावा देती हैं। चूंकि वे समुदाय आधारित हैं अतः वे अपने समुदायों के सतत् विकास के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं- पर्यावरण से सम्बन्धित, सामाजिक तौर पर और आर्थिक रूप से भी। इस प्रतिबद्धता को सामुदायिक गतिविधियों के लिए उनके समर्थन, स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने के लिए आपूर्ति की स्थानीय सोर्सिंग और निर्णय लेने में देखा जा सकता है जो उनके समुदायों पर प्रभाव पर विचार करता है। अपने स्थानीय सामुदायिक फोकस के बावजूद, सहकारी समितियां अपने आर्थिक और सामाजिक मॉडल के लाभों को दुनिया के सभी लोगों तक पहुंचाने की भी इच्छा रखती हैं।

### लोकतान्त्रिक और स्वायत्त होने से विशिष्ट है सहकारी आन्दोलन

सहकारी आंदोलन अत्यधिक लोकतांत्रिक और स्थानीय रूप से स्वायत्त है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह एकीकृत है और संघों और उद्यमों के संगठन का एक रूप है जिसके तहत नागरिक स्वयं स्व-सहायता पर भरोसा करते हैं और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उनकी अपनी जिम्मेदारी है, जिसमें न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय उद्देश्य भी शामिल हैं जैसे गरीबी पर काबू पाना, उत्पादक रोज़गार हासिल करना और सामाजिक एकीकरण को प्रोत्साहित करना। इसी लक्ष्य से अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन बनाया गया है।

यह गठबंधन विश्व की सभी सहकारी समितियों को एकजुट करता है, उनका प्रतिनिधित्व करता है और उनका कामकाज सम्हालता है। वर्ष 1895 में स्थापित, यह सबसे पुराने गैर-सरकारी संगठनों में से एक है और प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों की संख्या के आधार पर विश्व के सबसे बड़े संगठनों में से एक है, जिसमें लगभग एक अरब सदस्य हैं। यह गठबंधन वैश्विक और क्षेत्रीय सरकारों और संगठनों के साथ विधायी वातावरण बनाने के लिए काम करता है जो सहकारी समितियों को बनाने और उन्हें चलाने में सहयोग करता है।

**राजा दुबे**

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

# मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया - इंदौर

## मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग हेतु सिस्टम एनालिस्ट तथा प्रोग्रामर के पदों की संविदा के आधार पर पूर्ति हेतु विज्ञापन

| विज्ञापन क्रमांक | ऑनलाइन आवेदन करने की | आयोग कार्यालय में अभिलेखों सहित आवेदन-पत्र |
|---|---|---|
| 02/2022/27.06.2022 | अंतिम तिथि 10.08.2022 | जमा करने की अंतिम तिथि 22.08.2022 |

**महत्वपूर्ण**

1. **मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग हेतु सिस्टम एनालिस्ट तथा प्रोग्रामर के पदों की संविदा के आधार पर पूर्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इन पदों के लिए अपेक्षित अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता/कार्यानुभव तथा अन्य आवश्यक अर्हताएं इस विज्ञापन की कंडिका-दो में उल्लेखित हैं।**
   **रोज़गार पंजीयन -**
   (क) माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक 5096/2022 में पारित अंतिम निर्णय दिनांक 08.03.2022 दिनांक के अनुपालन में अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को रोज़गार कार्यालय में पंजीयन से मुक्त रखा गया है।
   (ख) मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को जीवित रोज़गार पंजीयन आवेदन करते समय आवश्यक नहीं होगा, किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
   (ग) मध्यप्रदेश शासन की सेवा में कार्यरत- शासकीय/निगम/मण्डल/उपक्रम/आयोग/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक- अभ्यर्थियों को विभाग/कार्यालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र को मान्य किया जाएगा। उपरोक्तानुसार अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर रोज़गार पंजीयन से छूट रहेगी।
2. आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन पत्र दिनांक 11.07.2022 (दोपहर 12:00 बजे) से दिनांक 10.08.2022 (दोपहर 12:00 बजे) तक **mppsc.mp.gov.in** पर भरे जा सकते हैं।
3. आवेदक ऑनलाइन आवेदन करने तथा आवेदन शुल्क का भुगतान करने के पश्चात ऑनलाइन आवेदन-पत्र का प्रिंट आउट प्राप्त करें तथा आवेदन पत्र में उल्लेखित भुगतान विवरण से यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क भुगतान हो चुका है। उक्त ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ अपनी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेखों तथा अनुप्रमाणन-पत्रक, व्यक्तिगत विवरण-पत्रक एवं उपस्थिति-पत्रक (आयोग की वेबसाइट **mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध) की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न कर आयोग कार्यालय में दिनांक 22.08.2022 तक जमा कराएं। **आवेदन पत्र भरने के संदर्भ में विस्तृत जानकारी हेतु परिशिष्ट-2 का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें एवं तदनुसार पर्याप्त समय पूर्व आवेदन-पत्र भरें।**
4. आवेदक ऑनलाइन आवेदन-पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन-पत्रों में दिनांक 16.07.2022 से दिनांक 12.08.2022 तक त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटिसुधार शुल्क देय होगा। आवेदक त्रुटिसुधार हेतु एमपी ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक समस्त आवेदन अमान्य किए जाएंगे तथा आयोग द्वारा इस सन्दर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।
5. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाएं, ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **mppsc.mp.gov.in** में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही आवश्यक होने पर अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए E-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर E-mail तथा SMS Alert भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करें।
6. **आयोग की परीक्षा और चयन प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आयें और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब आयोग को दें, ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा।**

**एक** भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के निम्नलिखित पदों की संविदा के आधार पर पूर्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

| क्रमांक | पद का नाम | रिक्त पदों की संख्या | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | UR | SC | ST | OBC | EWS | कुल |
| 1. | सिस्टम एनालिस्ट | 01 | निरंक | | | | 01 |
| 2. | प्रोग्रामर (पी.एच.पी.) | 01 | निरंक | | | | 01 |
| 3. | प्रोग्रामर (जावा) | 01 | निरंक | | | | 01 |

**नोट :- प्रत्येक पद हेतु पृथक-पृथक आवेदन भरें।**

**दो पद का विवरण**

01 **पद का नाम** : **सिस्टम एनालिस्ट**
**पद स्थिति** : संविदा रक्षित
**संविदा वेतन** : रु. 50490 (नियमानुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देय होगी)
**पद हेतु अर्हताएं** : **1. शैक्षणिक अर्हता-**
वी.ई. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.), वी.टेक. (कम्प्यूटर साईंस/आई.टी.)/एम.एससी. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए./समकक्ष डिग्री।
**2. अनिवार्य अनुभव-**
- प्रोग्रामिंग का विश्वसनीय पंजीकृत संस्थान/शासकीय संस्थान/स्वशासी संस्था में न्यूनतम 03 वर्ष का कार्यानुभव।
- उपरोक्त पद हेतु केवल प्रोग्रामिंग का अनुभव ही मान्य होगा, शैक्षणिक संस्थाओं में अध्यापन एवं Software Support का अनुभव इत्यादि मान्य नहीं होंगे।

**पद के मुख्य कर्तव्य** : आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यों तथा आयोग हेतु आवश्यक Software के निर्माण एवं प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे।

---

01 **पद का नाम** : **प्रोग्रामर (पी.एच.पी.)**
**पद स्थिति** : संविदा रक्षित
**संविदा वेतन** : रु. 38430 (नियमानुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देय होगी)
**पद हेतु अर्हताएं** : **(1) शैक्षणिक अर्हता :-**
वी.ई. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.), वी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.एससी. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए./समकक्ष डिग्री।
**(2) अनिवार्य अनुभव :-**
- पी.एच.पी. प्रोग्रामिंग का विश्वसनीय पंजीकृत संस्थान/शासकीय संस्थान/स्वशासी संस्था में प्रोग्रामिंग का न्यूनतम 02 वर्ष का कार्यानुभव।
- उपरोक्त पद हेतु केवल प्रोग्रामिंग का अनुभव ही मान्य होगा, शैक्षणिक संस्थाओं में अध्यापन एवं Software Support का अनुभव इत्यादि मान्य नहीं होंगे।

**पद के मुख्य कर्तव्य** : आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यों तथा आयोग हेतु आवश्यक Software के निर्माण एवं प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे।

---

01 **पद का नाम** : **प्रोग्रामर (जावा)**
**पद स्थिति** : संविदा रक्षित
**वेतनमान** : रु. 38430 (नियमानुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देय होगी)
**पद हेतु अर्हताएं** : **(1) शैक्षणिक अर्हता :-**
वी.ई. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.), वी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.एससी. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए./समकक्ष डिग्री।
**(2) अनिवार्य अनुभव :-**
- जावा प्रोग्रामिंग का विश्वसनीय पंजीकृत संस्थान/शासकीय संस्थान/स्वशासी संस्था में प्रोग्रामिंग का न्यूनतम 02 वर्ष का कार्यानुभव।
- उपरोक्त पद हेतु केवल प्रोग्रामिंग का अनुभव ही मान्य होगा, शैक्षणिक संस्थाओं में अध्यापन एवं Software Support का अनुभव इत्यादि मान्य नहीं होंगे।

**पद के मुख्य कर्तव्य** : आयोग के सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यों तथा आयोग हेतु आवश्यक Software के निर्माण एवं प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे।

---

**तीन अन्य अर्हता : विशेष :**
(1) उक्त अर्हताएं विज्ञापन में उल्लेखित ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10.08.2022 तक अर्जित होनी चाहिए। उक्त तिथि के बाद में अर्हता धारित करने वाले आवेदक पद हेतु अनर्ह माने जाएंगे।
(2) यदि अभ्यर्थी की अर्हकारी परीक्षा की अंकसूची में पूर्णांक तथा प्राप्तांक का उल्लेख न होते हुए ग्रेड/पाइंट स्केल का उल्लेख है तो उन्हें अपने ग्रेड/ पाइंट स्केल के समतुल्य प्रतिशत के निर्धारण विषयक सूत्र/सिद्धांत के आधार पर प्रतिशत की गणना करते हुए शपथ-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। शपथ-पत्र के साथ प्रतिशत निर्धारण हेतु अपनाए गए सूत्र/सिद्धांत के अनुसमर्थन हेतु संबन्धित विश्वविद्यालय के सुसंगत अभिलेख संलग्न करना भी अनिवार्य है।
**टीप-** उक्त सभी पद केवल अनारक्षित श्रेणी के हैं अतः मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में कोई छूट देय नहीं होगी किन्तु उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क में विहित छूट तथा यात्रा-व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ देय होगा।

**तीन मध्यप्रदेश सिविल सेवाएं (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के अंतर्गत अनर्हता :-**
अ. कोई भी उम्मीदवार जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध-दोष ठहराया गया हो, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। परंतु जहां किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध न्यायालय में ऐसे मामले लंबित हों तो उनकी नियुक्ति का मामला आपराधिक मामले का अंतिम विनिश्चय होने तक लंबित रखा जाएगा।
ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान है तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए निरर्हित नहीं होगा।

**चार महत्वपूर्ण :-** यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि, वे अपने आवेदित पद के लिए निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन-पत्र भरें। साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाए जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

**पांच आयु सीमा** : 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो किन्तु 40 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो

**छः आयु संगणना तिथि- 01.01.2023**
**आयु सीमा में दी गई अन्य छूटों के लिए परिशिष्ट -1 देखें।**

**सात चयन प्रक्रिया :-**
चयन साक्षात्कार के आधार पर होगा। अर्हकारी परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार विज्ञापित श्रेणी 12 अभ्यर्थियों (तथा समान अंक वाले अभ्यर्थियों) को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा बशर्ते कि पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध हों।
साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर अंतिम चयन सूची घोषित की जाएगी, जिसमें मुख्य सूची एवं प्रतीक्षा सूची में एक-एक अभ्यर्थी का चयन किया जाएगा। साक्षात्कार हेतु पूर्णांक 100 होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 41 प्रतिशत होंगे।
चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती है तो आयोग को चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

**आठ अन्य जानकारियां :-**
1. **वेतनवृद्धि** : प्रत्येक वर्ष की जनवरी में वार्षिक वेतनवृद्धि, आलोच्य अवधि में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वृद्धि के आधार पर देय होगी तथा यह राशि निकटतम 100 रुपये के गुणांक तक पूर्णांकित की जाएगी। उपर्युक्त अनुसार वार्षिक वेतनवृद्धि देने के लिए यह आवश्यक होगा कि

संबंधित संविदा सेवक ने कम से कम 06 माह की सेवा अवधि उस वेतन में पूर्ण कर ली हो।

2. **संविदा की अवधि :** संविदा नियुक्ति प्रथम बार एक वर्ष से अनधिक अवधि हेतु होगी, किंतु आयोग आवश्यकता के आधार पर संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की उपयुक्तता का आंकलन कर संविदा नियुक्ति की अवधि को एक बार में अधिकतम एक वर्ष के लिए बढ़ाते हुए संविदा नियुक्ति के नवीनीकरण का निर्णय ले सकेगा।

3. **अनुबंध :** उक्त संविदा पदों हेतु चयनित अभ्यर्थियों को एक अनुबंध निष्पादित करना होगा कि संविदा नियुक्ति की अवधि में दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष द्वारा एक माह की पूर्व सूचना या इसके एवज में एक माह का वेतन देकर संविदा नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।

**नौ** **आवेदन प्रक्रिया** :- उक्त पद हेतु आवेदन-पत्र **www.mponline.gov.in** तथा **mppsc.mp.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए जा सकेंगे। विस्तृत जानकारी हेतु **परिशिष्ट-2** का अवलोकन करें।

**दस** विज्ञापन के संदर्भ में आवश्यक सूचनाएं, चयन परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **mppsc.mp.gov.in** पर प्रकाशित की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरते समय दिए गए E-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर E-mail तथा SMS द्वारा आवश्यक होने पर सूचना दी जा सकेगी। आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन-पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें।

**ग्यारह** आवेदक विस्तृत जानकारी हेतु निम्न परिशिष्ट देखें :-

(1) आयु सीमा की छूटें **परिशिष्ट-1**

(2) आवेदन-पत्र भरने के तथा अन्य निर्देश एवं जानकारियां **परिशिष्ट -2**

**सचिव**

**परिशिष्ट -1**

**(एक) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में अनुज्ञेय छूट**

(1) मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी.3-8/2016/1/3, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित)/ दिव्यांगजन आदि के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी तथा उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष रहेगी।

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हो, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गई सम्पूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, किन्तु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले वह अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

**स्पष्टीकरण :-**

भूतपूर्व सैनिक से अभिप्रेत है 'मध्यप्रदेश के भूतपूर्व सैनिक (राज्य की, सिविल सेवाओं तथा पदों, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी में रिक्तियों का आरक्षण) नियम 1985' के नियम 2 (ग) में यथा परिभाषित भूतपूर्व सैनिक।

**(दो) प्रोत्साहन स्वरूप दी गई छूटें**

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.06.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

(2) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1 दिनांक 03.09.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

**टीप :- (1) परिशिष्ट-1 (दो)** के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यों/ योजनाओं के अंतर्गत दी गई छूटों में से यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में अधिकतम लाभ वाले किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिए देय छूट मिलेगी।

**नोट :- (01) उपरोक्त परिशिष्ट-1 (एक) (1 से 2) तथा (दो) (1 एवं 2)** में उल्लेखित आयु सीमा की छूट की पात्रता सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।
(02) आवेदकों को उपरोक्त सभी छूटें देय होंगी किन्तु समस्त छूटों को शामिल करते हुए भी किसी भी स्थिति में किसी भी प्रवर्ग हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन आवेदकों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं है।

**परिशिष्ट-2**

**ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में निर्देश एवं अन्य जानकारी**

1. ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार है :-
   1. उपरोक्त पदों हेतु आवेदन-पत्र निम्न वेबसाइटों पर भरे जा सकेंगे
      **1. www.mponline.gov.in**
      **2. mppsc.mp.gov.in**
2. आवेदक mponline के स्थापित अधिकृत कियोस्कों के माध्यम से ऑनलाइन फार्म भरकर कियोस्क पर ही आवेदन/परीक्षा शुल्क का नगद भुगतान कर रसीद आवश्यक रूप से प्राप्त करें तथा आवेदन-पत्र की भलीभांति जांच कर सुनिश्चित कर लें कि भुगतान हो चुका है। mponline के अधिकृत कियोस्कों की सूची **www.mponline.gov.in** तथा **mppsc.mp.gov.in** पर पता एवं फोन नंबर सहित उपलब्ध है।
3. आवेदक अपने घर पर या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म भरकर आवेदन/परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नेट बैंकिंग सुविधा धारक आवेदक नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
4. आवेदक फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज की तथा हस्ताक्षर की स्केन फाइलें तैयार रखें, जिन्हें उन्हें ऑनलाइन फार्म भरते समय अपलोड करना होगा। mponline के अधिकृत कियोस्क पर स्केनिंग की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है जिसका उपयोग किया जा सकता है।

   **फोटो स्केनिंग के संदर्भ में आवश्यक अनुदेशः-**
   1. स्केनिंग हेतु पासपोर्ट साइज़ की नवीनतम रंगीन फोटो का प्रयोग करें।
   2. फोटो खिचवाते समय रिलेक्स स्थिति में सीधे कैमरे में देखें।
   3. यदि आप चश्में का प्रयोग करते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि कोई रिफ्लेक्सन न हो तथा आपकी आंखें स्पष्टतः दिख रही हो।
   4. टोपी हैट तथा डार्क चश्में स्वीकार्य नहीं है। सर पर पहने जाने वाले धार्मिक परिधान स्वीकार्य है किन्तु उनसे आपका चेहरा नहीं ढंकना चाहिए।
   5. यह सुनिश्चित करें कि फोटो का बैकग्राउंड हल्के रंग या आदर्श रूप में सफेद हो।
   6. किसी और से अपनी फोटो खिचवाएं। कृपया सेल्फी का प्रयोग न करें।
5. ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरते समय ध्यान रखना चाहिए कि, वह उक्त वेबसाइट पर दिए गए ऑनलाइन आवेदन-पत्र की प्रत्येक जानकारी अच्छी तरह समझकर सावधानीपूर्वक सही रूप में जिस प्रकार चाहा गया है उसी प्रकार जानकारी भरें। आवेदन-पत्र भरने के संदर्भ में अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध अनुदेशों तथा निर्देशों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर तदनुसार ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरें।
6. आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया में यह माना जाएगा कि, आवेदक द्वारा जो जानकारी ऑनलाइन फार्म में अंकित की जा रही है, वही प्रमाणिक जानकारी है अतः ऑनलाइन आवेदन-पत्र submit करने के पूर्व आवेदक अपना आवेदन-पत्र सावधानीपूर्वक भलीभांति पढ़ एवं समझकर तथा भरी गई जानकारी से स्वयं को संतुष्ट करने के पश्चात ही आवेदन-पत्र submit करें।
7. आवेदन-पत्र submit करने के बाद खुलने वाले popup window में आवेदक को उसके द्वारा आवेदन-पत्र में उल्लिखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात **उसका नाम, माता पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी लिंग आदि की जानकारी दी जाएगी,** जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फार्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। Popup window में OK बटन दबाकर फार्म सबमिट करने पर आवेदन-पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने की सूचना मिलेगी, जिसमें उसके आवेदन-पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा किन्तु यह Unpaid होगा।

अभ्यर्थी कृपया ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र submit होने के बाद proceed for payment बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थी को उसका आवेदन-पत्र प्राप्त होगा, जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा जिसमें भुगतान राशि तथा 'Payment Done' स्पष्टतः उल्लेखित होगा। आवेदक उक्त सूचना को प्रिंट करके अपने पास रखें तथा भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्र व्यवहार में आवेदन-पत्र क्रमांक का उल्लेख करें।

8. **त्रुटि सुधार सुविधा :-** अभ्यर्थी अपना आवेदन-पत्र सावधानी पूर्वक भरें। आवेदन-पत्र में कोई त्रुटि होने पर दिनांक 16.07.2022 से 12.08.2022 तक प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटि सुधार शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन-पत्र में अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन ही त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। नियत अवधि में त्रुटि सुधार नहीं करने पर कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा। **मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु शुल्क रु. 250 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु रु. 500 निर्धारित है अतः छूट वाली श्रेणियों के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा गैर छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रुपये 250 त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु गैर छूट श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा छूट श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।**

9. **आवेदन-पत्र प्रेषण के संदर्भ में आवश्यक अनुदेशः-**
   (1) आयोग की वेबसाइट **mppsc.mp.gov.in** के Download Formate लिंक से अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण-पत्रक, एवं उपस्थिति-पत्रक डाउनलोड करके उनकी पूर्ति करें। पूर्ति पश्चात उक्त प्रपत्रों की क्रमशः तीन, छः तथा एक छाया प्रति करायें।
   (2) ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने तथा शुल्क भुगतान के पश्चात प्राप्त ऑनलाइन आवेदन में उल्लेखित भुगतान विवरण की जांच कर यह सुनिश्चित कर लें कि शुल्क का भुगतान हो चुका है। यह भी जांच कर लें कि समस्त प्रविष्टियां सही है (त्रुटि होने पर विहित अवधि में त्रुटि सुधार कर लें (देखें विन्दु-8)। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में विहित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें। उक्त हस्ताक्षरित ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ अपने सभी अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें तथा साथ ही अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक, एवं उपस्थिति पत्रक की एक एक प्रति संलग्न करें। (प्रपत्रों की शेष प्रतियां अपने पास सुरक्षित रखें क्योंकि उन्हें आपको साक्षात्कार के समय अपने मूल अभिलेखों के साथ प्रस्तुत करना होगा)
   (3) एक बड़े लिफाफे पर निम्न विवरण अंकित कर उक्त सेट (आवेदन-पत्र तथा समस्त अभिलेख) इस बड़े लिफाफे में रखकर पंजीबद्ध डाक या स्पीड पोस्ट से आयोग को प्रेषित करें।

**विज्ञापन क्रमांक 02/2022 दिनांक 27.06.2022**
**————, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पद हेतु आवेदन-पत्र**
**प्रति,**
**सचिव**
**मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,**
**रेसीडेंसी एरिया**
**इंदौर (मध्यप्रदेश) पिन - 452001**

**प्रेषकः**
**आवेदक का नाम**
**तथा पता**

(लिफाफे पर विज्ञापन क्रमांक, पद का नाम अंकित न होने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा)

(4) ध्यान रखें अभिलेखों सहित उक्त आवेदन-पत्र **दिनांक 22.08.2022 को सायंकाल 6:00 बजे तक** आयोग कार्यालय में पहुंचने पर ही समयावधि में प्राप्त माना जाएगा। आवेदन-पत्र उक्त दिनांक तथा समय तक समस्त कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय (प्रातः 10:00 बजे से सायंकाल 6:00 बजे तक) आयोग कार्यालय में भी प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्ति की रसीद दी जाएगी। आवेदक आयोग को प्रेषित आवेदन-पत्र तथा अभिलेखों का एक सेट अपने पास सुरक्षित रखें।

10. विलंब से प्राप्त आवेदन-पत्र निरस्त किए जाएंगे तथा जमा शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। अतः आवेदक अंतिम तिथि की प्रतीक्षा करने के बजाय पर्याप्त समय पूर्व ऑनलाइन आवेदन कर अभिलेखों सहित आवेदन-पत्र आयोग को प्रेषित करें।
11. आवेदक यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन-पत्र में दर्ज हस्ताक्षर ही वे साक्षात्कार की उपस्थिति सूची, तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में समानता न होने पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।

**2. आवेदन शुल्क**

| मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमी लेयर) तथा दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु | शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु |
|---|---|
| रु. 250/- | रु. 500/- |
| उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त रु. 40/- (जीएसटी सहित) पोर्टल शुल्क देय होगा | |
| ● **शुल्क वापसी :-** अपरिहार्य कारणों से विज्ञापन निरस्त होने की स्थिति में अभ्यर्थियों से ऑनलाइन शुल्क वापसी आवेदन प्राप्त कर आवेदन शुल्क की राशि वापस की जाएगी किन्तु पोर्टल शुल्क की राशि किसी भी स्थिति में वापस नहीं की जाएगी। | |

आवेदन शुल्क तथा पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य किसी राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्कधारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो mponline से निम्न दूरभाष पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं :-

**हेल्पलाइन नं. 0755-6720200**

**नोट : यदि आपको ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने में कोई समस्या आती है तो नीचे दर्शाए गए दूरभाष नंबरों पर संपर्क करें :-**
**मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी क्षेत्र, इंदौर (0731) 2701624, 2701983**
**एम.पी. ऑनलाइन लिमिटेड, (मध्यप्रदेश शासन तथा टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज का संयुक्त उपक्रम)**
**ऑफिस ब्लॉक OB-14 से 17, चतुर्थ तल, डी.बी. सिटी कार्पोरेट पार्क,**
**अरेरा हिल्स, ज़ोन-1 के सामने, एम. पी. नगर,**
**भोपाल-462011 हेल्पलाइन नं. 0755-6720200**

**3. आवेदन की अंतिम तिथि**

**ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10.08.2022 है। अंतिम तिथि को दोपहर 12:00 बजे के बाद आवेदन-पत्र जमा करने की सुविधा बंद कर दी जाएगी।**

4. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ निम्नांकित प्रमाण-पत्रों की छायाप्रतियां आवश्यक रूप से संलग्न करें:-

**आयु संबंधी प्रमाण के लिए :-** केवल हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी अथवा मेट्रीक्यूलेशन की अंक-सूची/प्रमाण-पत्र जिसमें जन्मतिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।

**(शेष अगले पृष्ठ पर)**

## COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited
State IT Center, 47-A, Arera Hill, Bhopal-462011

**EXAM REGISTRATION OPENS**

MPSEDC/CPCT/Exam/2022/

### म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/नियमित नियुक्तियों** के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

**परीक्षा तिथि : 31 जुलाई 2022, रविवार** | **पंजीयन तिथि : 27 जून 2022 से 10 जुलाई 2022 तक**

**आवेदन-पत्र में संशोधन करने की तिथि : 12 जुलाई 2022 से 13 जुलाई 2022**

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निःशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/105321/47214/2022 **मुख्य महाप्रबंधक**

**Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।**

## मध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड

74 अरेरा हिल्स, केन्द्रीय विद्यालय के सामने भोपाल
ईमेल : ceompmatikala2012@gmail.com Tel.-0755-2559306

### प्रतिनियुक्ति द्वारा पदों की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति

म.प्र. माटीकला बोर्ड, भोपाल के मुख्यालय कार्यालय हेतु निम्नानुसार पदों की पूर्ति हेतु प्रतिनियुक्ति के माध्यम से राज्य शासन/राज्य शासन के सार्वजनिक उपक्रमों में समकक्ष पद/वेतनमान में कार्यरत कर्मियों से आवेदन पत्र आमंत्रित हैं :-

| क्र. | पद का नाम | पद संख्या | योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1. | लेखाधिकारी (द्वितीय श्रेणी) | 01 | म.प्र. वित्त सेवा अधिकारी अथवा समकक्ष पद हेतु निर्धारित योग्यताएं रखने वाले सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत अनुभवी व्यक्ति। |
| 2. | विकास अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) | 02 | 1. राज्य शासन अथवा समकक्ष पद हेतु निर्धारित योग्यताएं रखने वाले सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत अनुभवी व्यक्ति।<br>2. माटीकला के क्षेत्र में कार्य के अनुभव रखने वाले व्यक्ति को प्राथमिकता। |
| 3. | सहायक ग्रेड-3 | 03 | 1. राज्य शासन अथवा समकक्ष पद हेतु निर्धारित योग्यताएं एवं कम्प्यूटर टायपिंग का अनिवार्य ज्ञान रखने वाले सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत अनुभवी व्यक्ति।<br>2. माटीकला के क्षेत्र में कार्य के अनुभव रखने वाले व्यक्ति को प्राथमिकता। |

इच्छुक अभ्यर्थी अपना फोटोयुक्त आवेदन पत्र उचित माध्यम से (नियोक्ता विभाग द्वारा उनकी अनापत्ति सहित) एक अग्रिम प्रति के साथ कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी म.प्र. माटीकला बोर्ड में **दिनांक 28.07.2022 तक** प्रस्तुत करें। आवेदन पत्र में नाम, विभाग का नाम, पता, वर्तमान नियुक्ति का स्वरूप, सेवा की अवधि, सेवानिवृत्ति की संभावित तिथि, शैक्षणिक अर्हताएं, जन्मतिथि, वर्ग तथा सेवा से संबंधित अन्य दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति के साथ स्वयं का पता लिखा लिफाफा डाक टिकिट सहित प्रस्तुत करें, तथा इस आशय, का प्रमाण पत्र भी संलग्न करें कि यदि चयन होता है तो शासन द्वारा निर्धारित प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर सेवा करने को तैयार हैं।

म.प्र. माध्यम/105336/47216/2022 **मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

**(पिछले पृष्ठ का शेष)**

**रोज़गार कार्यालय में पंजीयन का प्रमाण-पत्र** :- मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन से संबन्धित पंजीकरण प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

**दिव्यांगता प्रमाण-पत्र** :- जिला चिकित्सा मण्डल या उच्चतर प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संलग्न करें जिसमें 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता प्रमाणित की गई हो। चिकित्सा अधिकारी के पदों हेतु 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता वाले लोकोमोटर दिव्यांगजन ही आरक्षण तथा छूटों हेतु पात्र हैं।

**शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण-पत्र** :- हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी तथा उसके बाद की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें आवेदक ने उत्तीर्ण किया है के समस्त वर्षों/सेमेस्टर्स की अंक सूचियां एवं उपाधि।

**शासकीय सेवक होने का प्रमाण-पत्र** :- यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

**जाति के प्रमाण-पत्र** :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) का स्थाई जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो की मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण-पत्र देने के अधिकृत है द्वारा जारी किया गया हो आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करें। साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ में अभ्यर्थी का कोई वचन-पत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए उसे नस्तीबद्ध किया जाएगा एवं आयोग इस संदर्भ में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जाएगा। विवाहित महिलायें विवाहोपरांत नाम/उपनाम परिवर्तन का शपथ पत्र संलग्न करें। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

**अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर में न आने का प्रमाणन भी आवश्यक है अर्थात अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी वे मान्य नहीं होंगे। इस संदर्भ में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नानुसार घोषणा-पत्र संलग्न करना होगा :-**

**घोषणा-पत्र (Declaration) का प्रारूप**

मैं ..... आयोग के विज्ञापन क्रमांक 02/2022 दिनांक 27.06.2022 के अंतर्गत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत कर रहा/रही हूं। मैं निम्नानुसार घोषणा करता/करती हूं

1. मैं ..... पुत्र/पुत्री श्री ..... निवासी ग्राम/कस्बा/शहर/ ..... जिला ....., मध्यप्रदेश का/की मूल निवासी हूं। यह घोषणा करता/करती हूं कि मैं ..... जाति का/की सदस्य हूं जो शासन द्वारा शासकीय सेवा में (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में आरक्षण के लिए अधिसूचित है।

2. मैं शपथ पूर्वक यह भी घोषणा करता/करती हूं कि आवेदन की अंतिम तिथि तक मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा निर्धारित अद्यतन मापदंडों के अनुसार, मैं सम्पन्न वर्ग अर्थात क्रीमीलेयर की श्रेणी के अंतर्गत नहीं आता/आती हूं।

**दिनांक :-** ————

**हस्ताक्षर** .....
**नाम** .....
**आवेदन-पत्र क्रमांक** .....

(उक्त घोषणा-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र की स्केन्ड प्रति ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करें)

तदर्थ रूप से शासन की सेवा में कार्यरत आवेदकों को तत्संबंधी प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक हेतु :- नियोक्ता अधिकारी/सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

**परिशिष्ट -1** की कंडिका-(दो-1) के अधीन उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

**परिशिष्ट -1** की कंडिका-(दो-2) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण-पत्र।

5. जो व्यक्ति पहले से शासकीय सेवा में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हों, उनको यह परिवचन (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि, उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस विज्ञापन के संदर्भ में आवेदन किया है। उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने अथवा परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के संदर्भ में अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

6. **अनुशासनिक निर्देश** :- (ऑनलाइन परीक्षा संबंधी अनुदेश ऑनलाइन परीक्षा की स्थिति में)

यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है :-

01 जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिए साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो; या
02 प्रतिरूपण किया हो; या
03 किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो; या
04 कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो; या
05 ऐसे कथन दिए हों जो गलत और झूठे हों या जिसने चयन के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत जानकारी छुपाई हों; या
06 परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो; या
07 परीक्षा कक्ष में अथवा अन्यत्र अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो; या
08 परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारियों को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
09 उनके द्वारा प्रवेश पत्र में उम्मीदवारों के लिए दिए गए किसी भी अनुदेशों या निर्देशों जिसमें परीक्षा संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारी द्वारा मौखिक रूप से दिए गए अनुदेश सम्मिलित है, अतिक्रमण किया हो; या
10 परीक्षा कक्ष में या साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,
11 परीक्षा कक्ष में परीक्षा हेतु प्राप्त उत्तर-पुस्तिका परीक्षा के समाप्त होने पर परीक्षा कक्ष के वीक्षक / परीक्षक को न जमा करते हुए अपने साथ ले गया हो।

**तब आयोग द्वारा** :-

(क) उसे उस परीक्षा के लिए, जिसके लिए वह उम्मीदवार है निर्हर ठहराया जा सकेगा
और/ या
उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

(ख) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

(ग) इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

**एवं तब शासन द्वारा :-**
उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए उसके अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा।

7. **अनर्हताएं** :- ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें किसी भी चयन संस्था द्वारा विशिष्ट कालावधि हेतु भर्ती परीक्षा हेतु विवर्जित किया गया है उस कालावधि हेतु आवेदन करने हेतु अपात्र रहेंगे।

8. **यात्रा व्यय का भुगतान** :-

मध्यप्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत नहीं है, मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय का भुगतान आयोग कार्यालय द्वारा किया जाएगा। आवेदकों को इसके लिए वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संबन्धित निम्नांकित अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे :-

(01) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्व-प्रमाणित प्रति।

(02) यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गई है तथा किराए की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के परीक्षण के बाद यात्रा व्यय का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से अभ्यर्थी के खाते में किया जाएगा। इस हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमी लेयर) के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन-पत्र में विहित स्थान पर अपने बैंक का नाम स्वयं के बैंक खाते का नम्बर एवं बैंक का आई.एफ.एस.सी. कोड का उल्लेख करना तथा साथ ही अपने बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की स्केन प्रति आवेदन-पत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।

**जी-14008/47207/2022**

# सिकल सेल के सर्वेक्षण एवं जांच का दायरा बढ़ाया जाए - राज्यपाल

**भोपाल,** सिकल सेल एनीमिया के सर्वेक्षण एवं जांच का दायरा 40 वर्ष की उम्र तक बढ़ाया जाए। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन आवश्यक कार्रवाई करे। राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी को सिकल सेल एनीमिया रोग उपचार एवं प्रबंधन प्रयासों की पहुंच को विस्तारित करने, मजबूत बनाने और छोटी-छोटी बातों का भी गंभीरता के साथ परीक्षण, पर्यवेक्षण करने में सहयोग किया जाये। ये निर्देश राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्थित राजभवन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राज्य रेडक्रास सोसाइटी और राजभवन के अधिकारियों के साथ सिकल सेल रोग उपचार एवं प्रबंधन प्रयासों पर चर्चा करते हुये दिये।

राज्यपाल ने विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को देश के साथ मध्यप्रदेश में हुए अनूठे कार्यक्रम के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और स्वास्थ्य विभाग की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम सबके विकास के लिए सबके साथ, विश्वास और प्रयासों का आदर्श रूप है। सिकल सेल एनीमिया रोग उपचार एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए सर्वेक्षण और जांच का कार्य तेज गति से किया जाना आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों से कहा कि 3 माह बाद कार्य की प्रगति की जमीनी हकीकत की जानकारी वे स्वयं लेंगे। सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि कार्य को अनिवार्यतः निश्चित समय में पूरा करना है। आगामी 3 माह में युद्ध स्तर पर कार्य किया जाए, जिससे इस अवधि के जमीनी अनुभवों को कार्ययोजना में शामिल किया जा सके। इससे समय से पहले लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मिशन, विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में विवाह और जांच संबंधी परामर्श सेवाओं में सहयोग करें। रोग उपचार प्रबंधन कार्य संबंधी प्रोटोकॉल तैयार कर रोग बहुल 89 विकासखंडों में उपचार एवं प्रबंधन प्रयासों में रेडक्रास समितियों का मार्गदर्शन करें।

श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उपचार प्रबंधन के पूरक प्रयासों के लिए राजभवन द्वारा राज्य एवं जिला स्तरीय रेडक्रॉस समितियों को पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई गई है। समिति के सदस्य समाज के जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्यों का पालन करते हुए रोग उपचार प्रबंधन में जनभागीदारी से वित्तीय सहयोग प्राप्त करें। आवंटित राशि का उपयोग राज्य सरकार के हीमोग्लोविनपैथी मिशन के प्रयासों की रिक्तता पूर्ति, वॉक-इन सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, रोगी पंजीकरण और उपचार प्रयासों में सहयोग, मार्गदर्शन और उपचार पर्यवेक्षण में किया जाए।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डीपी आहूजा, सदस्य सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्री वीएस जामोद, उप सचिव श्री डीके जैन और राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन श्री गगन कोल्हे मौजूद थे।

# चुनाव मोबाइल एप में मिलेगी चुनाव संबंधी जानकारी

**भोपाल,** नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन वर्ष- 2022 के लिए मतदाता एवं अभ्यर्थियों की सुविधा के लिये 'चुनाव' मोबाइल एप (एंड्राइड आधारित) को अद्यतन किया गया है। एप के माध्यम से चुनाव संबंधी जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि 'चुनाव' एप में मतदाता की जानकारी, महापौर, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत सदस्य पद के अभ्यर्थी की जानकारी मय शपथ-पत्र के सार-पत्र अनुसार उपलब्ध है। एप में महापौर, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणाम भी मिलेंगे।

# मध्यप्रदेश में टैक्स के आधार को विस्तृत करने निरंतर प्रयासरत रहें

## लोगों को राजस्व राशियां और विभिन्न कर जमा करने के लिए निरंतर प्रेरित करें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुये।

**भोपाल,** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लक्ष्य से अधिक राजस्व प्राप्ति के लिए राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों के अधिकारियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवस्था में सुधार, तकनीक के प्रयोग और लोगों को राजस्व एवं कर की राशि जमा करने के लिए निरंतर प्रेरित करने के परिणामस्वरूप ही राज्य में लक्ष्य से अधिक राजस्व प्राप्तियां संभव हुई हैं। हमें प्रदेश में टैक्स के आधार को विस्तृत करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना है। साथ ही व्यवस्था में विद्यमान गैप्स को चिन्हित कर उनमें सुधार के प्रयास लगातार जारी रहें। प्रदेश में विकास गतिविधियों का संचालन और जन-कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन बहुत सीमा तक विभिन्न करों और राजस्व से प्राप्त राशि पर निर्भर है। अतः हमें, लोगों को राजस्व राशियां और विभिन्न कर जमा कराने के लिए निरंतर प्रेरित करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करों की वसूली में लगे अधिकारी-कर्मचारी ईमानदारी और संवेदनशीलता से कार्य करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि कर वसूली के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया जाए। भूल-चूक में कर नहीं भरने अथवा कम राशि जमा करने वाले मामलों में सहयोगात्मक और मार्गदर्शी दृष्टिकोण अपनाकर बकाया राशि जमा कराई जाए। जहां आवश्यकता हो और मंशा गलत हो, वहां निश्चित रूप से कठोर कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खनिज राजस्व की पुरानी बकाया राशि की वसूली के लिए समाधान योजना पुनः लागू करने के प्रस्ताव पर सहमति दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सिंचाई के लिए जल दर लेने की प्रक्रिया को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जाए।

बैठक में वैट, जीएसटी, आबकारी, खनिज, परिवहन, ऊर्जा, वन, राजस्व, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन और सिंचाई से हुई प्राप्तियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। जानकारी दी गई कि अप्रैल और मई माह के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 7 प्रतिशत अधिक प्राप्तियां हुई हैं। प्रवर्तन कार्यवाहियों में डाटा विश्लेषण के अधिक से अधिक उपयोग का लाभ हुआ है। स्क्रूटनी के प्रकरणों में भी अधिक लोगों को नोटिस जारी किए गए, परिणामस्वरूप जमा राशि में बढ़ोत्तरी हुई है। जीएसटी के प्रकरणों में भी डाटा एनालेटिक्स तथा रिटर्न्स के आधार पर कमियां चिन्हित कर कार्यवाही की गई। रिटर्न फाइल नहीं करने वाले पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें रिटर्न फाइल करने के लिए मैसेजिंग आदि से प्रेरित किया जा रहा है।

जानकारी दी गई कि मोटरयान कर अपवंचन के मामलों में वाहन पोर्टल प्रभावी है। साथ ही राजस्व विभाग में व्यवस्था और प्रक्रियाओं में सुधार के परिणामस्वरूप डायवर्जन और नजूल पट्टे के प्रीमियम के भू-भाटक की वसूली की प्राप्तियों में बढ़ोत्तरी हुई है।

# आपदा प्रबंधन विभाग को बनाया गया है हाईटेक - गृह मंत्री

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आपदा प्रबंधन विभाग की तैयारियों की समीक्षा करते हुये।

**भोपाल,** गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मंत्रालय में मानसून के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन विभाग की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मानसून में जोखिम और हानि को न्यूनतम करने के लिये आपदा प्रबंधन विभाग को हाईटेक किया गया है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने विभागीय अधिकारियों को हर परिस्थिति में लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिये टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिये।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में मानसून का आगमन हो चुका है। विगत वर्षों के अनुभव को देखते हुए आपदा प्रबंधन के बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करें। उन्होंने बेहतर आपदा प्रबंधन के लिये विभाग द्वारा तैयार की गई आपदा चेतावनी एवं प्रतिक्रिया प्रणाली (डीडब्ल्यूआरएस पोर्टल) का बेहतर उपयोग करने और प्राप्त जानकारियों से आपदा संभावित क्षेत्रों से लोगों को समय रहते उपयुक्त स्थानों तक पहुंचाने का बंदोबस्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि भोपाल के राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन कंट्रोल सेंटर से जिलों में आपदा प्रबंधन के लिये बनाये गये इंटीग्रेटेड कमाण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से सतत निगरानी रखें। जिला स्तरीय सेंटर्स से नियमित रूप से जानकारी प्राप्त कर आवश्यकता अनुसार मार्गदर्शन के साथ सहायता तत्परता से उपलब्ध करायें। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन के लिये 96 क्विक रिस्पांस टीम भी गठित की गई हैं। अतिवृष्टि और बाढ़ में राहत बचाव कार्य के लिये 160 नई बोट भी खरीदी गई हैं। इस प्रकार प्रदेश में बेहतर आपदा प्रबंधन के लिये अब 276 बोट उपलब्ध हैं। इसके अलावा प्रबंधन को और अधिक बेहतर बनाने के लिये 17 ड्रोन भी खरीदे गये हैं।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार संवेदनशीलता से होमगार्ड जवानों के हित में शीघ्र ही निर्णय लेने जा रही है। उन्होंने कहा कि होमगार्ड जवानों का अब 3 साल में मात्र एक बार ही कॉल ऑफ होगा। होमगार्ड कैडर को डाइंग कैडर नहीं माना जायेगा। शीघ्र ही कैबिनेट में अनुमोदन के लिये प्रस्ताव रखा जायेगा।

गृह मंत्री ने जिलों में होने वाली घटनाओं से राज्य स्तर पर अवगत कराने के लिये अधिकारियों को पाबंद करने के निर्देश दिये।

# खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला

**भोपाल,** पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में तीन दिवसीय मर्म चिकित्सा एवं पंचकर्म पर राष्ट्रीय कार्यशाला प्रारंभ हो रही है। इसमें सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, लंबर स्पॉन्डिलाइटिस एवं अर्थराइटिस के रोगियों की चिकित्सा की जायेगी। ग्वालियर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. रिछारिया इन विषयों पर जानकारी देंगे और इन विधाओं में इलाज का प्रेक्टिकल रूप से प्रदर्शन करेंगे।

मर्म चिकित्सा में रोगियों को शरीर के विशेष पॉइंट पर प्रेशर दिया जाता है, जिससे रोगियों को बीमारी से लाभ मिलता है। यह चिकित्सा विधा करीब 5 हजार वर्ष पुरानी है। राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचकर्म चिकित्सा पर भी जानकारी दी जायेगी। कार्यशाला में सरकारी संस्थानों एवं प्रायवेट सेक्टर के डॉक्टर शामिल हो रहे हैं।

शासकीय हकीम सैयद जियाउल हसन यूनानी महाविद्यालय भोपाल में जरा चिकित्सा एवं वृद्धजनों के स्वास्थ्य की देखभाल विषय पर सेमीनार हुआ। सीएमएचओ भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि वृद्धजनों की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का मुकाबला एलोपैथी एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों से बेहतर तरीके से किया जा सकता है। प्रोफेसर इफ्तेखार अहमद ने यूनानी चिकित्सा पद्धति की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने असबाबे सित्ता जरूरिया के 6 आवश्यक फैक्टर्स के बारे में बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर महमूदा बेगम ने सेमीनार में देशभर से आये प्रतिभागियों से कहा कि यूनानी चिकित्सा पद्धति प्राचीन पद्धति है। इसके सही उपयोग से बीमारियों को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने वृद्धजनों के इलाज में यूनानी चिकित्सा पद्धतियों के बारे में भी जानकारी दी।

# मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एग्रीस्टेक संचालन समिति गठित

**भोपाल,** कृषकों को प्राप्त होने वाली सेवाओं का लाभ कृषक डिजिटली प्राप्त कर सकें एवं कृषि कार्यों से होने वाले लाभों में भी वृद्धि की संभावना को देखते हुए केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा Agristack Digital Agriculture विकसित किये जाने का निर्णय लिया गया है। एग्रीस्टेक विकसित किये जाने के लिए आई.टी. सिस्टम एवं डाटाबेस 31 मार्च, 2023 तक तैयार किया जाना है।

इसकी प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति गठित की है।

समिति के सदस्य सचिव आयुक्त भू-अभिलेख होंगे। समिति में अपर मुख्य सचिव, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, अपर मुख्य सचिव वित्त, प्रमुख सचिव राजस्व, वाणिज्यिक कर, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा केंद्र सरकार द्वारा नामांकित प्रतिनिधि सदस्य होंगे।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

# कॉटन के स्टोरेज को जीएसटी की देयता न होने से कपास उद्योग को राहत मिलेगी

**नई दिल्ली**, वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि मध्यप्रदेश के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र मालवा एवं निमाड़ में कपास के अधिक मात्रा में उत्पादन को देखते हुए कॉटन के स्टोरेज एवं वेयरहाउसिंग पर जीएसटी की देयता न होने संबंधी स्पष्टीकरण से कपास उद्योग को राहत मिलेगी।

चण्डीगढ़ में जीएसटी काउंसिल की 47वीं बैठक में विभिन्न मुद्दों पर अपने संबोधन में मंत्री श्री देवड़ा ने फिटमेंट कमेटी के इस प्रस्ताव का समर्थन किया कि समस्त प्रकार के भूखंड के विक्रय पर जीएसटी की देयता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव रियल एस्टेट सेक्टर तथा भूखंड क्रय करने वाले व्यक्तियों के मध्य भ्रम की स्थिति को समाप्त करने में उपयोगी होगा। साथ ही रियल एस्टेट सेक्टर के विकास में भी सहायक होगा। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने की। राज्य की ओर से प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर श्रीमती दीपाली रस्तोगी और आयुक्त वाणिज्यिक कर श्री लोकेश कुमार जाटव भी उपस्थित थे।

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जीएसटी काउंसिल की बैठक में मध्यप्रदेश के वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुईं।

वित्त मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर पशुपालन गतिविधियां संचालित होती हैं। बीसवीं पशु गणना 2019 के अनुसार मध्यप्रदेश का पशुपालन गतिविधियों में संपूर्ण देश में तृतीय स्थान पर है। प्रदेश में पशुपालन ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है।

श्री देवड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर जीएसटी राजस्व में वृद्धि करने के लिए गठित टास्क फोर्स ने अनुशंसा की है किस प्रकार पंजीयन प्रक्रिया को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दृष्टि से अनुकूल बनाया जाये जिससे व्यापार को और सशक्त बनाया जा सके।

श्री देवड़ा ने कहा कि इस संबंध में उचित होगा कि एपीआई के माध्यम से राज्य के भू-अभिलेख, बिजली बिल, लीज अनुबंध, लीज डीड, संपत्ति आईडी तथा शहरी स्थानीय निकाय में संपत्ति ब्यौरा के डिजिटाइज्ड डेटाबेस का पंजीयन के समय दी गई जानकारी से सत्यापन किया जाए। इससे बोगस पंजीयन प्राप्त करने में रोक लगेगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के उपयोग का भी सुझाव टास्क फोर्स द्वारा दिया गया है। मध्यप्रदेश में इसका पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ करने के लिए भारत सरकार के साथ चर्चा की गई है।

श्री देवड़ा ने स्वास्थ्य उपयोगी वस्तु होने एवं गंभीर मरीजों के द्वारा लंबे समय तक बार-बार उपयोग में आने के कारण ओस्टोमी उपकरणों पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत के स्थान पर 5 प्रतिशत किए जाने का समर्थन किया। श्री देवड़ा ने कहा कि आईवीएफ वर्तमान समय में निराश दंपतियों के लिए आशा की किरण है। उन्होंने फिटमेंट कमेटी के अनुशंसा अनुसार आईवीएफ उपचार को कर मुक्त सेवाओं में होने संबंधी स्पष्टीकरण का समर्थन किया।

## महिलाओं की सुरक्षा के लिये बस और टैक्सियों में पैनिक बटन अनिवार्य – प्रमुख सचिव

**भोपाल**, प्रमुख सचिव परिवहन श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से लोक सेवा वाहन बस, टैक्सी आदि परिवहन साधनों में एक अगस्त, 2022 तक व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस तथा आपातकालीन बटन (पेनिक बटन) लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में केन्द्रीय परिवहन मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

श्री किदवई ने बताया कि 31 दिसम्बर, 2018 से पूर्व के पंजीकृत समस्त लोक सेवा वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस तथा पैनिक बटन लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि वाहनों में ट्रैकिंग डिवाइस लगाने के लिये संस्थाओं के पंजीयन की कार्रवाई की जा रही है। पंजीकृत संस्थाओं की सूचना समय-समय पर जारी की जायेगी।

### राज्य स्तरीय कंट्रोल-रूम

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस के लिये परिवहन कार्यालय भोपाल में राज्य स्तरीय कंट्रोल-रूम की स्थापना की जा रही है। यह कंट्रोल-रूम सभी लोक सेवा वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग करेगा।

## मंत्रिपरिषद के निर्णय

# दो नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना की सैद्धांतिक स्वीकृति

**भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं आगामी वित्तीय वर्षों के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के लिये निर्धारित वार्षिक सीमा 150 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये करने का अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद ने विधायक निधि अन्तर्गत विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना (पूंजीगत) में 1 करोड़ 85 लाख रुपये में 65 लाख रुपये की वृद्धि करते हुए 2 करोड़ 50 लाख रुपये तथा विधायक स्वेच्छानुदान योजना में 15 लाख रुपये में 35 लाख रुपये की वृद्धि करते हुए 50 लाख रुपये करने का निर्णय लिया। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं-**

- मंत्रिपरिषद ने दिवंगत उप निरीक्षक स्व. श्री राजकुमार जाटव, दिवंगत कार्यवाहक प्रधान आरक्षक स्व. श्री नीरज भार्गव एवं दिवगत आरक्षक स्व. श्री संतराम मीना थाना आरोन जिला गुना के उत्तराधिकारियों को विशेष अनुग्रह राशि एक करोड़ रुपये स्वीकृत करने का निर्णय लिया।
- मंत्रिपरिषद ने जिला सीहोर स्थित बुदनी तहसील में 100 एम.बी.बी.एस. सीट प्रवेश क्षमता का चिकित्सा महाविद्यालय तथा 500 बिस्तर सम्बद्ध अस्पताल स्थापित करने के साथ नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिये 60 सीट प्रवेश क्षमता का नर्सिंग महाविद्यालय तथा पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के लिये 60 सीट प्रवेश क्षमता का पैरामेडिकल महाविद्यालय स्थापित करने की सैद्धांतिक सहमति दी।
- इसी प्रकार उज्जैन में नये चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित करने के लिये स्नातक पाठ्यक्रम की 100 सीटों में वृद्धि करने के उद्देश्य से मंत्रिपरिषद ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र की जनता को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होने के साथ प्रदेश के छात्रों के लिये चिकित्सा क्षेत्र की 100 एम.बी.बी.एस. सीट की वृद्धि होगी।
- प्रदेश के आईटीआई विहीन विकासखण्डों में नवीन 23 आईटीआई की स्थापना वर्ष 2022-23 के लिये प्रस्तावित 437 प्रशिक्षकीय पद एवं 253 प्रशासकीय पदों के सृजन की स्वीकृति एवं अपेक्षित अनावर्ती व्यय लगभग 32 हजार 499 लाख रुपये तथा पाँच वर्ष के लिए आवर्ती व्यय लगभग 9,890 लाख रुपये के वित्तीय प्रावधान का अनुसमर्थन किया। वर्तमान में प्रदेश में 52 जिलों में 213 विकासखण्डों में 238 शासकीय आई.टी.आई. संचालित हैं, जिनमें प्रवेश क्षमता 44 हजार 552 है।
- मंत्रिपरिषद ने 'नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी' (एन.एफ.एस.यू.) गांधीनगर के कैम्पस की स्थापना के लिये ग्राम बरखेड़ा बोंदर, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 44 कुल रकबा 5.115 हेक्टेयर एवं खसरा क्रमांक 45 कुल रकबा 6.082 हेक्टेयर में से 6.073 हेक्टेयर (15 एकड़) शासकीय भूमि निःशुल्क प्रीमियम तथा एक रुपये वार्षिक भू-भाटक पर यूनिवर्सिटी को शासन की शर्तों के अधीन आवंटित की जाने का निर्णय लिया। एन.एफ.एस.यू. का कैम्पस विकसित करने का पूर्ण दायित्व यूनिवर्सिटी का होगा।
- मंत्रिपरिषद ने मुरैना में रूरल टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित करने की मंजूरी दी। रूरल टेक्नोलॉजी पार्क के संचालन के लिये पदों को निर्मित करने की स्वीकृति प्रदान की। पार्क के संचालन के लिये वेतन-भत्तों के भुगतान के लिये 50 लाख 88 हजार रुपये प्रशासनिक मद में तथा आवर्ती/प्रशिक्षण व्यय के लिये 1 करोड़ 10 लाख 46 हजार रुपये का व्यय विभाग की आनुषांगिक संगठनों/प्रशिक्षण संस्थानों के लिए उपलब्ध मद में प्रावधान कर किये जाने की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद ने जबलपुर जिले की छीताखुदरी मध्यम सिंचाई परियोजना, लागत राशि 434 करोड़ 21 लाख रुपये सैंच्य क्षेत्र 16 हजार 875 हेक्टेयर और कुण्डालिया बहुउद्देशीय वृहद सिंचाई परियोजना जिला राजगढ़ लागत राशि 4614 करोड़ 73 लाख रुपये सैंच्य क्षेत्र 1 लाख 39 हजार 600 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।
- मंत्रिपरिषद ने जल जीवन मिशन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 11 हजार 100 करोड़ 72 लाख रुपये की 25 समूह जल प्रदाय योजनाओं की पुनरीक्षित स्वीकृति दी है। मिशन की इन जल प्रदाय योजनाओं से 6223 गांवों की ग्रामीण आबादी को उनके घर में ही नल से जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जायेगी।
- पशुपालन एवं डेयरी विभाग में गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केंद्र, सालरिया जिला आगर मालवा में गौ-अभयारण्य का संचालन किया जा रहा है। अभयारण्य के संचालन का उद्देश्य निराश्रित गौवंश के पालन के साथ गौ-उत्पादों का निर्माण एवं गौवंश पर अनुसंधान करना है। अभयारण्य को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित कर इसे स्वावलंबी मॉडल बनाना शासन की प्राथमिकता में है।
- मध्यप्रदेश गौ-पालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड एवं श्री गौ-सेवा तीर्थ-धाम पथमेड़ा, जिला जालोर राजस्थान के मध्य अभयारण्य के संचालन के लिए अनुबंध उपरांत गौ-उत्पादों का निर्माण, विपणन, गौ-पर्यटन का विकास, हरा चारा विकास, नस्ल सुधार और अनेक रोज़गार उन्मुखी गतिविधियां अभयारण्य में संचालित हो सकेगी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विभाग में गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र, सालरिया के संचालन के लिये मध्यप्रदेश गौ-पालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड एवं श्री गौ-सेवा तीर्थ-धाम पथमेड़ा, जिला जालोर राजस्थान के मध्य अभयारण्य के संचालन के लिए अनुबंध करने का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद ने निवेश प्रोत्साहन सहायता योजना के लाभ के लिये विभागीय आदेश से जारी प्रावधानों में योजना की प्रभावशीलता अवधि 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2022 तक को बढ़ाकर दिनांक 1 अप्रैल 2018 से 3 जून 2022 तक वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने वाली इकाइयों के लिये किया। जिन इकाइयों द्वारा उनके प्रस्तावित निवेश का 75 प्रतिशत निवेश अंतिम तिथि यथा 30 जून 2022 तक कर लिया जायेगा, उन्हें वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने तथा प्रस्तावित सहायता का लाभ प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि 31 मार्च, 2023 तक का समय प्रदान किया गया।
- मंत्रिपरिषद ने वर्ष 2022 संग्रहण काल हेतु एवं आगामी आदेश तक तेन्दूपत्ते की संग्रहण दर 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा करने के निर्णय का अनुसमर्थन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 22 अप्रैल 2022 को वन समितियों के सम्मेलन में तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 2,500 रुपये से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा करने की घोषणा की थी। वर्ष 2022 के लिये 16 लाख 29 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है, जिससे संग्राहकों को 89 करोड़ रुपये का अतिरिक्त पारिश्रमिक प्राप्त होगा।
- मंत्रिपरिषद द्वारा कुण्डू टास्क फोर्स समिति की अनुशंसा पर राज्य सांख्यिकी आयोग के गठन का निर्णय लिया गया। प्रदेश में सांख्यिकी प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिये अनुशंसाएं प्रस्तुत करने के लिये कुण्डू टास्क फोर्स गठित किया गया था। इसकी अनुशंसाओं में राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की तर्ज पर राज्य सांख्यिकी आयोग का गठन किये जाने के प्रस्ताव हैं। आयोग के अध्यक्ष प्रख्यात सांख्यिकी विशेषज्ञ होंगे, जिन्हें इस क्षेत्र में 20 वर्ष का अनुभव होगा। आयोग में 1 सदस्य राज्य सरकार नामित करेगी और अधिकतम 6 सदस्य विषय-विशेषज्ञ के रूप में विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा राजस्व विभाग की ग्राम सिरोल जिला ग्वालियर स्थित सर्वे नं. 375, 376 एवं 394 कुल रकबा 1730 वर्गमीटर भूमि परिसम्पत्ति के निर्वर्तन हेतु एच-वन की उच्चतम निविदा राशि एक करोड़ 89 लाख एक हजार 955 रुपये, जो रिजर्व मूल्य राशि एक करोड़ 32 लाख से अधिक है, का अनुमोदन करते हुए उसे विक्रय करने एवं एच-वन निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100 प्रतिशत जमा करने के बाद अनुबंध/रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाए, का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद ने राजस्व विभाग द्वारा विनोद मिल परिसम्पत्ति शीट क्र. 1738 स्थित पार्सल क्रमांक 01 एवं 02, कुल क्षेत्रफल क्रमशः 19 हजार 69 वर्गमीटर एवं 17 हजार 529 वर्गमीटर है, पार्सलों के निर्वर्तन के लिये आमंत्रित निविदा में निविदाकारों की वित्तीय निविदा राशि एवं ई-नीलामी में लगाई गई बोली राशि को उच्चतम पाए जाने से एच-वन निविदाकार को पार्सल-1 की उच्चतम निविदा राशि 25 करोड़ 41 लाख 20 हजार रुपये जो, रिजर्व मूल्य राशि 16 करोड़ 76 लाख रुपये से अधिक है, पार्सल 2 की उच्चतम निविदा राशि 24 करोड़ 61 लाख 68 हजार रुपये जो रिजर्व मूल्य राशि 15 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक है, का अनुमोदन करते हुए उसे विक्रय करने एवं एच-वन निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100 प्रतिशत जमा करने के बाद अनुबंध/रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाए, का निर्णय लिया।
- मंत्रिपरिषद ने ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा पार्क से प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया द्वारा प्राप्त टैरिफ का अनुमोदन किया। ओंकारेश्वर जलाशय में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना का विकास किया जायेगा। फ्लोटिंग सौर परियोजना में भूमि की आवश्यकता नहीं होती है, इसलिये भूमि का अन्य कार्यों में उपयोग किया जा सकता है।
- सोलर पैनल को साफ करने के लिए 5 किलोलीटर प्रति वॉश, प्रति मेगावॉट की आवश्यकता होती है, जिसे भूमिगत जल से ही प्राप्त किया जा सकता है। फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म के कारण पानी का वाष्पीकरण 60 से 70 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इससे लगभग 32.4 मिलियन घनमीटर पानी की वार्षिक बचत होगी। इससे भू-अर्जन या विस्थापन की स्थिति नहीं बनती है। फ्लोटिंग परियोजना में ऊर्जा उत्पादन भूमि पर स्थापित परियोजना से 10 प्रतिशत अधिक होता है।
- मंत्रिपरिषद ने वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा फिल्म 'द कश्मीर फाईल्स' को एस.जी.एस.टी. की छूट के संबंध में जारी किए गए आदेश दिनांक 13 मार्च 2022 जिसमें राज्य माल और सेवा कर (SGST) के समतुल्य राशि की प्रतिपूर्ति करते हुए सिने दर्शकों को प्रदान की गई कर में छूट संबंधी विभागीय कार्यवाही का कार्योत्तर अनुमोदन किया।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

# स्व-रोज़गार के लिए संसाधन नहीं कौशल जरूरी

**भोपाल**, स्व-रोज़गार के लिए ज्ञान, कौशल, मनोबल और आत्मविश्वास का होना जरूरी है। देश के सफल उद्यमियों ने बहुत छोटे स्तर से शुरुआत की थी। कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से बड़ी सफलताएं प्राप्त की हैं। युवाओं का आह्वान है कि वे नौकरी के लिए प्रतीक्षा नहीं करें। प्राप्त कौशल द्वारा स्व-रोज़गार की स्थापना करें। यह बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्थित राजभवन में सांदीपनि सभागार में संसदीय संकुल परियोजना द्वारा ग्रामीण जनजातीय तकनीकी प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण कर संबोधित करते हुये कहीं। गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान सहित मध्यप्रदेश के अनूपपुर, झाबुआ, बैतूल, बड़वानी, खरगोन और धार जिले के जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र और समग्र स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रदाय किए गए।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र विकास के प्रयासों में सहयोग और समर्थन हर व्यक्ति और समाज का दायित्व है। उन्होंने संकुल विकास परियोजना में जनजाति युवाओं के कौशल उन्नयन और ग्राम विकास के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के समग्र विकास का महत्वपूर्ण कारक कुशल जन-शक्ति है। युवाओं का कौशल विकास आत्मनिर्भर भारत की आधार शिला है, जो वर्तमान समय की राष्ट्रीय आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रोज़गार परक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम द्वारा नियोजकों को रेडी-टू-वर्क मानव संसाधन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण के लिए संस्थानों के मूल्यांकन और मॉनीटरिंग की नियमित व्यवस्था जरूरी है। प्रशिक्षण संस्थानों को बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन भी दिया जाना चाहिए। प्रशिक्षण संस्थानों की कार्य-दक्षता में वृद्धि के लिए नवीन विधियों एवं तकनीकों के शोध और अनुसंधान के प्रयास भी होते रहने चाहिए। उन्होंने अपेक्षा की कि परियोजना में ग्रामीण जनजातीय युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोज़गार से जोड़ने और नई तकनीक एवं ज्ञान से अपडेट करना भी जरूरी है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ग्रामीण जनजातीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

श्री पटेल ने युवाओं से अपील की कि सबका साथ, विश्वास और प्रयास से जनजातीय समाज के विकास और सिकल सेल नियंत्रण में सहयोग करें। रोग नियंत्रण के लिए सिकल सेल वाहक युवक-युवती परस्पर विवाह नहीं करें। गर्भवती महिला की गर्भावस्था जांच अनिवार्य की जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उनके द्वारा जनजातीय समाज के विकास और सिकल सेल रोकथाम के अभूतपूर्व कार्य किए गए। वह वास्तव में जनजातीय समाज के मसीहा हैं। उनके प्रयासों से गुजरात की एक करोड़ सात लाख जनजातीय आबादी में से एक करोड़ चार लाख की सिकल सेल की जांच कर उपचार का प्रबंधन किया जा रहा है। इसके लिए वह सभी अंतर्मन की गहराई से मोदी जी के प्रति आभारी हैं। उन्होंने बताया कि सिकल सेल प्रभावितों में 98 प्रतिशत जनजातीय समुदाय के लोग हैं।

मध्यप्रदेश की आबादी में 21 प्रतिशत जनजातीय समाज है, जो वर्तमान में लगभग एक करोड़ 83 लाख है। इतनी बड़ी आबादी के लिए आनुवांशिक रोग सिकल सेल कोविड से भी घातक है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल उन्नयन उद्यमिता राज्यमंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर ने दिल्ली से कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कौशल उन्नयन न्यू इंडिया में वन रही नई संभावनाओं में प्रवेश का पासपोर्ट है। संसदीय विकास परियोजना वह लॉन्चिंग पैड है, जहां से युवा अपने हौसलों से जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता गांव से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि युवा अपने कौशल के द्वारा स्थानीय स्तर पर रोज़गार का सृजन करें।

सांसद श्री समीर उरांव ने कहा कि संसदीय विकास परियोजना ने जनजातीय युवाओं में नए आत्मविश्वास का संचार किया है। उन्होंने युवाओं से अपेक्षा की कि वे ग्रामीण इंजीनियर के रूप में आत्मनिर्भर गांव के विकास में सहयोग करें।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर हाथ को काम, हर खेत को पानी के संकल्प को सिद्ध करने में सहयोगी हो। उन्होंने कार्यक्रम में 30 जून 1855 में हूल क्रांति के नायक-नायिका, भाई-वहनों शूरवीर अमर शहीद, सिद्ध, कानू, चांद, भैरों, फूला और झानो का स्मरण किया।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*


मध्यप्रदेश शासन

## महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान

"संस्कृत भवनम्"

गेट वे ऑफ एक्सीलेंस

## गार्गी GARGI'S

(Govt. Adarsh Residential Girls Institute For Sanskrit, Bhopal)

**कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं एवं 11वीं के स्थानांतरण एवं अन्य कारणों से रिक्त स्थानों (सीट) पर प्रवेश हेतु ऑनलाइन प्रवेश चयन परीक्षा वर्ष 2022-23**

**प्रदेश की छात्राओं के लिये संस्कृत भाषा एवं साहित्य के साथ आधुनिक विषयों (भौतिक, रसायन, गणित, जीवविज्ञान आदि) की उच्च गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क तथा आवासीय शिक्षा**

**विद्यालय की कक्षा 12वीं की 05 बालिकाओं की HCL कम्पनी में प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति**

- कक्षा 6ठी से 12वीं तक संस्कृत भाषा एवं साहित्य की निःशुल्क शिक्षा
- आवासीय छात्रावास एवं भोजन की व्यवस्था।
- उच्च प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा स्मार्ट क्लासेस से शिक्षण।
- छात्राओं में अन्तर्निहित क्षमता के विकास हेतु पृथक-पृथक कार्यक्रम।
- खेल, योग, एन.एस.एस., एन.सी.सी., स्काउट-गाइड, संगीत, पेंटिंग, रायफल शूटिंग, कराटे, नाट्यशास्त्र, पाककला, नृत्य एवं हस्तकला की पाठ्येत्तर गतिविधियाँ
- विख्यात संस्थानों में इन्टर्नशिप
- विशेष प्रोजेक्ट/कार्यशालाओं के अंतर्गत छात्राओं हेतु सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट प्लान।
- कक्षा 11वीं-12वीं की छात्राओं हेतु वास्तुविज्ञान, ज्योतिष एवं पौरोहित्यम् में डिप्लोमा की अतिरिक्त सुविधा।
- परम्परागत संस्कृत के साथ कक्षा 6ठी से 10वीं तक NCERT पाठ्यक्रम आधारित उच्च गुणवत्तायुक्त आधुनिक विषयों गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में शिक्षण एवं कक्षा 11वीं एवं 12वीं में परम्परागत संस्कृत शिक्षण के साथ NCERT पाठ्यक्रम अनुसार विज्ञान/गणित में शिक्षण। सभी कक्षाओं में अंग्रेजी भाषा का शिक्षण अनिवार्य।

संबंधित कक्षा में प्रवेश हेतु पूर्व कक्षा में उत्तीर्ण छात्रायें पात्र रहेंगी। इस विद्यालय में प्रवेश राज्यस्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगा। शैक्षणिक सत्र 2022-23 की कक्षा 7वीं से 11वीं के रिक्त स्थानों पर प्रवेश हेतु छात्राओं के लिये परीक्षा कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है :-

**परीक्षा तिथि : 15 जुलाई 2022 (शुक्रवार) | आवेदन करने की अंतिम तिथि : 12 जुलाई 2022 (मंगलवार)**

**परीक्षा केन्द्र : जिला स्तरीय EFA शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय**

आवेदन शुल्क रु. 100/- निर्धारित है जो एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क पर देना होगा, इसमें कियोस्क शुल्क भी सम्मिलित है, इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी राशि नहीं देनी होगी।

विस्तृत जानकारी हमारी वेबसाइट https://www.mpssbhopal.org पर देखें। आवेदन एम.पी. ऑनलाइन https://www.mponline.gov.in अथवा हमारी वेबसाइट https://www.mpssbhopal.org पर कर सकते हैं।

**नोटः-** परीक्षा के प्रवेश पत्र हमारी वेबसाइट https://www.mpssbhopal.org अथवा www.mpsos.nic.in से डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश पत्र पर परीक्षा की समय सारणी एवं परीक्षा केन्द्र आदि की जानकारी अंकित होगी।

R-47222/2022 M.P.Madhyam/105367/2022



## एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रदेश में
**खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिन्दवाड़ा, बीना, धार**
एवं **अशोकनगर** जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

**एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें**

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

**प्रमुख आकर्षण**

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

**मध्यप्रदेश माध्यम**
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अटेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

**आज ही खरीदें**
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई

## भारतीय प्रेस परिषद् की अध्यक्ष नामित

सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई का

चयन भारतीय प्रेस परिषद् (पीसीआई) के अध्यक्ष के तौर पर किया गया है। जस्टिस देसाई ने जम्मू एवं कश्मीर परिसीमन आयोग की हाल में अध्यक्षता की है। इस आयोग का गठन केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन करने के लिये किया गया था। जस्टिस (सेवानिवृत्त) देसाई बॉम्बे हाईकोर्ट में भी जज रही हैं।

वीएसके कौमुदी

## कैबिनेट सचिवालय में सचिव बने

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वीएसके कौमुदी को

कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। आंध्रप्रदेश कैडर के 1986 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी कौमुदी वर्तमान में केंद्रीय गृह मंत्रालय में विशेष सचिव हैं। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सचिव (सुरक्षा) के रूप में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। सचिव (सुरक्षा) विशेष सुरक्षा के समूह का प्रशासनिक प्रमुख होता है।

राधा अयंगर

## भारतवंशी पेंटागन उप रक्षा सचिव नामित

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतवंशी राधा

अयंगर को रक्षा मुख्यालय पेंटागन में एक बड़े पद के लिये नामित किया है। राधा डिफेंस अधिग्रहण और रखरखाव के उप रक्षा सचिव के तौर पर काम करेंगी। वे वर्तमान में डिफेंस के उप मंत्री के लिये चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में काम कर रही हैं। राधा को पॉलिसी रिसर्च और सुरक्षा मामलों का अनुभव है। वे फेसबुक में पॉलिसी एनालिसिस की ग्लोबल हेड रह चुकी हैं।

गेरल्डाइन फासनाट ने

## विंगसूट में सौर ऊर्जा चलित विमान से लगाई छलांग

स्विट्जरलैंड की मशहूर साहसिक कारनामा करने

वाली विंगसूट पायलट गेरल्डाइन फासनाट ने अल्पाइन रिसोर्ट के ऊपर उड़ते सौर ऊर्जा चलित दो सीटर विमान से छलांग लगाकर एक रिकॉर्ड बना दिया है। विमान को साहसिक करतब करने वाले राफेल डोमजान उड़ा रहे थे। किसी सौर ऊर्जा चलित विमान से विंगसूट जंप करने का यह कारनामा पहली बार किया गया है। अपने इसी तरह के कारनामे को लेकर गेरल्डाइन को बर्ड वुमन भी कहा जाता है।

पीटर सीलार

## नीदरलैंड के कप्तान ने लिया संन्यास

नीदरलैंड के कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर पीटर सीलार ने बीमारी के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से जारी एक

बयान के अनुसार सीलार ने कहा कि 2020 के बाद से उनकी पीठ का दर्द अचानक बढ़ गया जिसके कारण वे खेल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। सीलार ने अपना आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

रुचिरा कंबोज

## यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि बनीं

वरिष्ठ राजनयिक रुचिरा कंबोज को संयुक्त राष्ट्र में

भारत का स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। 1987 बैच की आईएफएस अफसर रुचिरा अभी भूटान में भारतीय राजदूत हैं। वे संयुक्त राष्ट्र में भारत की ओर से टीएस तिरुमूर्ति की जगह लेंगी।

कंबोडिया में

## सबसे बड़ी मीठे पानी की मछली मिली

कंबोडिया की मेकांग नदी में मीठे पानी की सबसे बड़ी

मछली मिली है। इस प्रजाति का नाम स्टिंगरे है। इस मछली की लंबाई करीब 13 फीट और वजन करीब 300 किलोग्राम है। इससे पहले 2005 में थाईलैंड में 293 किलोग्राम की विशाल कैटफिश मिली थी। जिसे अब तक की सबसे बड़ी मीठे पानी की मछली माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि मीठे पानी की मछलियां अपना पूरा जीवन नदी एवं झील जैसे जल स्रोतों में रहकर बिताती हैं वे कभी खारे पानी में नहीं जाती हैं।

डेनियल स्कैली ने

## तीन हजार पुश-अप्स लगाकर बनाया रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के डेनियल स्कैली ने एक घंटे में 3,182

पुश-अप्स लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड जराड यंग के नाम था। जराड ने 2021 में एक घंटे में 3,054 पुश-अप्स पूरे किये थे। डेनियल ने बताया कि इस दौरान उनकी हथेली में असहनीय पीड़ा हो रही थी, जिसकी परवाह किये बिना उन्होंने लक्ष्य को पूरा किया। डेनियल के नाम सबसे लंबे समय तक प्लैंक एक्सरसाइज का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

इटली में

## भूकंप से नष्ट हुआ चर्च उच्च तकनीक से बनेगा

निर्माण की उच्च तकनीक का इस्तेमाल करके इटली में

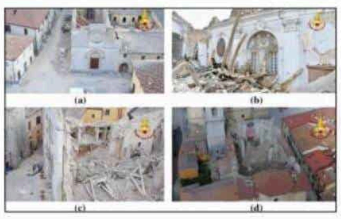

भूकंप से नष्ट हुये सैन साल्वाटर के चर्च को पुर्नस्थापित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्य इटली में वर्ष 2016 में आये श्रृंखलाबद्ध भूकंप में प्राचीन चर्च का भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। भवन के सभी हिस्सों को एकत्रित करके उन्हें जोड़ा जायेगा और चर्च की पहले जैसी संरचना तैयार की जायेगी। खास बात है कि इसमें धाराशायी हुये भवन के ही हिस्सों का उपयोग होगा।

दक्षिण कोरिया ने

## स्वदेशी रॉकेट नूरी लॉन्च किया

दक्षिण कोरिया ने अपना पहला स्वदेशी अंतरिक्ष रॉकेट

सफलतापूर्वक लॉन्च किया। देश के विज्ञान मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया के विज्ञान मंत्री लो जोंग हो ने कहा कि कोरिया के लिये ये बेहद खुशी की बात है। दक्षिण कोरिया स्वदेशी तकनीक से अंतरिक्ष में उपग्रह स्थापित करने वाला दसवां देश बन गया है। ज्ञात रहे कि दक्षिण कोरिया का ये स्वदेशी रॉकेट नूरी पहले असफल हो चुका है। पिछले साल अक्टूबर में रॉकेट एक डमी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा था।

धावक रिकी लाइटफुट ने

## घोड़ों से जीती 22 मील की रेस

ब्रिटेन के धावक रिकी लाइटफुट ने वेल्स के

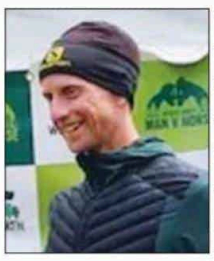

ललनराइटीड वेस्ट में हुई मैन वी हॉर्स रेस प्रतियोगिता को जीत लिया और रेस में घोड़े को हराकर रिकॉर्ड बनाया है। लाइटफुट ने 2 घंटे 22 मिनट और 23 सेकंड में घोड़े को हराया। लाइटफुट इस प्रतियोगिता को जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2009 में हू लॉव ने घोड़े को दो घंटा दो मिनट से हराया था। वहीं 2007 में फ्लोरियन होस्टिंगर भी घोड़े को दौड़ में हरा चुके हैं।

अमेरिका में

## नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन पैसिफिक अमेरिकन हिस्ट्री एंड कल्चर की स्थापना को मंजूरी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नेशनल म्यूजियम

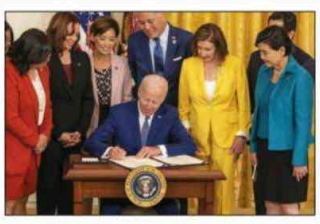

ऑफ एशियन पैसिफिक अमेरिकन हिस्ट्री एंड कल्चर की स्थापना की संभावना तलाशने के लिये एक विधेयक पर हस्ताक्षर किये हैं। इस संग्रहालय में भारतीय-अमेरिकियों के इतिहास एवं संस्कृति के दस्तावेजीकरण में मदद मिलेगी। इस मौके पर अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारत से अपने अच्छे संबंधों पर बात की। भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल के अलावा अजय जैन भूटोरिया और कमल कलसी जैसे प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी भी इस मौके पर मौजूद थे।

जूलियन असांजे

## भेजे जायेंगे अमेरिका

विकीलीक्स के फाउंडर जूलियन असांजे को ब्रिटेन ने

अमेरिका को सौंपने को मंजूरी दे दी है। जूलियन पर आरोप है कि उन्होंने इराक और अफगानिस्तान में युद्ध से संबंधित गोपनीय दस्तावेजों को लीक किया था। इसी आरोप को लेकर उन पर अमेरिका में केस चल रहा था। यदि वह दोषी पाये जाते हैं। तो उन्हें 175 साल के लिये जेल भेज दिया जायेगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांजे के प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है।

बेल्जियम में

## वाटर लू युद्ध को दोहराया गया

बेल्जियम में 1815 में लड़े गये वाटर लू के युद्ध को फिर

से जीवंत किया गया। इसे दोहराने में 2000 लोगों, 100 घुड़सवार और 20 कैनन की मदद ली गई। इसमें 207 साल पहले युद्ध की बंदूके और तोपखाने का इस्तेमाल किया गया। ज्ञात रहे कि फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट का ये अंतिम युद्ध था। एक तरफ फ्रांस तो दूसरी तरफ ब्रिटेन, रूस, पर्शिया, ऑस्ट्रेलिया और हंगरी की सेना थी। युद्ध में हारने के बाद नेपोलियन ने समर्पण कर दिया था। इसी की याद में हूबहू युद्ध को रचा गया।

लिसा स्टालेकर

## एफआईसीए की नई अध्यक्ष बनीं

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर लिसा स्टालेकर

को स्विट्जरलैंड में समिति की बैठक में फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एफआईसीए) का अध्यक्ष बनाया गया है। लिसा ने आठ टेस्ट और 125 महिला वन-डे खेले हैं और तीनों प्रारूपों में लगभग 4,000 रन बनाये हैं। उनका नाम वैरी रिचर्ड्स, जिमी एडम्स और विक्रम सोलंकी द्वारा अनुमोदित किया गया था और सर्वसम्मति से उन्हें अध्यक्ष बनाया गया है।

फिलीपींस में

## राष्ट्रपति दुतेर्ते की बेटी उपराष्ट्रपति बनीं

फिलीपींस में पद छोड़ रहे राष्ट्रपति दुतेर्ते की बेटी सारा

दुतेर्ते उपराष्ट्रपति बन गई हैं। सारा ने शानदार चुनावी जीत अपने पिता के मानवाधिकार विरोध के बावजूद हासिल की, जिनके कार्यकाल में मादक पदार्थ से जुड़े संदिग्धों को मार दिया गया था। सारा अभी तक अपने गृहनगर दादों की महापौर थीं। दुतेर्ते के मौजूदा साथी फर्डिनेंड मार्कोस राष्ट्रपति चुने गये हैं।

नैरिता चक्रवर्ती

## भारतीय मूल की वास्तुकार बनीं हिस्टॉरिक इंग्लैंड की आयुक्त

भारतीय मूल की वास्तुकार और डिजाइनर अधिवक्ता

नैरिता चक्रवर्ती को हिस्टॉरिक इंग्लैंड के प्रतिष्ठित आयुक्त पद पर नियुक्त किया गया है। हिस्टॉरिक इंग्लैंड देश के पर्यावरण और विरासत की देखरेख करने वाली सार्वजनिक संस्था है। दिल्ली में पली-बढ़ीं और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर से पढ़ाई करने वाली नैरिता के पास विरासत, वास्तुशिल्प और डिजाइन के क्षेत्र में 16 साल से अधिक का तजुर्बा है। वे 2026 तक इस पद पर रहेंगी।

रामबाई

## एक सौ पांच वर्षीय एथलीट ने 100 मीटर दौड़ में बनाया रिकॉर्ड

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय ओपन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन सत्र में 105 वर्षीय रामबाई ने 100 मीटर की दौड़ 45.40 सेकेंड में पूरी कर नया रिकॉर्ड बनाया। यह प्रतियोगिता बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। रामबाई हरियाणा के चरखी दादरी के कदमा गांव की निवासी हैं। उनका अगला लक्ष्य इंटरनेशनल स्तर के इवेंट में भाग लेना है।

हॉन्गकॉन्ग

## समुद्र में डूबा मशहूर तैरता रेस्त्रां

हॉन्गकॉन्ग का प्रसिद्ध तैरता रेस्त्रां दक्षिणी चीन सागर

की गहराइयों में समा गया। इसे 1976 में कसीनो व्यापारी ने शुरू किया था। 30 करोड़ रुपये की लागत से इसे बनाया गया था। रेस्त्रां में अचानक पानी भरने लगा था। जहां पर रेस्त्रां डूबा वहां एक हजार मीटर से ज्यादा गहराई थी। बाहर निकालना मुश्किल हो गया था। कोविड-19 के कारण 2020 में यह बंद हो गया था।

## स्मृति शेष

### साहित्यकार गोपीचंद नारंग का निधन

उर्दू को अदब की भाषा और सांझी सांस्कृतिक

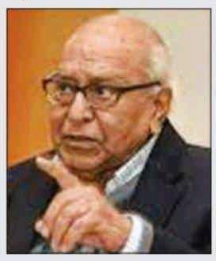

विरासत का हिस्सा मानने वाले मशहूर साहित्यकार प्रोफेसर गोपीचंद नारंग का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। पद्मभूषण और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर नारंग ने उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी में 57 से ज्यादा किताबें लिखी हैं।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

घर अपना परिवार अपना, टीका लगवाकर कोरोना से बचना।

## MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.–462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

### NOTICE INVITING TENDER NO. 996 DEPOSIT WORK

**No./8763/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 27.06.22**

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

● Name of work : Deposit Work (DW)

| S. No. | Name of District | No. of Package | Total PAC (In Rs.) |
|---|---|---|---|
| 1 | Neemuch | 1 | 171339000.00 |

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **28.06.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

**CHIEF GENERAL MANAGER**
M.P. Madhyam/105322/47215/2022 **(TENDER)**

## APEX INSTITUTE OF MANAGEMENT AND RESEARCH, INDORE

(Approved by AICTE, MP Higher Education & Affiliated to DAVV, Indore)

**REQUIRED FACULTY MEMBERS & STAFF FOR**

**MBA, M.Com, PGDCA, B.Com** (Plain, C.A. & Tax procedure) and **B.A**

- **Principal/ Director**
- **Associate Professor's**
- **Lab. Assistants**
- **Professor's**
- **Librarian**
- **Bus Drivers**
- **Assistant Professor's**
- **Sports Faculty**
- **Other Staff**

**Qualifications and Pay Scale as per UGC Norms.**

Interested candidates may apply /mail with complete resume & testimonials along with two passport size photographs within 15 days for Under Code 28 Selection of DAVV University, Indore

UG-12-13, Royal Platinum, Sch.No.54, Vijay Nagar, Indore(M.P) 452010
Contact Number: 0731-4007190, 07389919192, 07389919190
Email: hr@aimrindore.com, director@aimrindore.com

GOURAV

R-47212/2022

## DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

(A State Govt. University of M.P., Established in 1964)
NAAC ACCREDITED 'A+' GRADE

IET/PTDC/2022/894 Date : 28.06.2022

### ADMISSION NOTICE-2022

**M.E./M.Tech./M.Pharm. (Full-Time)/M.E. (Part-Time)/ M.Tech. (Executive)**

Online applications are invited from GATE/GPAT/Non-GATE/Non-GPAT candidates/Sponsored working candidates for admission in M.E./M.Tech./ M.Pharm. (Full-Time) programmes and from working executives for admission in M.E. (Part-Time)/M.Tech. (Executive) Programmes as detailed below :

**Group A: M.E. (Full-Time)/Group B: M.E. (Part-Time)** : **Institute of Engineering & Technology :** 1. Computer Engineering with spl. in Software Engg. 2. Electronics with spl. in Digital Instrumentation 3. Electronics with spl. in Digital Communication 4. Industrial Engg. & Management 5. Mechanical Engg. with spl. in Design & Thermal Engg. 6. Information Technology with spl. in Information Security.

**Group C: M.Tech. (Full-Time)** : **School of Computer Science & IT :** 1. Computer Science 2. Network Management & Information Security 3. Information Architecture & Software Engineering. **School of Data Science & Forecasting :** 1. Data Science 2. Big Data Analytics. **School of Electronics :** 1. Embedded Systems **School of Energy and Environmental Studies :** 1. Energy Management **School of Instrumentation :** 1. Instrumentation 2. Internet of Things (IoT). **School of Physics :** Laser Science & Applications.

**Group D: M.Tech. (Executive)**: **School of Computer Science & IT :** Computer Science. **School of Data Science & Forecasting :** Data Science. **School of Electronics :** Embedded Systems. **School of Energy and Environmental Studies :** Energy Management. **School of Instrumentation :** Instrumentation.

**Group E: M.Pharm. (Full-Time)** : **School of Pharmacy :** Pharmaceutical Chemistry. The details of admission procedure, seats, eligibility, fee, etc. are available on **http://www.dauniv.ac.in/memtechmpharm**. The application should be submitted through **https://davv.mponline.gov.in**. The last date for submission of the application form is **20th July, 2022**. Non-refundable application fee for each group of programmes is Rs. 1000/- (Rs. 600/- for SC/ST of M.P. domicile) only.

M.P. Madhyam/105343/47217/2022 **REGISTRAR**

## मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, सागर, भदभदा रोड, भोपाल

क्रमांक/797/मप्रपुहाका/पयं/सागर/22 दिनांक 30.06.2022

### निविदा सूचना क्रमांक 007/2022-23

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, सागर संभाग के अंतर्गत भोपाल जिले में **भवन ध्वस्तीकरण कार्य** हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय की **अंतिम तिथि 08.07.2022 तक** है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https:// www.mptenders. gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/105357/47218/2022 **परियोजना यंत्री**

## MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.–462011

### IFB No. - WB –34/997

**No./8974/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 30.06.2022**

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for construction and up-gradation of Rural Roads of Gravel Standard Constructed under CMGSY to Black top Standards under World Bank and AIIB Financed MPRC Project P-157054, as under :

| S. No. | Name of District | Number of Packages | No. of Roads | Grand Total (In Rs.) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Ashoknagar | 1 | 1 | 5859000.00 |
| 2. | Balaghat | 1 | 3 | 15900000.00 |
| 3. | Dhar | 1 | 1 | 15440000.00 |
| 4. | Harda | 2 | 2 | 15276000.00 |
| 5. | Hoshangabad | 1 | 1 | 5707000.00 |
| 6. | Jhabua | 1 | 2 | 5277000.00 |
| 7. | Khargone | 1 | 3 | 21399000.00 |
| 8. | Narsinghpur | 3 | 9 | 65268000.00 |
| 9. | Raisen | 2 | 5 | 29728000.00 |
| 10. | Shajapur | 1 | 1 | 8892000.00 |
| 11. | Sidhi | 1 | 1 | 4186000.00 |

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 01.07.2022 from 17:30 hrs.** 2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

**CHIEF GENERAL MANAGER**
M.P. Madhyam/105358/47219/2022 **(TENDER)**

शिक्षा प्रसारक समिति सेंधवा, द्वारा संचालित

## स्वामी विवेकानंद शिक्षा महाविद्यालय, सेंधवा

जोगवाड़ा रोड, सेंधवा जिला-बड़वानी (म.प्र.)
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली एवं म.प्र. उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त।
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल से संबद्धता प्राप्त

### आवश्यकता

| | क्र. | पद | पदों की संख्या |
|---|---|---|---|
| **बी.एड.** परिनियम 28 कॉलेज कोड के अन्तर्गत नियुक्ति | 01 | शिक्षण विषय - गणित, रसायन, भौतिक, इतिहास, अर्थशास्त्र/भूगोल, अंग्रेजी, प्राणीशास्त्र/वनस्पति शास्त्र (सहायक प्राध्यापक) | 07 |

नोट :- वांछित योग्यता : PG 55%, M.Ed. 55% + NET/Ph.D. शिक्षा में अथवा किसी शिक्षा शास्त्रीय विषय में जो उस संस्था में पढ़ाया जाता है, पी.एच.डी.

| | | | |
|---|---|---|---|
| **डी.एल.एड.** | 01 | शिक्षण विषय - गणित, रसायन/भौतिक, प्राणीशास्त्र/वनस्पति शास्त्र, भूगोल/अर्थशास्त्र, कला (व्याख्याता) | 05 |

नोट :- वांछित योग्यता : PG 50%, M.Ed. 50% or B.Ed./D.El.Ed. + M.A. Edu. 50% एड.

आवेदन-पत्र समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के 8 दिनों के अन्दर उपरोक्त पते अथवा मेल पर भेजे।

E-Mail : svsms2006@gmail.com, Mob. **94250-87295** | **बी.एल. जैन अध्यक्ष**

R-47213/2022

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, नर्मदापुरम

पुलिस कन्ट्रोल रूम के सामने, पिपरिया रोड

दूरभाष क्रमांक - 07574-252571, (फैक्स) - 07574-253119, E-mail Address - eephedhos@mp.nic.in

### निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर नर्मदापुरम जिले के विकासखंड **पिपरिया एवं बनखेड़ी** के विभिन्न ग्रामों में 'जल जीवन मिशन' अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन नलजल योजनाओं के क्रियान्वयन के तहत आरसीसी उच्चस्तरीय टंकी निर्माण, आरसीसी फ्रेम्ड पंप हाउस निर्माण, मोटर पंप स्थापना, पाइप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन, विद्युत संयोजन कार्य तथा समस्त सामग्री एवं लेबर सहित योजनाओं की टेस्टिंग, कमीशनिंग, 90 दिवस तक ट्रायल रन कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

| निविदा क्रमांक/ दिनांक | सिस्टम क्रमांक | विकास खंड का नाम | ग्रामों की संख्या | ग्राम का नाम | निविदा की कुल लागत (रुपये में) | धरोहर राशि (रुपये में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में) | कार्य पूर्ण करने की समया-वधि | ठेकेदार की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 49/ 22-23 दिनांक 28.6.22 | 2022_ PHED_ 210533_1 Second Call | पिपरिया | 07 | 1. जमारा 2. झील पिपरिया 3. डांडिया 4. उटिया किशोर 5. खापरिया किशोर 6. सेमरी किशोर 7. सेमरी रंदीर | 24823900/- | 248239/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली |
| 50/ 22-23 दिनांक 28.6.22 | 2022_ PHED_ 210545_1 Second Call | बनखेड़ी | 06 | 1. नयागांव 2. बिछुआ 3. सिंगपुर 4. खापा खुर्द 5. बिजनाही 6. मुर्गीढाना | 29046700/- | 290467/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |
| 51/ 22-23 दिनांक 28.6.22 | 2022_ PHED_ 210551_1 Second Call | बनखेड़ी | 06 | 1. भाटपिपरिया 2. तिनसिरी 3. भैरोपुर 4. ईशरपुर रंधीर 5. सिरवाडा 6. केसला | 22895000/- | 228950/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |
| 52/ 22-23 दिनांक 28.6.22 | 2022_ PHED_ 210556_1 Second Call | बनखेड़ी | 07 | 1. आमगांव 2. मलकाजरा 3. टांटरा 4. जमुनिया रंधीर 5. चारगांव 6. गरधा 7. कामखेड़ी | 24453800/- | 244538/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि - 11.07.2022 17.00 बजे तक
ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 11.07.2022 17.00 बजे तक
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि - 12.07.2022 17.00 बजे तक

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-14103/47220/2022** **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड नर्मदापुरम**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1 ग्वालियर

Phone : 0751-2371231, E-mail : eepwd1gwl@mp.nic.in

**निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25** **ग्वालियर, दिनांक 27.06.2022**

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से म.प्र. की ओर से निम्नांकित कार्यों हेतु भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 01.12.2020/25.03.2022 तथा निविदा सूचना जारी होने तक उसमें किये गये संशोधन सहित मोहरबंद निविदायें नवीन निविदा फार्म 2.10 में आमंत्रित की जाती हैं, प्रपत्र में दर्शाये गये कार्यालय में निविदायें डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त की जावेंगी। पोस्टल विलम्ब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

**स.क्र. एवं कार्य का नाम :-** 1. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-1 के बंगला सेक्शन के अंतर्गत माननीय मंत्री के व्ही.आई.पी. बंगले में वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य।

| निविदा प्रपत्र की राशि एवं फार्म | 1. ठेके की अनु. लागत (लाख में) 2. अमानत राशि | 3. कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं दिनांक | 4. निविदा प्राप्ति का दिनांक 5. कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोनिवि सं.क्र.-1 ग्वा. | 6. निविदा खोलने का दिनांक 7. कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि सं.क्र.-1 ग्वा. | 8. कार्य पूर्ण करने की अवधि 9. ठेकेदार की श्रेणी 10. आमंत्रण क्र. |
|---|---|---|---|---|---|
| 2000/- "अ" | 9.58 लाख 20000/- | 04.07.22 | 05.07.22 | 07.07.22 | एक माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण |

**स.क्र. एवं कार्य का नाम :-** 2. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-1 के बंगला सेक्शन के अंतर्गत गांधी मार्ग स्थित माननीय उच्च न्यायालय न्यायाधीश के व्ही.आई.पी. बंगले में वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2000/- "अ" | 9.40 लाख 20000/- | 04.07.22 | 05.07.22 | 07.07.22 | एक माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण |

कार्य की अनुमानित लागत - 9.58 लाख
कुल कार्य संख्या - 02

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-14105/47221/2022** **लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1 ग्वालियर**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, नर्मदापुरम
## पुलिस कन्ट्रोल रूम के सामने, पिपरिया रोड

दूरभाष क्रमांक - 07574-252571, (फैक्स) - 07574-253119
E-mail Address - eephedhos@mp.nic.in

### निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर नर्मदापुरम जिले के विकासखंड **नर्मदापुरम, केसला, पिपरिया, सोहागपुर एवं माखन नगर** के विभिन्न ग्रामों में 'जल जीवन मिशन' अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन नलजल योजनाओं के क्रियान्वयन के तहत आरसीसी उच्चस्तरीय टंकी निर्माण आरसीसी फ्रेम्ड पंप हाउस निर्माण, मोटर पंप स्थापना, पाइप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन, विद्युत संयोजन कार्य तथा समस्त सामग्री एवं लेबर सहित योजनाओं की टेस्टिंग, कमीशनिंग, 90 दिवस तक ट्रायल रन कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

| निविदा क्रमांक/ दिनांक | सिस्टम क्रमांक | विकास खंड नाम | ग्रामों की संख्या | ग्राम का नाम | निविदा की कुल लागत (रुपये में) | धरोहर राशि (रुपये में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में) | कार्य पूर्ण करने की समया-वधि | ठेकेदार की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 40/ 22-23 दिनांक 27.6.22 | 2022_ PHED_ 210309 _1 | नर्मदापुरम | 10 | 1. कांद्राखेड़ी 2. जैतुपर 3. बम्हनगांव कला 4. खेड़ी अहीर 5. रोजड़ा 6. मोफाड़ा 7. डुडूगांव 8. टिगारिया 9. खरखेड़ी 10. कूल्हड़ा | 31480500/- | 314805/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली |
| 41/ 22-23 दिनांक 27.6.22 | 2022_ PHED_ 210310 _1 | नर्मदापुरम | 11 | 1. बैगनिया 2. रिधोड़ा 3. बम्हनगांव खुर्द 4. नोहर 5. पलासी 6. टुगारिया 7. सांवलेखड़ा 8. साकेत 9. पलासडोह 10. बड़ोदिया कला 11. बोरतलाई | 33007000/- | 330070/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |
| 42/ 22-23 दिनांक 27.6.22 | 2022_ PHED_ 210311 _1 | नर्मदापुरम | 13 | 1. रूपापुर 2. ग्वाड़ीखुर्द 3. सोमलवाड़ा कला 4. पाहनबर्री 5. होरियापीपर 6. कांदईहिम्मत 7. बमुरिया 8. वैहराखेड़ी 9. बम्होरी खुर्द 10. सुपरली 11. आमूपुरा 12. देशहमोहनी 13. पतलई खुर्द | 32288500/- | 322885/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |
| 43/ 22-23 दिनांक 27.6.22 | 2022_ PHED_ 210312 _1 | केसला | 12 | 1. छीपीखापा 2. बटकुई 3. कोटा 4. ग्वाडी कला 5. डोब 6. गोलन डोह 7. साकई 8. मलोथर 9. हिरनचीपा 10. साधपुरा 11. लालपानी 12. कोटमी रैयत | 20200900/- | 202009/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |
| 44/ 22-23 दिनांक 27.6.22 | 2022_ PHED_ 210350 _1 | पिपरिया | 14 | 1. सांगई 2. चुरका 3. सुआखापा 4. मुहारी खुर्द 5. धारगांव 6. कुर्सीखापा 7. अनहोनी 8. सुपडोगर 9. चाकर 10. पिसुआ 11. बिन्दा खेड़ा 12. टेकापार 13. नानकोट 14. मोहगांव | 25769400/- | 257694/- | 15000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |
| 45/ 22-23 दिनांक 27.6.22 | 2022_ PHED_ 210355 _1 | माखन नगर एवं सोहागपुर | 06 | 1. रौरीघाट 2. बदकचार 3. साकोट 4. नया चूरना 5. नया चित्तौर पट्टन 6. नया खूखरा | 4816000/- | 50000/- | 5000/- | 180 दिवस वर्षाऋतु सहित | -तदैव- |

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि - **12.07.2022** 17.00 बजे तक
ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 12.07.2022 17.00 बजे तक
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि - 13.07.2022 17.00 बजे से

**कार्यपालन यंत्री,**
**लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, नर्मदापुरम**

**जी-14027/47208/2022**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक निर्माण विभाग, संभाग नीमच (म.प्र.)

E-mail : eepwdneemuch@mp.nic.in, Phone (07423) 223061

### निविदा सूचना

**निविदा सूचना क्रमांक 05/2022-23/नीमच** **दिनांक : 27.06.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

| क्र. | टेण्डर क्रमांक | जिला | कार्य का प्रकार | कार्य का नाम | आमंत्रण क्र. | ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में) | ईएमडी की राशि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2022_ PWDRB_ 210228_1 | नीमच | बी.टी. रिनिवल वर्क | बी.टी. रिनिवल वर्क ऑन रतलाम नसीरबाद मार्ग 127 से 130, 131, (2-4), 134 (6-8-10), 135 (147) 138/540, 139/516, 131, 141/ 550, 143/632, 132/8-10, 134/ 2-4, 136(550), 137, 138/2-4 कुल रिनिवल लंबाई 12.10 कि.मी. कार्य। | प्रथम | 312.34 | 312340/- | 08 माह वर्षाकाल सहित |
| 2. | 2022_ PWDRB_ 210229_1 | नीमच | बी.टी. रिनिवल वर्क | बी.टी. रिनिवल वर्क ऑन कुंकडेश्वर आमद मार्ग कुल रिनिवल लं. 9.60 (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9-6) कि.मी.। | प्रथम | 85.25 | 85250/- | 06 माह वर्षाकाल सहित |
| 3. | 2022_ PWDRB_ 210230_1 | नीमच | बी.टी. रिनिवल वर्क | बी.टी. रिनिवल वर्क ऑन मनासा-पडर्दा-कंजार्डा मार्ग कुल रिनिवल लंबाई 4.60 (35-6-8-10, 36, 37, 38, 39) कि.मी.। | प्रथम | 40.89 | 50000/- | 06 माह वर्षाकाल सहित |
| 4. | 2022_ PWDRB_ 210231_1 | नीमच | बी.टी. रिनिवल वर्क | बी.टी. रिनिवल वर्क ऑन मनासा-अरनियामाली-बोरदियाकला मार्ग कुल रिनिवल लंबाई 9.40 (1, 2, 3, 4, 5, 6, 9, 10, 11-4) कि.मी.। | प्रथम | 83.51 | 83520/- | 06 माह वर्षाकाल सहित |
| 5. | 2022_ PWDRB_ 210232_1 | नीमच | बी.टी. रिनिवल वर्क | बी.टी. रिनिवल वर्क ऑन मोरवन-जावद मार्ग कुल रिनिवल लंबाई 7.20 कि.मी.। (1/2-4, 3/8-10, 4/8-10, 5, 6, 7/2-4-6-8, 12 (500) 13/6-8-10, 14, 15 (500) 16/2-4-6) | प्रथम | 62.56 | 62560/- | 06 माह वर्षाकाल सहित |
| | | | | **Total** | | **584.55** | | |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 18.07.2022 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। भौतिक रूप से एनवलप एवं अन्य दस्तावेज स्वीकार्य नहीं होंगे।

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-14021/47209/2022** **लोक निर्माण विभाग संभाग नीमच**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, रायसेन

दूरभाष क्र. - 07482-222095, फैक्स क्र. - 07482-223388, ई-मेल - eephrai@nic.in
**क्रमांक/3237/लेखा./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/रायसेन** **दिनांक : 29.06.2022**

### निविदा आमंत्रण सूचना

रायसेन जिले के विभिन्न ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से ग्रामों में शत प्रतिशत क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदाय कार्य हेतु निम्नलिखित तालिका अनुसार ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा फार्म ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 08.07.2022 शाम 17.30** है एवं संशोधन केवल वेबसाइट पर देखे जा सकेंगे।

| क्र. | ऑनलाइन टेण्डर आई.डी. क्र. | निविदा क्र. | निविदा आमंत्रण | वि.खं. | ग्राम का नाम | कार्य की अनु. लागत राशि रु. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 2022_ PHED_ 210378_1 | 15 | चतुर्थ | औ.गंज | 1. चांदलाखेड़ी 2. कनोरा 3. रसूलिया 4. रोजडाचक 5. मूडला बाजयाप्त 6. डांटखेड़ी 7. दाउदपुर 8. गेंहूखेड़ा 9. हाजली 10. खासरोद 11. मगरपूंछ 12. पारखेड़ी 13. सलकनी 14. प्रेमतालाव 15. बेरसिया 16. केशलवाड़ा 17. मंडकांसिया 18. सिंगलदीप 19. ढाबला | 48438511/- |

**सदस्य सचिव**
**जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं**
**जी-14042/47211/2022** **कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड रायसेन**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, खरगोन

फोन नं. 07282-231402, ई-मेल - eephedkhr@nic.in
**क्रमांक/2682/निविदा/का.यं./लो.स्वा.यां.2022** **खरगोन, दिनांक : 28.06.2022**

### निविदा सूचना क्रमांक 04/2022-23

खरगोन जिले के विभिन्न विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन, आर.सी.सी. टंकी एवं संपवेल, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य हेतु निविदाएं कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल द्वारा जारी यू.एस.ओ.आर. जो दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील है एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक संशोधित दरों पर, निविदा एपेंडिक्स "2.10" पर ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। जिनके टेण्डर आई.डी. क्रमशः **2022_PHED_210328, 210329, 210330, 210331, 210332** है। समस्त कार्यों की कुल अनुमानित लागत रु. 1716.82 लाख है। उपरोक्त निविदाओं में ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की एवं निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि - 14.07.2022, समय - 17.30 बजे** तथा ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि - 16.07.2022 है।
निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दशाई गई वेबसाइट पर देखें।

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-14043/47210/2022** **लोक स्वा.यांत्रिकी खण्ड खरगोन**

कॅरियर की राहें

# सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कॅरियर के अवसर

**'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।**

इस समय जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वॉर्मिंग से उपजी समस्याओं की वजह से दुनियाभर में सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी) यानी स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा (क्लीन एंड रिन्यूएबल एनर्जी) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पूरी दुनिया नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं।

### सौर ऊर्जा की ओर भारत के तेजी से बढ़ते कदमों से रोज़गार मौके

निःसंदेह भारत सौर ऊर्जा उत्पादन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। वर्ष

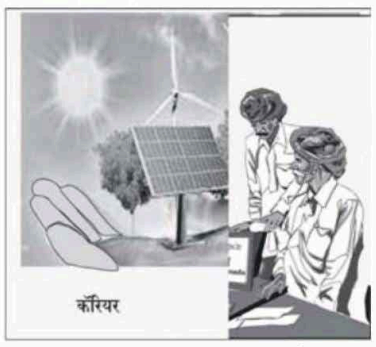


2021 में भारत में कुल स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 100 गीगावॉट के महत्वपूर्ण पड़ाव को पार कर गई है इसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 500 गीगावॉट का लक्ष्य रखा गया है। गौरतलब है कि 27 जून 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत इस समय सौर ऊर्जा यानी स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का एक बड़ा बाजार है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश ने समय से पहले नौ साल के भीतर गैर-जीवाश्म स्रोतों से 40 फीसदी ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लिया है। 7.5 वर्षों में देश की अक्षय ऊर्जा क्षमता में भारत ने 285 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट 2022 के मुताबिक भारत इटली को पीछे छोड़ते हुए सौर ऊर्जा परिनियोजन में दुनिया में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। हमारी सौर ऊर्जा क्षमता पिछले सात वर्षों में 17 गुना से अधिक बढ़ गई है। देश की विशाल रेलवे प्रणाली इस दशक में 'नेट जीरो' उत्सर्जन वाली बन जाएगी। इसके अलावा दुनिया का पहला पूर्ण सौर ऊर्जा संचालित हवाई अड्डा भी भारत में है। जैसे-जैसे देश और दुनिया सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे इस क्षेत्र में कॅरियर के मौके तेजी से बढ़ रहे हैं।

### सौर ऊर्जा क्षेत्र में देशी-विदेशी निवेश से बढ़े रोज़गार अवसर

भारत में सौर ऊर्जा यानी स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ते हुए देशी और विदेशी निवेश से भी कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। भारत में पिछले पांच सालों में 64 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एवं वाटर (सीईईडब्ल्यू), नेचुरल रिसोर्सेज डिफेंस काउंसिल (एनआरडीसी) एवं स्किल काउंसिल फार ग्रीन जॉब्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2030 तक देश के रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर में करीब 10 लाख नए रोज़गार सृजित होंगे। ये जॉब रूफटाप सोलर एवं मिनी-माइक्रो ग्रिड सिस्टम जैसे छोटे रिन्युएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। अनुमान है कि वर्ष 2022 में इस क्षेत्र में 1.1 लाख लोग कार्य कर रहे हैं।

### सौर ऊर्जा में रोज़गार के विभिन्न क्षेत्र

चूंकि स्वच्छ और नवकरणीय ऊर्जा के तहत अन्य कम प्रदूषणकारी वैकल्पिक

स्रोतों को अपनाए जाने पर बल दिया जा रहा है, इसी को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी तथा स्वच्छ ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में रोज़गार एवं स्वरोज़गार के अवसर उत्पन्न होते जा रहे हैं। खासतौर से सौर ऊर्जा क्षेत्र के तहत सोलर इंजीनियर्स के लिए तेजी से मौके बढ़े हैं। एक सोलर इंजीनियर का कार्य सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की तकनीक पर काम करना होता है। वे सोलर एनर्जी से संबंधित प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग, डिजाइनिंग से लेकर उसके एग्जीक्यूशन तक का कार्य संभालते हैं। उनकी देखरेख में रूफटॉप सोलर पैनल्स के इंस्टालेशन होते हैं। रेजिडेंशियल, कामर्शियल सोलर एनर्जी प्लांट या सोलर पावर सिस्टम विकसित करने में इनकी मदद ली जाती है। स्टूडेंट्स अपने शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही सौर ऊर्जा कंपनियों से सम्पर्क करके रोज़गार की संभावना मुट्ठियों में ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सोलर एनर्जी सेक्टर में इंजीनियर्स, प्रोजेक्ट मैनेजर्स, बिजनेस डेवलपमेंट एक्सपर्ट्स, सेल्स प्रोफेशनल्स को बड़ी कंपनियां हाथोंहाथ ले लेती हैं, जबकि रूफटॉप सोलर या अन्य सोलर पैनल्स के इंस्टालेशन, मेंटीनेंस, साफ-सफाई आदि कार्यों के लिए कुशल और गैर-कुशल दोनों तरफ के लोगों को रोज़गार मिल जाता है। इसके लिए प्रायः कंपनियां भी प्रशिक्षण देती हैं।

### सौर ऊर्जा क्षेत्र में कॅरियर के लिए शैक्षणिक जरूरतें

सौर ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न ब्रांचों के इंजीनियर्स के अलावा सामान्य कार्यों के

लिए परम्परागत डिग्री और उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों के लिए मौके हैं। आमतौर पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करने वाले छात्र सोलर एनर्जी सेक्टर में कार्य करते हैं। इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, केमिकल, इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के छात्र भी इस क्षेत्र में आ सकते हैं। आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में जेईई के जरिये इन कोर्सेज में दाखिला मिलता है। साइंस विषय से 12वीं के बाद यह कोर्स कर सकते हैं। सौर ऊर्जा क्षेत्र में इंजीनियर्स के लिए जहां इंजीनियरिंग डिग्रियों की जरूरत होती है, वहीं प्रबंध लेखा और मैनेजमेंट से संबंधी कार्यों के लिए किसी भी उपयुक्त डिग्री या डिप्लोम के साथ उपयुक्त प्रशिक्षण जरूरी है।

### सौर ऊर्जा में कॅरियर संबंधी पाठ्यक्रम

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोज़गार और कॅरियर से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी के इंस्टीट्यूशंस में उपलब्ध हैं। जो युवा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कॅरियर के लिए आगे आना चाहते हैं, उनके द्वारा सरकार के सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम के तहत भी प्रशिक्षण लिया जाना उपयुक्त होता है। ऐसे में स्टूडेट्स अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप उपयुक्त पाठ्यक्रम और उपयुक्त संस्थान का चयन करके सौर ऊर्जा यानी स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

**- डॉ. जयंतीलाल भंडारी**

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

# विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

**1. इस वर्ष किस भारतीय बॉक्सर ने विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है?**
(अ) एम.सी. मैरीकॉम
(ब) लवलीना बोरगोहेन
(स) निकहत जरीन
(द) इनमें से कोई नहीं

**2. भारत ने किस देश के खिलाफ अपना पहला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था?**
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) द. अफ्रीका
(स) न्यूजीलैंड (द) पाकिस्तान

**3. इस वर्ष वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियनशिप के विजेता बने हैं?**
(अ) रॉरी ओसुलिवान
(ब) जूड ट्रंप
(स) स्टुअर्ट बिंघम
(द) मार्क विलियम्स

**4. किस महिला खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा बार फ्रेंच ओपन जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है?**
(अ) मोनिका सेलेस
(ब) क्रिस एवर्ट
(स) मार्टिना नवरातिलोवा
(द) जस्टिन हेनिन

**5. वेस्ले स्नाइडर किस देश के दिग्गज फुटबॉलर रह चुके हैं?**
(अ) स्पेन (ब) ब्राजील
(स) नीदरलैंड (द) कोस्टा रिका

**6. इनमें से किस क्रिकेटर के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने का रिकॉर्ड है?**
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) डॉन ब्रेडमैन
(स) ग्राहम गूच (द) जैक हॉब्स

**7. किस क्रिकेटर ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं?**
(अ) ब्रैंडन मैक्कुलम
(ब) क्रिस गेल
(स) शाहिद अफरीदी
(द) सनथ जयसूर्या

**8. एशियाई खेल-2018 में टेनिस में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी थीं?**
(अ) इरी होजोमी (ब) झांग शुहाई
(स) अंकिता रैना (द) वांग क्यिंग

**9. दिव्या काकरान किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?**
(अ) कुश्ती (ब) टेनिस
(स) बैडमिंटन (द) हॉकी

**10. फीफा वर्ल्डकप-2018 में गोल्डन बॉल अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी हैं?**
(अ) एंटोनिए ग्रिजमैन
(ब) लुका मोड्रिच
(स) एडेन हजार्ड
(द) बेंजामिन पेवार्ड

**11. ओलिंपिक चैम्पियन एथलीट एलिन थॉम्पसन हेराह किस देश की दिग्गज खिलाड़ी हैं?**
(अ) जमैका (ब) कनाडा
(स) ब्राजील (द) इटली

**12. इटैलियन ओपन-2022 में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन हैं?**
(अ) स्टेफानोस सितसिपास
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) एंडी मरे
(द) इनमें से कोई नहीं

**13. वर्ष 2018 में किस देश ने उबेर कप का खिताब जीता था?**
(अ) दक्षिण कोरिया (ब) चीन
(स) जापान (द) इंडोनेशिया

**14. विजेंदर सिंह ने प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अब तक कितने मुकाबले जीते हैं?**
(अ) 8 (ब) 10
(स) 11 (द) 12

**15. कॉमनवेल्थ गेम्स-2018 में टेबल टेनिस महिला एकल में चैम्पियन बनी थीं?**
(अ) मणिका बत्रा
(ब) मौमा दास
(स) मधुरिका पाटकर
(द) सुतीर्था मुखर्जी

**16. अमेरिका के ब्रायंट कोबे किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी रह चुके हैं?**
(अ) टेनिस (ब) बास्केटबॉल
(स) साइक्लिंग (द) वॉलीबॉल

**17. अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में जर्मनी के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर हैं?**
(अ) मिरोस्लाव क्लोज
(ब) गर्ड मुलर
(स) थॉमस मुलर
(द) लुकास पोडोलस्की

**18. इस वर्ष आईपीएल की विजेता टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं?**
(अ) के.एल. राहुल
(ब) हार्दिक पंड्या
(स) ऋषभ पंत
(द) इशान किशन

**19. आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप-2019 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के कप्तान थे?**
(अ) जो रूट (ब) बेन स्टोक्स
(स) इयॉन मोर्गन (द) जोस बटलर

**20. किस देश ने सर्वाधिक नौ बार एएफसी महिला एशिया कप जीता है?**
(अ) चीन (ब) जापान
(स) कतर (द) ईरान

**21. इस वर्ष मियामी ओपन में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?**
(अ) राफेल नडाल
(ब) जेनिक सिनर
(स) कैस्पर रूड
(द) कार्लोस अल्कराज

**22. ओलिंपिक चैम्पियन एथलीट मार्सेल जैकब्स किस देश के खिलाड़ी हैं?**
(अ) इटली
(ब) अमेरिका
(स) ब्रिटेन
(द) इनमें से कोई नहीं

**23. किस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा बार मोंटे कार्लो ओपन जीतने का रिकॉर्ड है?**
(अ) रोजर फेडरर
(ब) राफेल नडाल
(स) नोवाक जोकोविच
(द) रॉड लेवर

**24. डी. गुकेश किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
(अ) एथेलेटिक्स (ब) भारोत्तोलन
(स) शतरंज (द) निशानेबाजी

**25. किस देश ने सबसे ज्यादा बार थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता है?**
(अ) भारत (ब) चीन
(स) जापान (द) इंडोनेशिया

**उत्तर**

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स), 6. (द), 7. (स), 8. (द), 9. (अ), 10. (ब), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (द), 15. (अ), 16. (ब), 17. (अ), 18. (ब), 19. (स), 20. (अ), 21. (द), 22. (अ), 23. (ब), 24. (स), 25. (द)।

**- पुष्पेंद्र कुमार सविता**

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

**SHRI VAISHNAV INSTITUTE OF MANAGEMENT**
Approved by AICTE, Affiliated to DAVV, Indore and RGPV, Bhopal (M.P.)
UGC - NAAC accredited 'A' Grade Institute
Scheme No. 71, Gumasta Nagar, INDORE-452 009 ✆ 0731-2780011, 2789925
www.svimi.org

WE'RE HIRING

**ASSISTANT PROFESSOR :** Operations Management, Finance, Statistics, Economics, General Management, Business Analytics, Computer Science, Computer Application and English.
**Eligibility:** As per UGC/AICTE norms.
**SPORT OFFICER:** Masters Degree with 55% in Physical Education. NET/SLET/SET/Ph.D. will get preference. Minimum 2 years experience in Educational Institute is essential.
**YOGA TEACHER:** Masters Degree in Yoga with NET/ SLET/ SET/ Ph.D. in the subject with minimum 2 years teaching experience in educational Institute.
**SOFT SKILLS TRAINER:** Professionally qualified having minimum 5 years experience and trained faculty having rich experience in grooming the students for a successful career. The candidate should be a post graduate with good academic record in relevant discipline
**Salary:** As per UGC norms

**FOR NON-TEACHING POSITIONS**

**OFFICE EXECUTIVE :** Post Graduate with minimum 5 years experience in office work. Good proficiency of MS Office with Hindi and English Typing is essential.
**OFFICE EXECUTIVE (SCHOLARSHIP) :** Post Graduate with minimum 3 years experience in handling all types of scholarships of students in higher education and liasoning with all Govt. Scholarship Departments. Good proficiency of MS Office with Hindi and English Typing is essential.
**PUBLIC RELATIONS OFFICER :** Post Graduate with ten years experience in public relation work in government / public/ private educational institutions. Knowledge of publication of news magazines, Media Management etc.

Salary is not a constraint for deserving candidate
Note: Applications of the candidates applied earlier will not be considered.

Interested candidates may send application on email recruitments@svimi.org along with resume, photo and testimonials and send the same in hard copy (Compulsory) on Institute's address within 15 days of publication of advertisement.
R-47224/2022
deepak

आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम

# 'सूर्य नूतन' बनेगा रसोई की नई पहचान

बार-बार रसोई गैस सिलेंडर भरवाने से आजादी मिलने वाली है, क्योंकि जल्द ही आपको खाना बनाने के लिए एक ऐसा चूल्हा मिलेगा, जिसके लिए रसोई गैस सिलेंडर या लकड़ी की जरूरत ही नहीं होगी। हाल ही में केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में 'सूर्य नूतन' कुक टॉप यानी चूल्हे का प्रदर्शन किया गया है। इंडियन ऑयल तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 'सूर्य नूतन' नामक यह स्वदेशी सोलर कुक टॉप विकसित किया गया है। घर के अंदर इस्तेमाल किए जाने वाले इस चूल्हे की खास बात यह है कि इसे रात में भी प्रयोग किया जा सकता है। सूर्य नूतन में ऊर्जा सुरक्षा के परिदृश्य को बदलने की क्षमता है, क्योंकि भारत वर्तमान में अपनी एलपीजी आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत आयात करता है। यह देश में कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को भी काफी कम करता है और हमारे नागरिकों को जीवाश्म ईंधन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अत्यधिक उतार-चढ़ाव की चिंता से भी मुक्त रखता है।

### यह तकनीक कैसे काम करती है?

सूर्य नूतन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसका चूल्हा घर के अंदर रहेगा, जबकि सोलर पैनल बाहर लगा रहेगा। सूर्य नूतन में एक केवल लगी है, यह केवल छत पर लगी हुई सोलर प्लेट से जुड़ी होगी। सोलर प्लेट से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह केवल के जरिए चूल्हे तक पहुंचती है और इसी ऊर्जा से रसोई में रखा सूर्य नूतन काम करने लगता है। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया में थर्मल बैटरी में सोलर एनर्जी स्टोर भी होती रहती है, जिससे बिना धूप के या रात में भी खाना पकाया जा सकता है। सूर्य नूतन के जरिए चार लोगों के परिवार के लिए एक दिन का पूरा भोजन यानी सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना आसानी से बनाया जा सकता है। सूर्य नूतन सोलर कुकर से अलग है, क्योंकि सोलर कुकर को धूप में रख कर खाना पकाना पड़ता है।

### सूर्य नूतन का निर्माण किसने किया है?

सूर्य नूतन को इंडियन ऑयल के अनुसंधान एवं विकास केंद्र, फरीदाबाद द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। सूर्य नूतन का उपयोग सभी मौसमों और ऋतुओं में किया जा सकता है, जिसमें सूर्य लंबे समय तक या लगातार उपलब्ध नहीं रहता है, जैसे मानसून और अत्यधिक सर्दी।

### इसकी कीमत कितनी होगी?

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा अभी सूर्य नूतन का आरंभिक मॉडल पेश किया गया है। जल्द ही इसका कमर्शियल मॉडल लॉन्च होगा। प्रारंभ में बेस मॉडल के लिए उत्पाद की लागत लगभग 18 हजार रुपये और शीर्ष मॉडल के लिए 30 हजार रुपये है। हालांकि, सरकार से सब्सिडी मिलने के बाद दाम में कमी आने की उम्मीद है। इसकी कीमत 10 हजार से 12 हजार रुपये तक होने की उम्मीद है। ऐसा माना जा रहा है कि एक वर्ष में अगर 6 से 8 एलपीजी सिलेंडरों की खपत होती है, तो सूर्य नूतन का खरीदार पहले 1 से 2 साल में ही इस उत्पाद की लागत वसूल कर लेगा।

### सूर्य नूतन की मुख्य विशेषताएं

- सूर्य नूतन एक स्थान पर स्थापित, रिचार्जेबल और रसोई से हमेशा जुड़ी रहने वाली एक इनडोर सोलर कुकिंग प्रणाली है।
- यह सूर्य के माध्यम से चार्ज करते समय ऑनलाइन कुकिंग मोड प्रदान करता है, जो सिस्टम दक्षता को अधिकतम करता है और सूर्य से ऊर्जा का सर्वाधिक उपयोग सुनिश्चित करता है।

- सूर्य नूतन का इन्सुलेशन डिजाइन विकिरण और प्रवाहकीय गर्मी के नुकसान को कम करता है।
- सूर्य नूतन एक निम्नतम रखरखाव वाली प्रणाली है और यह उत्पाद काफी टिकाऊ है।
- इसे मेंटेनेंस की जरूरत कम पड़ेगी। इसकी वजह ये है कि यह हाइब्रिड मोड में काम करता है यानी कि सौर और सहायक ऊर्जा दोनों स्रोतों पर एक साथ काम कर सकता है। यह रिचार्ज किया जाता है और चार्जिंग के दौरान भी ऑनलाइन यानी सीधे सौर ऊर्जा से खाना पका सकता है।
- सूर्य नूतन एक मॉड्यूलर प्रणाली है और इसे आवश्यकता के अनुसार विभिन्न आकारों में डिजाइन किया जा सकता है।

### वैश्विक ऊर्जा संकट में भारत द्वारा उठाए जा रहे कदम

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट में उठाए जा रहे अन्य कई कदमों, जिसमें इथेनॉल सम्मिश्रण को 20 प्रतिशत तक बढ़ाना, सतत (एसएटीएटी) योजना के तहत कंप्रेस्ड बायोगैस की खरीद मूल्य को 45 रुपये प्रति किलोग्राम से 54 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ाना, अन्वेषण और उत्पादन के तहत क्षेत्र को वर्तमान 7-8 प्रतिशत से 15 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में बढ़ाना और हमारी रिफाइनरियों में ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाना आदि के साथ-साथ 'सूर्य नूतन' भी शामिल है।

### अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- भारत विश्व का पांचवां सबसे बड़ी सौर स्थापित क्षमता वाला देश है।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है।
- इस बार के बजट में सोलर एनर्जी की दिशा में हाई एफिसिएंशी सोलर मॉड्यूल मेन्युफैक्चरिंग के लिए साढ़े 19 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। इसे सोलर मॉड्यूल्स और इससे जुड़े प्रोडक्ट्स की मेन्युफैक्चरिंग और R&D में भारत को ग्लोबल हब बनाने में मदद मिलेगी।
- नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) लिमिटेड ने आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में सिम्हाद्री थर्मल स्टेशन के जलाशय पर 25 मेगावॉट की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर पीवी परियोजना की शुरुआत की है। यह भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में अधिसूचित फ्लेक्सिबिलाइजेशन योजना के तहत स्थापित की जाने वाली पहली सौर परियोजना भी है।
- गैर जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से स्थापित बिजली क्षमता का 40 प्रतिशत पूरा करने का 2030 का लक्ष्य भारत ने नवंबर 2021 में ही हासिल कर लिया है।
- मध्यप्रदेश देश का बड़ा सौर ऊर्जा केन्द्र बनकर उभर रहा है। प्रदेश में एशिया की सबसे बड़ी 750 मेगावॉट की रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना से उत्पादन शुरू हो चुका है।
- मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर में विश्व की सबसे बड़ी 600 मेगावॉट क्षमता की सोलर फ्लोटिंग परियोजना प्रारंभ की जा रही है।
- मध्यप्रदेश के आगर, नीमच और शाजापुर जिलों में 1500 मेगावॉट की सोलर ऊर्जा परियोजनाओं का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसके अलावा मध्यप्रदेश के 5 जिलों में 4 हजार मेगावॉट से अधिक क्षमता के नये सोलर पार्क बनाये जा रहे हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के शुभारंभ की घोषणा भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति श्री फ्रंकोइस ओलांद ने फ्रांस के पेरिस में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-21) के 21वें सत्र में 30 नवंबर 2015 को की थी।
- वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड (OSOWOG) पहल का विचार भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अक्टूबर 2018 में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की पहली सभा में रखा गया था। उन्होंने इसके लिए सीमाओं के पार सौर ऊर्जा आपूर्ति को जोड़ने का आह्वान किया था। मई 2021 में ब्रिटेन और भारत ने ग्रीन ग्रिड इनिशिएटिव और वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड पहल के लिए हाथ मिलाने और नवंबर 2021 में ब्रिटेन द्वारा ग्लासगो में आयोजित होने वाले सीओपी 26 शिखर सम्मेलन में जीजीआई-ओएसओडब्ल्यूओजी को संयुक्त रूप से लॉन्च करने पर सहमति जताई थी।

**- रश्मि रंजन**

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

# मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में है 'मालवा का कश्मीर'

राजगढ़, मध्यप्रदेश के भोपाल संभाग का एक जिला है। मध्य प्रान्त के गठन के समय मई 1948 में राजगढ़ का गठन एक जिले के रूप में किया गया था। इसमें राजगढ़, नरसिंहगढ़, खिलचीपुर, देवास (वरिष्ठ) देवास (जूनियर) और इंदौर राज्य शामिल थे। वर्तमान स्वरूप में जिले की स्थापना 1 नवंबर 1956 को हुई।

मालवा पठार के उत्तरी किनारे पर स्थित यह जिला गुना, भोपाल, सीहोर और शाजापुर जिले से घिरा है। पार्वती और काली सिंध नदी जिले की प्रमुख नदी हैं। जिले की सीमा राजस्थान से मिलती है। यह झालावाड़ के साथ अपनी सीमा बनाता है।

जिले के एक ऐतिहासिक किले नरसिंहगढ़ को मालवा का कश्मीर भी कहा जाता है।

### इतिहास

राजगढ़ एक मध्यस्थ राज्य का मुख्यालय था, जो उमट राजपूतों और महान परमार वंश द्वारा शासित था, उन्होंने उत्तराधिकार में दिल्ली के सुल्तानों और मुगल सम्राटों के अधीन एक सनद एस्टेट का गठन किया था । पहले इसकी राजधानी दुपरिया थी, जो अब शाजापुर जिले में है। बाद में इसे डूंगरपुर (राजगढ़ से 19 किमी) और फिर रतनपुर (नरसिंहगढ़ से 19 किमी पश्चिम) बनाते हुए वापस दुपरिया स्थानांतरित कर दिया गया। बार-बार गुजरने वाली मुगल सेनाओं द्वारा फैलाई जाने वाली अशांति से बचने के लिए, एस्टेट के शासक मोहन सिंह ने वर्तमान पक्ष का अधिग्रहण किया, जिसे मूल रूप से ईस्वी सन् 1640 में भीलों के शासन के दौरान झंझीपुर के रूप में जाना जाता था। अंत में उन्होंने इसे राजगढ़ मुख्यालय का नाम दिया। 1645 में दीवान अजब सिंह ने राजगढ़ के पहाड़ी क्षेत्र में भीलों को पराजित किया तथा यहां सुंदर महल का निर्माण करवाया, इसके पांच द्वार थे। जिन्हें इतवारिया, भुडवारिया, सूरजपोल, पनराडिया और नया दरवाजा नाम से जाना जाता है। इस महल में तीन पुराने मन्दिर भी हैं।

### अर्थव्यवस्था

राजगढ़ जिले की मुख्य फसल गेहूं और सोयाबीन है। यहां उच्च कोटि के कपास का उत्पादन भी किया जाता है। यहां की मिट्टी को कलमाट कहा जाता है, जो कपास के लिए उपयुक्त मानी जाती है, इसमें नमी धारण की सर्वाधिक क्षमता होती है। जिले में बिना कृत्रिम सिंचाई के भी खरीफ एवं रबी की फसलों को प्राप्त किया जा सकता है।

जिले में हथकरघा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। सारंगपुर एक हाथकरघा बाहुल्य क्लस्टर है। जहां पड़ाना ग्राम में अधिकांश बुनकर रहते हैं ।

पड़ाना में प्रमुख रूप से कोटा मसूरिया साड़ियां और चादरें बनाई जाती हैं। साथ ही पगड़ी भी बनाई जाती है। इन सभी की बाजार में बहुत मांग है। बुनकरों द्वारा शिफान, प्लेन पोत, सिल्क का उत्पादन भी प्रारंभ किया गया है। यहां का अनुमानित वार्षिक उत्पादन लगभग 1.15 करोड़ रुपये का है।

वर्तमान में सारंगपुर में लगभग 2175 करघे स्थापित हैं। जिनके माध्यम से लगभग 3702 बुनकरों को रोज़गार मिला हुआ है।

### राजगढ़ जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन- 1 नवंबर, 1956
2. संभाग- भोपाल
3. जिला मुख्यालय- राजगढ़
4. क्षेत्रफल- 6,154 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 1545814 (पुरुष-790212, महिलाएं-755602)
6. लिंग अनुपात- 956
7. जनघनत्व- 251 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता- 61.21 प्रतिशत
9. तहसीलें- 9 ( राजगढ़, खिलचीपुर, ब्यावरा, सारंगपुर, नरसिंहगढ़, जीरापुर, पचोर, खुजनेर, सुठालिया)
10. राजस्व अनुभाग- 9
11. ग्राम पंचायत- 622
12. ग्राम- 1728
13. नगर पंचायत- 10
14. नगर पालिका- 4
15. कृषि उपज मंडी- 11
16. विधानसभा क्षेत्र- 5 (ब्यावरा, नरसिंहगढ़, सारंगपुर, राजगढ़, खिलचीपुर)
17. लोकसभा क्षेत्र- 1 ( राजगढ़)
18. भाषा एवं बोली- हिन्दी,

**(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)**

### अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राजगढ़ जिला नदियों और झील के मामले में काफी समृद्ध है। जिले में कालीसिन्ध नदी (सारंगपुर), नेवज (राजगढ़, पचोर), पार्वती (नरसिंहगढ़), अजनार (ब्यावरा), गाड़-गंगा (खिलचीपुर), परसराम तालाब और चिड़ीखो झील (नरसिंहगढ़), नापानेरा झील (ब्यावरा), छापीडैम (जीरापुर) जैसे जलस्रोत सिंचाई और पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने में प्रमुख योगदान दे रहे हैं।
- जिले में निकलने वाली नेवज नदी को प्राचीन ग्रंथों में निर्विन्ध्या के नाम से जाना जाता था। जिले में स्थित जालपा माताजी का मंदिर एक महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है। इस मंदिर के समक्ष हनुमान जी का प्राचीन मन्दिर भी है।
- राजगढ़ जिले में नरसिंहगढ़ से 15 किलोमीटर दूर स्थित भगवान विष्णु का साका श्याम मंदिर सबसे प्रसिद्ध और प्राचीन माना जाता है, जहां भगवान विष्णु के मत्स्य से लेकर कल्कि तक समस्त दस अवतार एक साथ मौजूद हैं।
- 17वीं शताब्दी में बना नरसिंहगढ़ का किला राजगढ़ जिले का एक प्राचीन किला है। यह किला बहुत बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। राजपूत, मुगल और मालवा शैली में बना हुआ यह किला 350 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। यह किला महाराजा भानु प्रकाश सिंह का महल था।
- चिड़ीखो झील के पास स्थित नरसिंहगढ़ वन्य जीव अभ्यारण भी जिले का एक मुख्य पर्यटन स्थल है। यहां पर जीव-जंतु और पौधों की बहुत सारी प्रजातियां देखने के लिए मिलती हैं। इस झील का आकार चिड़िया के आकार का है। इसलिए इसे चिड़ीखो के नाम से जाना जाता है।
- जिले के सारंगपुर में कालीसिंध नदी के बीच में बना प्राचीन कपिलेश्वर महादेव मंदिर वास्तु कला का अनूठा नमूना है। मंदिर का जीर्णोद्धार करीब 800 साल पूर्व देवास के महाराजा जीवाजी राव पंवार ने कराया था।
- खिलचीपुर में स्थित महाराजा प्रियव्रत सिंह का महल या खिलचीपुर का किला भी जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। गाड़-गंगा नदी के किनारे बनी हुई यह इमारत 17वीं शताब्दी की है।
- राजगढ़ जिले के सारंगपुर में स्थित रानी रूपमति का मकबरा देखने देशभर से लोग आते हैं। रानी रूपमति और बाज बहादुर की मोहब्बत और त्याग के प्रतीक इस मकबरे का निर्माण 15वीं शताब्दी में हुआ था।
- राजगढ़ में नेवज नदी के तट पर पहाड़ियों के बीच श्रीनाथजी का बड़ा मंदिर स्थित है। नगर की पहचान स्थापित करने वाले इस भव्य मंदिर की शिल्पकला अति सुन्दर है। राजगढ़ रियासत के तत्कालीन राजा बलवहादुर सिंह ने वर्ष 1887 में मंदिर का निर्माण प्रारम्भ करवाया था। 24 साल में बनकर तैयार हुए इस वर्ष मंदिर में तत्कालीन राजा बनेसिंह ने वर्ष 1911 में श्रीनाथ की मूर्ति की स्थापना करवाई थी। इसका शिखर बहुत विशाल (111 फीट) है।
- ब्यावरा में अजनार नदी के किनारे करीब 700 साल पुराना चतुर्भुजनाथ मंदिर और 400 साल पुराना रघुनाथजी मंदिर स्थित है। दरगाह शरीफ राजगढ़, सुठालिया में पार्वती नदी के पास स्थित महादेव का प्रसिद्ध मंदिर, ब्यावरा-सुठालिया के बीच पशुपतिनाथ का प्रसिद्ध मंदिर, खिलचीपुर का प्राचीन शनि मंदिर, भेसवामाता (बीजासन माता) मंदिर सारंगपुर, श्री तिरुपति बालाजी मंदिर जीरापुर जिले में स्थित प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल हैं।

**- रीता मोदी**

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

खेल चर्चा

## भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2-1 से जीती सीरीज

**दाम्बुला,** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका दौरे पर जीत के साथ शुरुआत की है। भारत ने तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज में श्रीलंका को 2-1 से हराया। भारत ने श्रीलंका को पहले मैच में 34 रन और दूसरे मैच में 5 विकेट से हराया। वहीं तीसरे मैच में श्रीलंका ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। सीरीज के दौरान भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। हरमनप्रीत ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। हरमनप्रीत ने पूर्व कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ा है। हरमनप्रीत के ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 2411 रन हो गये हैं, जबकि मिताली के नाम 2364 रन दर्ज हैं।

## पेत्रा क्वितोवा ने जीता इस्टबर्न इंटरनेशनल डब्ल्यूटीए खिताब

**इस्टबर्न,** चेक गणराज्य की महिला टेनिस खिलाड़ी पेत्रा क्वितोवा ने इस्टबर्न चैंपियनशिप डब्ल्यूटीए खिताब अपने नाम किया है। क्वितोवा ने टूर्नामेंट के फाइनल में लात्विया की जेलेना ओस्तोपेंको को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। ओस्तोपेंको ने पहले सेट में क्वितोवा के सामने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की। क्वितोवा ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद शानदार पलटवार कर वापसी की और 6-3 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में ओस्तोपेंको से पलटवार की उम्मीद थी, लेकिन क्वितोवा के शानदार खेल के सामने ओस्तोपेंको ज्यादा देर नहीं टिक पाईं और 6-2 से सेट हार गईं। यह क्वितोवा के टेनिस कॅरियर का 29वां खिताब है।

## स्टेफानोस सितसिपास ने जीती मार्लोका चैंपियनशिप

**मैड्रिड,** ग्रीस के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने मार्लोका चैंपियनशिप टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। सितसिपास ने टूर्नामेंट के फाइनल में स्पेन के रॉबर्ट बॉटिस्टा अगुट को रोमांचक मुकाबले में 6-4, 3-6, 7-6 से हराया। ये सितसिपास के टेनिस कॅरियर का ग्रास कोर्ट पर एटीपी पहला खिताब है। वर्ल्ड रैंकिंग में छठें स्थान पर काबिज सितसिपास अब तक नौ एटीपी खिताब जीत चुके हैं। यह इस सत्र में सितसिपास का दूसरा खिताब भी है। इससे पहले सितसिपास ने अप्रैल 2022 में मोंटे कार्लो मास्टर्स खिताब जीता था। खिताबी जीत दर्ज करने के बाद सितसिपास ने कहा कि इस टूर्नामेंट के अनुभव का लाभ विम्बलडन में मिलेगा।

## रूमेली धर ने क्रिकेट से लिया संन्यास

**कोलकाता,** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान रूमेली धर ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। रूमेली ने बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अभिषेक डालमिया को पत्र लिखकर सूचित किया कि मैं तत्काल प्रभाव से अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले रही हूं। उन्होंने कहा कि मैंने अपने देश के लिये खेलने का आनंद लिया है। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिये गर्व की बात है। रूमेली धर ने भारत के लिये चार टेस्ट, 78 वन-डे और 18 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। रूमेली धर की गिनती बेहतरीन ऑलराउंडर्स में होती है। रूमेली ने वर्ष 2005 में खेले गये महिला क्रिकेट विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को फाइनल तक पहुंचाया था।

रणजी ट्रॉफी

# मध्यप्रदेश पहली बार बना घरेलू क्रिकेट का चैंपियन

**बेंगलुरू,** आदित्य श्रीवास्तव की अगुवाई वाली मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम ने रणजी टूर्नामेंट में इतिहास रचते हुये पहली बार खिताब अपने नाम किया है। मध्यप्रदेश ने बेंगलुरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गये फाइनल मुकाबले में 41 बार की चैंपियन मुंबई को 6 विकेट से हराया।

मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। कप्तान पृथ्वी शॉ (47) और यशस्वी जायसवाल (78) ने मुंबई को मजबूत शुरुआत दिलाई। इन दोनों के आउट होने के बाद मध्यप्रदेश के गेंदबाजों ने मुंबई को दबाव में ला दिया, हालांकि सरफराज खान एक छोर पर टिके रहे और 134 रनों की शतकीय पारी खेली। मुंबई ने पहली पारी में 374 रन बनाये।

पहली पारी में मध्यप्रदेश की शुरुआत भी बढ़िया रही। यश दुबे और हिमांशु मंत्री ने पहले विकेट के लिये 47 रन की साझेदारी की। हिमांशु 31 रन ही बना सके। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शुभम शर्मा ने यश दुबे के साथ दूसरे विकेट के लिये 222 रनों की साझेदारी की। यश ने 133 तथा शुभम ने 116 रन बनाये। इसके बाद आईपीएल के हीरो रजत पाटीदार ने भी शतक बनाया। रजत ने आदित्य श्रीवास्तव (25) और सारांश जैन (57) के साथ उपयोगी साझेदारियां कर 122 रनों की पारी खेली और मध्यप्रदेश को 536 रनों तक पहुंचाया।

पहली पारी में 162 रनों से पिछड़ने के बाद मुंबई की टीम ने दूसरी पारी में तेज शुरुआत की। दूसरी पारी में मुंबई के लिये सुवेद पारकर (51), सरफराज खान (45) और पृथ्वी शॉ (44) ने उपयोगी पारियां खेल कर मुंबई को 269 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

जीत के लिये मिले 108 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत खराब रही। पहली पारी में शतक बनाने वाले यश दुबे महज एक रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद शुभम शर्मा (30), हिमांशु मंत्री (37) और रजत पाटीदार (30) ने शानदार पारियां खेल मध्यप्रदेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। मध्यप्रदेश ने 29.5 ओवरों में चार विकेट खोकर जीत दर्ज की।

**मुख्यमंत्री ने दी जीत की बधाई**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश क्रिकेट टीम को ऐतिहासिक जीत की बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शानदार, ऐतिहासिक और गौरवान्वित करने वाला क्षण है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम और कोच चंद्रकांत पंडित को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और एकजुट प्रदर्शन के बदौलत घरेलू क्रिकेट का खिताब जीता है।

- **मुंबई ने सर्वाधिक 41 बार जीती है रणजी ट्रॉफी।**
- **मध्यप्रदेश ने वर्ष 1998-99 में भी रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई थी।**
- **चंद्रकांत पंडित की कप्तानी वाली मध्यप्रदेश की टीम को कर्नाटक के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।**
- **मध्यप्रदेश से पहले होल्कर टीम भी चार बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनी है।**
- **चंद्रकांत पंडित की कोचिंग में मुंबई ने 3 बार और विदर्भ ने 2 बार जीती है रणजी ट्रॉफी।**

## इयोन मोर्गन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

**लंदन,** इंग्लैंड के सीमित ओवर क्रिकेट टीम के कप्तान इयोन मोर्गन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। मोर्गन वर्ष 2019 में आईसीसी क्रिकेट विश्वकप जीतने वाली इंग्लिश टीम के कप्तान हैं। मोर्गन काफी समय से खराब फॉर्म और फिटनेस से जूझ रहे थे। मोर्गन इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप तक टीम की कप्तानी करना चाहते थे, लेकिन फॉर्म और फिटनेस के चलते उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया। मोर्गन विश्व के उन गिने-चुने क्रिकेटर्स में से एक हैं, जिन्होंने दो देशों के लिये क्रिकेट खेला है। मोर्गन ने वर्ष 2006 में आयरलैंड की ओर से वन-डे क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिये 23 वन-डे मैच खेले हैं। इसके बाद मोर्गन वर्ष 2009 से इंग्लैंड के लिये खेलने लगे। मोर्गन ने इंग्लैंड के लिये 225 वन-डे मैच खेले हैं। मोर्गन ने 115 ट्वेंटी-20 तथा 16 टेस्ट मैच भी खेले हैं।

## चुन इन-जी ने जीता महिला पीजीए खिताब

**मेरीलैंड,** दक्षिण कोरिया की महिला गोल्फर चुन इन-जी ने महिला पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। ये चुन इन-जी के गोल्फ कॅरियर का तीसरा प्रमुख खिताब है। चुन ने लगभग छह वर्ष बाद कोई खिताब जीता है। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2015 में यूएस ओपन और वर्ष 2016 में इवियन चैंपियनशिप का खिताब जीता था। चुन ने महिला पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप में फाइव अंडर 283 स्कोर कर खिताब जीता। चुन ने टूर्नामेंट में अमेरिका की लेक्सी थॉम्पसन और ऑस्ट्रेलिया की मिंजी ली पर एक स्ट्रोक से जीत दर्ज की।

# भारत ने आयरलैंड में जीती ट्वेंटी-20 सीरीज

**डबलिन,** भारत ने आयरलैंड के खिलाफ खेली गई दो मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। भारत ने सीरीज के दूसरे और अंतिम मुकाबले में आयरलैंड को चार रन से हराया। इससे पहले भारत ने पहला मैच 7 विकेट से जीता था।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। सलामी बल्लेबाज इशान किशन (3) के जल्द आउट होने के बाद दीपक हुड्डा और संजू सैमसन ने पारी को संभाला। दीपक ने मैच में 57 गेंदों में 104 रनों की शतकीय पारी खेली। दीपक ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। दीपक से पहले सुरेश रैना, रोहित शर्मा और के.एल. राहुल भी ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिये शतक लगा चुके हैं। दीपक ने पारी में 9 चौके और 6 छक्के लगाये। वहीं संजू सैमसन ने भी 42 गेंदों में 77 रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के कारण भारतीय टीम अंतिम ओवरों में तेजी से रन नहीं बना पाई, फिर भी टीम ने 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाये।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम ने तूफानी अंदाज में शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज पॉल स्टार्लिंग ने 18 गेंदों में 40 रन तथा एंडी बालबर्नी ने 37 गेंदों में 60 रनों की आतिशी पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों को आउट कर भारत ने मैच में वापसी की, लेकिन हैरी टेक्टर (39) और जॉर्ज डॉक्रैल (34) ने टीम को लक्ष्य के नजदीक पहुंचाया। आयरलैंड को आखिरी ओवर में जीत के लिये 17 रन की जरूरत थी, लेकिन आयरिश टीम 12 रन ही बना सकी। दीपक हुड्डा को मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। भारत ने इस दौरे पर अपने दूसरे स्तर की टीम भेजी थी, जिसमें ज्यादातर युवा खिलाड़ी थे।

एशियाई चैंपियनशिप

# रोनाल्डो सिंह ने रजत पदक जीतकर रचा इतिहास

**नई दिल्ली,** भारत के युवा साइक्लिस्ट रोनाल्डो सिंह ने एशियाई ट्रैक चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग की स्प्रिंट स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया, वह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय साइक्लिस्ट बन गये। रोनाल्डो की उपलब्धि महाद्वीपीय चैंपियनशिप में किसी भारतीय साइक्लिस्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोनाल्डो ने जापान के अनुभवी राइडर केंटो यामासाकी को कड़ी चुनौती दी लेकिन दूसरा स्थान ही हासिल कर सके।

यामासाकी ने लगातार रेस में रोनाल्डो को पछाड़ कर पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया। कजाखस्तान के आंद्रे चुगे ने स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। रोनाल्डो का यह एशियन चैंपियनशिप में तीसरा पदक था। इससे पहले रोनाल्डो ने एक किलोमीटर टाइम ट्रायल और टीम स्प्रिंट स्पर्धा में कांस्य पदक जीते थे। रोनाल्डो ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान के आंद्रे चुगे को पछाड़ा था। रोनाल्डो पहली रेस में हार गये थे, लेकिन वापसी करते हुए अगली दो रेस जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

रोनाल्डो ने कहा कि मेरे दिमाग में स्वर्ण पदक था, लेकिन फिर भी मैं खुश हूं, क्योंकि यह मेरा पहला रजत पदक है। यह मेरे कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। प्रत्येक टूर्नामेंट में मेरी तकनीक में सुधार हुआ है, यह सबसे अहम है।

विश्व जूनियर चैंपियन और एशियाई रिकॉर्डधारी रोनाल्डो ने 200 मीटर फ्लाइंग टाइम ट्रायल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और पुरुष एलीट स्प्रिंट रेस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। भारतीय साइक्लिंग टीम ने अंतिम दिन एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।

एफआईएच प्रो लीग

# नीदरलैंड्स ने जीता खिताब

**डेन बॉश,** नीदरलैंड्स की हॉकी टीम ने एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया है। नीदरलैंड्स ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुये अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुये खिताब पर कब्जा किया। नीदरलैंड्स टूर्नामेंट में 16 मैचों में से 12 मैचों में जीत के साथ 42 अंक लेकर विजेता बना।

एफआईएच प्रो लीग में बेल्जियम ने दूसरा तथा भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया। बेल्जियम ने 16 मैचों में 10 जीत के साथ 35 अंक अर्जित किये, जबकि भारत ने इतने ही मैचों में 8 जीत के साथ 30 अंक हासिल किये। भारत ने अपने आखिरी दो मुकाबले नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले थे। पहले मुकाबले में नीदरलैंड्स ने पेनाल्टी शूटआउट के जरिये जीत दर्ज की।

पहला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबर पर रहीं, जिसके बाद पेनाल्टी शूटआउट खेला गया। पेनाल्टी शूटआउट में नीदरलैंड्स भारत पर हावी रहा और 4-1 से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला भी रोमांचक रहा। इस मुकाबले में तीसरे क्वार्टर तक दोनों टीमें 1-1 की बराबर पर थीं, लेकिन चौथे क्वार्टर में नीदरलैंड्स के लिये जोरिट क्रून ने गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारत यदि इन दोनों मुकाबलों को जीत लेता, तो वह खिताब भी जीत सकता था, लेकिन नीदरलैंड्स ने भारत सहित सभी टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की।

- **नीदरलैंड्स ने पहली बार जीता है एफआईएच प्रो लीग का खिताब।**
- **वर्ष 2019 में ऑस्ट्रेलिया और वर्ष 2021 में बेल्जियम बना है चैंपियन।**
- **वर्ष 2021 में भारत चौथे स्थान पर रहा था, जबकि इस बार तीसरा स्थान प्राप्त किया है।**
- **इस वर्ष महिला वर्ग में एफआईएच प्रो लीग का खिताब अर्जेंटीना ने जीता।**
- **महिला वर्ग में नीदरलैंड्स दूसरे तथा भारतीय महिला टीम तीसरे स्थान पर रही।**

## इंग्लैंड ने 3-0 से जीती टेस्ट सीरीज

**हेडिंग्ले,** इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को इंग्लैंड ने 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। इंग्लैंड ने सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। मैच में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 329 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 360 रन बनाये। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की टीम ने 326 रन बनाकर 296 रनों का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 296 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले इंग्लैंड ने पहला टेस्ट मैच 5 विकेट तथा दूसरा मैच 5 विकेट से जीता था। इंग्लैंड ने तीनों मैचों में 250 से अधिक रनों का लक्ष्य हासिल किया है।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

## सामयिकी

● साइबर हमले से ●

### ईरान की इस्पात कंपनी में उत्पादन बंद

ईरान की सबसे बड़ी इस्पात कंपनियों में से एक ने कहा कि साइबर हमला होने के बाद उसे उत्पादन रोकने के लिए बाध्य होना पड़ा है। देश के रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्र पर किए गए सबसे बड़े साइबर हमलों में एक है। सरकारी खुजेस्तान स्टील कंपनी ने एक बयान जारी कर बताया कि साइबर हमले के बाद विशेषज्ञों ने तय किया कि कंपनी तकनीकी समस्या के चलते अपना परिचालन जारी नहीं रख पाएगी और उसे अगले नोटिस तक बंद रखा जाएगा।

स्थानीय समाचार चैनल जामरान ने खबर दी है कि इस हमले से इस्पात संयंत्र में कोई संरचना संबंधी नुकसान नहीं हो पाया, क्योंकि उस समय बिजली गुल होने के कारण उत्पादन नहीं हो रहा था।

कंपनी ने इस हमले के लिए अब तक किसी समूह को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। यह हाल के हफ्तों में देश की सेवाओं को निशाना बनाकर किया गया नवीनतम हमला है। ईरान इससे पहले देश में हुए साइबर हमलों के लिए अमेरिका और इजराइल को जिम्मेदार ठहरा चुका है।

वाणिज्य भवन का उद्घाटन और निर्यात पोर्टल का शुभारंभ

# सरकार के प्रोजेक्ट्स बरसों तक लटकें नहीं समय पर पूरे हों, योजनाएं अपने लक्ष्यों तक पहुंचें - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में 'वाणिज्य भवन' का उद्घाटन किया और निर्यात पोर्टल (राष्ट्रीय आयात-निर्यात वार्षिक व्यापार विश्लेषण रिकॉर्ड) का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि नए भारत में सिटिजन सेंट्रिक गवर्नेंस के जिस सफर पर देश बीते 8 वर्षों से चल रहा है, उस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि देश को आज नया और आधुनिक वाणिज्य भवन और साथ ही निर्यात पोर्टल की भेंट मिल रही है। मंत्रालय के नए बुनियादी ढांचे का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कारोबारी सुगमता के साथ-साथ जीवन में आसानी के संकल्प को दोहराने का भी समय है। उन्होंने कहा पहुंच में आसानी होना इन दोनों के बीच की कड़ी है। सरकार से संवाद स्थापित करने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए और सरकार को सुगमता से सुलभ बनाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की नीतियों में यह दृष्टि स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रोजेक्ट्स बरसों तक लटकें नहीं, समय पर पूरे हों, सरकार की योजनाएं अपने लक्ष्यों तक पहुंचें, तभी देश के टैक्सपेयर का सम्मान है। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के रूप में हमारे पास एक आधुनिक

प्लेटफॉर्म भी है। उन्होंने कहा कि यह वाणिज्य भवन राष्ट्र की 'गति शक्ति' को बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री ने कहा हम ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 46वें स्थान पर हैं और लगातार सुधार कर रहे हैं। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार की बात भी कही थी, आज 32000 से ज्यादा अनावश्यक अनुपालनों को हटा दिया गया है। इसी तरह भवन के शिलान्यास के समय जीएसटी नया था, अब प्रतिमाह 1 लाख करोड़ जीएसटी संग्रह आम बात हो गई है। जीईएम की बात करें तो 9 हजार करोड़ रुपये के ऑर्डर की चर्चा हुई थी, आज 45 लाख से ज्यादा छोटे उद्यमी पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं और 2.25 लाख करोड़ से ज्यादा के ऑर्डर दिए जा चुके हैं। आज भारत में 2300 पंजीकृत फिन-टेक स्टार्टअप हैं, जो 4 साल पहले केवल 500 थे। प्रधानमंत्री ने बताया कि वाणिज्य भवन की आधारशिला रखने के समय भारत हर साल 8000 स्टार्टअप को मान्यता देता था, आज यह संख्या 15000 से अधिक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल ऐतिहासिक ग्लोबल डिसरप्शंस के बावजूद भारत ने 670 बिलियन डॉलर यानी 50 लाख करोड़ रुपये का कुल एक्सपोर्ट किया। पिछले साल देश ने तय किया था कि हर चुनौती के बावजूद 400 बिलियन डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपये के मर्चेंडाइज एनीसपोर्ट का पड़ाव पार करना है। लेकिन हमने इसको भी पार करते हुए 418 बिलियन डॉलर यानी 31 लाख करोड़ रुपये के एक्सपोर्ट का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा, "पिछले वर्षों की इस सफलता से उत्साहित होकर, हमने अब अपने निर्यात लक्ष्य बढ़ा दिए हैं और उन्हें प्राप्त करने के अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया है। इन नए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास बहुत आवश्यक है।" उन्होंने यह भी कहा कि न केवल अल्पकालिक बल्कि दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित किए जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्यात (एनआईआरवाईएटी) - राष्ट्रीय आयात-निर्यात व्यापार वार्षिक विश्लेषण पोर्टल के लिए सभी हितधारकों को तत्काल डेटा प्रदान करके साइलो को तोड़ने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, "इस पोर्टल से दुनिया के 200 से अधिक देशों को निर्यात किए जाने वाले 30 से अधिक कमोडिटी समूहों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। इस पर आने वाले समय में जिलेवार निर्यात से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध होगी। इससे जिलों को निर्यात के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में विकसित करने के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।"

राष्ट्रमंडल राजनयिक अकादमी

## भारत और ब्रिटेन मिलकर स्थापित करेंगे

भारत और ब्रिटेन संयुक्त रूप से राष्ट्रमंडल राजनयिक अकादमी कार्यक्रम स्थापित करेंगे। इस कार्यक्रम में दोनों देशों के युवाओं और महत्वाकांक्षी राजनयिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। रवांडा में विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने अपनी ब्रिटिश समकक्ष लिज ट्रस से मुलाकात की और संयुक्त रूप से राष्ट्रमंडल मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए नई अकादमी स्थापित करने की घोषणा की। ट्रस ने कहा, 'कार्यक्रम से ग्रेजुएट होने वाले लोग राष्ट्रमंडल को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ब्रिटेन और भारत 21वीं सदी के लिए एक आधुनिक राष्ट्रमंडल के निर्माण में जुटे हैं और अपने सदस्यों को वास्तविक लाभ प्रदान कर रहे हैं। इसलिए हम एक नए राष्ट्रमंडल राजनयिक अकादमी कार्यक्रम पर एक साथ काम कर रहे हैं।' रवांडा की राजधानी किगाली में राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों की बैठक में श्री जयशंकर और ट्रस ने मुलाकात की और संयुक्त बयान जारी किया। संयुक्त बयान के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्रमंडल

राजनयिक अकादमी कार्यक्रम की मेजबानी नई दिल्ली करेगी।

संयुक्त बयान में कहा गया, "उन्होंने राष्ट्रमंडल परिवार के लिए वास्तव में जुड़ा, अभिनव और परिवर्तनकारी भविष्य देने के लिए यूके और भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो सभी सदस्य देशों की जरूरतों और अपेक्षाओं का समर्थन करता है।" जयशंकर और ट्रस ने किगाली, रवांडा में एक बैठक की, जहां राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों ने मानवाधिकारों, यूक्रेन संकट और महामारी के बाद की वसूली पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।

● परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स ●

### देश के साढ़े तीन सौ से ज्यादा जिलों में शिक्षा का स्तर उत्तम

स्कूली शिक्षा में तेजी से हो रहे सुधारों को निचले स्तर तक परखने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने पहली बार जिला स्तरीय परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआईडी) रिपोर्ट जारी की है। कोरोना के चलते समय पर इसके आकलन का काम पूरा न हो पाने के कारण मंत्रालय ने वर्ष 2018-19 और 2019-20 की रिपोर्ट एक साथ जारी की है। रिपोर्ट में वर्ष 2018-19 की तुलना में 2019-20 में स्कूली शिक्षा में बड़ा बदलाव दिखा है। मध्यप्रदेश के 11 जिलों सहित देश के करीब 365 जिलों में स्कूली शिक्षा का स्तर उत्तम या उससे भी बेहतर पाया गया है। वहीं पहली बार तीन जिलों ने उत्कर्ष श्रेणी में जगह बनाई है, जबकि उच्चतम दक्ष श्रेणी में एक भी जिला नहीं पहुंच पाया। शिक्षा मंत्रालय ने जिलों में स्कूली शिक्षा में आए बदलावों की परख वर्ष 2018-19 की रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

संयुक्त राष्ट्र

## आर्थिक बदहाली झेल रहे अफगानिस्तान को दस मिलियन अमेरिकी डॉलर देगा

संयुक्त राष्ट्र ने अपने केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (यूएनसीईआरएफ) से अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए भूकंप से प्रभावित अफगानिस्तान के लोगों का समर्थन करने के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवंटित किए हैं। द खामा प्रेस अखबार ने बताया कि मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान के प्रभावित लोगों के लिए तत्काल प्रतिक्रिया में मदद के लिए UNCERF से 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर जारी किए हैं।

ज्ञात रहे कि संयुक्त राष्ट्र की सहायता तब मिलती है जब दुनियाभर के कई संगठन भूकंप से बुरी तरह प्रभावित लोगों को बड़ी मात्रा में धन मुहैया कराते हैं। पिछले दिनों राजधानी काबुल समेत अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वर्तमान में पक्तिका प्रांत के बरमल और गियान जिलों में और खोस्त प्रांत के स्पेरा जिले में 1000 से अधिक लोगों के मारे जाने का अनुमान है। इसके अलावा, सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों बरमल, ग्यान और स्पेरा में से तीन में कम से कम 1,455 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई गंभीर रूप से प्रभावित हैं जबकि 10,000 से अधिक घर तबाह हो गए हैं। भारत ने, तालिबान अधिकारियों की मौजूदगी में मानवीय सहायता का दूसरा जत्था अफगानिस्तान को सौंपा। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पीएआई), जेपी सिंह द्वारा सौंपी गई राहत सहायता में भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अफगानिस्तान के लोगों का समर्थन करने के लिए परिवार के रिज टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, स्लीपिंग मैट सहित आदि आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं।

## भारत के 16वें उपराष्ट्रपति चुनाव का कार्यक्रम जारी

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु का कार्यकाल 10 अगस्त, 2022 को समाप्त हो रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 68 के अनुसार पद की अवधि की समाप्ति के कारण हुई रिक्ति को भरने के लिए चुनाव, निवर्तमान उपराष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पहले पूरा किया जाना आवश्यक है। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार की अध्यक्षता में हुई चुनाव आयोग की बैठक में उपराष्ट्रपति के कार्यालय के लिए चुनाव कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 66 के अनुसार उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बने निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से किया जाता है। 16वें उपराष्ट्रपति चुनाव, 2022 के लिए निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543

निर्वाचित सदस्य शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों के कुल 788 सदस्य होते हैं। चूंकि, निर्वाचक मंडल के सभी सदस्य, संसद के दोनों सदनों के सदस्य हैं, इसलिए प्रत्येक संसद सदस्य के मत का मूल्य समान होगा अर्थात एक। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 8 के अनुसार, चुनाव के लिए मतदान संसद भवन में होगा। संविधान में स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया गया है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव गुप्त मतदान के जरिए होगा।

**भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव कार्यक्रम 2022**

| | | |
|---|---|---|
| 1 | निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव होने की अधिसूचना जारी करना | 5.07.2022 (मंगलवार) |
| 2 | नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि | 19.07.22 (मंगलवार) |
| 3 | नामांकन पत्रों की जांच की तिथि | 20.07.2022 (बुधवार) |
| 4 | उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि | 22.07.2022 (शुक्रवार) |
| 5 | मतदान की तारीख, यदि आवश्यक हो | 06.08.2022 (शनिवार) |
| 6 | मतदान की अवधि | सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक |
| 7 | मतगणना की तारीख, यदि आवश्यकता हुई | 06.08.2022 (शनिवार) |

श्रीलंका में

## सरकारी कर्मियों को घर से काम करने के निर्देश जारी

सात दशकों में सबसे खराब आर्थिक दौर से गुजर रहे श्रीलंका में लोगों को गंभीर ईंधन संकट का सामना करना पड़ रहा है। सैनिकों ने पेट्रोल पंपों पर कतार में लगे लोगों को बाद में आने के लिए टोकन दिए। ईंधन बचाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही राजधानी कोलंबो और आसपास के इलाकों में एक सप्ताह के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। 2.2 करोड़ की आबादी वाले द्वीपीय देश श्रीलंका में विदेशी मुद्रा अब बहुत कम बची है, इसके चलते जरूरी खाद्य पदार्थ, दवाओं और ईंधन के आयात के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

श्रीलंका के बिजली एवं ऊर्जा मंत्री कंचन विजेसेकरा ने बताया कि भंडार में छह हजार टन पेट्रोल और नौ हजार टन डीजल शेष बचा है और अभी तक कहीं से आपूर्ति का इंतजाम नहीं हो पाया है। सरकारी कर्मचारियों से घर से काम करने को कहा

गया है। इस बीच पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। ईंधन की किल्लत पर 67 वर्षीय आटो रिक्शा चालक शेल्टन कहते हैं कि वे चार दिन से कतार में हैं, इस दौरान न तो ठीक से सो पाए और न ही खा सके। उन्हें एक टोकन दिया जा रहा है, जिसका मतलब है कि जब ईंधन की उपलब्धता होगी तब नंबर के अनुसार ईंधन दिया जाएगा। वह कहते हैं कि उनके पास फिलिंग स्टेशन से घर लौटने तक के लिए ईंधन नहीं बचा है।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।